राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित
वर्ष : 11
अंक : 299
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 11 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 कुतुबमीनार को विष्णु स्तंभ बताकर परिसर में हनुमान चालीसा का पाठ करने की घोषणा करने वाले जय भगवान गोयल हाउस अरेस्ट
पेज 5 14 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी समझौते से होगा मुकदमों का निस्तारण
पेज 7 2022-26 के दौरान पड़ेगी रिकॉर्ड गर्मी, ग्लोबल वार्मिंग को लेकर विशेषज्ञों ने चेताया

दिल्ली में दूसरे दिन बुलडोजर

दुकानें तोड़ी, घरों के बाहर का अतिक्रमण हटाना शुरू; जेसीबी के आगे खड़े हुए आप विधायक को हटाया

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की मंगलवार को बुलडोजर लेकर मंगोलपुरी और न्यू फ्रेंडस कॉलोनी में अतिक्रमण हटाने पहुंची। यहां बुलडोजर ने अवैध दुकानें तोड़ना शुरू कर दी हैं। दुकानदारों ने भी अपना अतिक्रमण हटाना खुद शुरू कर दिया है। पटरी दुकानदारों के अतिक्रमण के बाद अब बुलडोजर घरों के बाहर किए गए अतिक्रमण को तोड़ा जा रहा है। घरों के बाहर बनी पार्किंग, बाउंड्री और अन्य निर्माण को तोड़ा गया। लोगों घरों के बाहर सड़क पर रेलिंग लगाकर वहां कब्जा कर लिया था, जिसे बुलडोजर से हटा दिया गया।

एसडीएमसी दक्षिण दिल्ली के कई हिस्सों में 4 मई से 13 मई तक अतिक्रमण अभियान का पहला चरण चला रही है। इसी क्रम में वह कल शाहीन बाग में अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। लोगों के विरोध के कारण टीम अतिक्रमण नहीं हटा पाई थी।

लाल रंग का रिबिन लगाकर पहुंचे कर्मी

एसडीएमसी के कर्मचारी लाल रंग का रिबिन लगाकर एक्शन में भाग लेने पहुंचे। टीम ने यह रिबिन लगाने का डिसीजन इसलिए लिया, जिससे आम लोग और एसडीएमसी कर्मचारी अलग पहचान में आ सकें और हंगामा होने की स्थिति में पुलिस को एक्शन लेने में किसी भी प्रकार का कन्फ्यूजन न हो।

न्यू फ्रेंडस कॉलोनी पहुंचे बुलडोजर को देखकर लोगों ने अपना अतिक्रमण खुद ही हटाना शुरू कर दिया था। लोगों का कहना था कि हम अपना अतिक्रमण खुद हटा लेंगे, यहां बुलडोजर नहीं चलाएं, लेकिन टीम ने अपनी कार्रवाई जारी रखी। यहां लोगों ने सड़क पर पक्का निर्माण कर लिया था। लोगों ने दुकान बनाकर सीमेंट कंक्रीट से पक्का निर्माण किया था। इसे बुलडोजर से तोड़ा जा रहा है। एसडीएमसी का बुलडोजर न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी से पहले गुरुद्वारा रोड पहुंचा और यहां रास्ते से अतिक्रमण हटाते हुए न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी पहुंचा। एसडीएमसी ने कल ही यहां 11 बजे से कार्रवाई का ऐलान किया था। एसडीएमसी का बुलडोजर 11 बजे से कुछ देर पहले ही एक्शन में आ गया और अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिया।

विधायक को पुलिस ने पकड़कर हटाया

गुरुद्वारा रोड पर जैसे ही बुलडोजर पहुंचा, आम आदमी पार्टी के मंगोलपुरी विधायक मुकेश अहलावत मौके पर पहुंच गए और बुलडोजर के आगे खड़े हो गए। उनका कहना था कि जब लोग खुद ही अपना अतिक्रमण हटा रहे हैं तो बुलडोजर की क्या जरूरत है। इस पर पुलिस ने पहले उन्हें पकड़कर गाड़ी में बैठाया, फिर वहां से जाने को बोल दिया। पुलिस की सख्ती देकर विधायक वहां से चले गए।

हम सड़कों पर काम कर रहे, धर्म विशेष पर नहीं : सिंह

एसडीएमसीसेंट्रल जोन के अध्यक्ष राजपाल सिंह ने अतिक्रमण अभियान पर कहा- लोगों का आरोप रहता है कि हम धर्म विशेष पर कार्रवाई करते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। जनता के जो अधिकार हैं, हम उसके लिए काम करते हैं। बच्चों की स्कूल बसें, फायर टेंडर आने के लिए सड़कें बाधित नहीं होनी चाहिए, हम इसके लिए काम कर रहे हैं।

'हवाई कार्गो सेवाओं के विस्तार के लिए होगा 98 हजार करोड़ का निवेश'

नयी दिल्ली। कोविड महामारी के दौरान हवाई कार्गो सेवाओं से आय में पांच गुनी से अधिक वृद्धि दर्ज किये जाने से उत्साहित सरकार ने देशभर के हवाईअड्डों के नेटवर्क के विस्तार एवं उन्नयन के लिए 98 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है।

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज यहां एयर कार्गो फोरम इंडिया (एसीएफआई) के वार्षिक कार्यक्रम के दौरान एक संगोष्ठी में यह जानकारी दी। कार्यक्रम में एसीएफआई के अध्यक्ष साइरस कटगरा, उपाध्यक्ष यशपाल शर्मा, नागरिक उड्डयन मंत्रालय में वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार पीयूष श्रीवास्तव उपस्थित थे।

सिंधिया ने कहा कि कोविड महामारी के बीच बीते दो वर्षों में कार्गो क्षेत्र ना केवल भारतीय विमानन क्षेत्र बल्कि वैश्विक विमानन उद्योग के लिए एक मजबूत संभावना के रूप में उभरा है। भारत कार्गो सेक्टर में 2013-14 के बाद नौ से दस प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। बीते दो वर्षों में एयरलाइनों को कार्गो से होने वाली आय में 520 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आज भारतीय कार्गो राजस्व 31 लाख टन के परिवहन के साथ दो हजार करोड़ रुपए से अधिक है। भारत में इस समय 21 अंतरराष्ट्रीय और 35 घरेलू हवाईअड्डे हैं।

नागर विमानन मंत्री ने कहा कि एयर कार्गो कोविड काल में कठिनाई में था लेकिन इस उद्योग ने नये माहौल के अनुरूप खुद को बदला और शानदार प्रदर्शन किया। तीन साल की कम अवधि में हमारे यहां सात कार्गो मालवाहकों की जगह 28 कार्गो मालवाहक हो गये। उन्होंने कहा कि कार्गो उद्योगपतियों को एक करोड़ टन कार्गो के परिवहन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दूसरे एवं तीसरे टियर के शहरों से छोटे कार्गो विमानों के परिचालन एवं उनकी खरीद पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार वर्ष 2024-25 तक 33 नये घरेलू कार्गो टर्मिनल्स स्थापित करने जा रही है जिससे हमारा कार्गो क्षेत्र उन्नति कर सके। हमें कार्गो सेक्टर में ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को बढ़ावा देने के लिए काग़ज़ रहित प्रक्रियाओं एवं डिजीटलीकरण को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कृषि एवं दुग्ध उत्पादों के परिवहन के लिए भी एयर कार्गो सेवाएं काम करेंगी।

सिंधिया ने कहा कि कार्गो हैंडलिंग के लिए जरूरी हवाईअड्डों पर ढांचागत विस्तार एवं उन्नयन के लिए नागर विमानन मंत्रालय अगले चार वर्षों में 98 हजार करोड़ रुपए व्यय करने जा रही है जिससे नये ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों का निर्माण और मौजूदा ब्राउनफील्ड हवाईअड्डों का विस्तार किया जाएगा।

इनमें से 62 हजार करोड़ रुपए निजी क्षेत्र और 36 हजार करोड़ रुपए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के माध्यम से सरकार निवेश करेगी।

साइक्लोन असानी: आंध्र प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी

विशाखापट्टनम में 23 और चेन्नई में 10 फ्लाइट्स कैंसिल

भुवनेश्वर/कोलकाता। साल के पहले चक्रवाती तूफान असानी ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में असर दिखाना शुरू कर दिया है। तेज हवाओं की वजह से मंगलवार को आंध्र के कई शहरों में बारिश ने दस्तक दे दी है। विशाखापट्टनम में भारी बारिश दर्ज की गई। वहीं, राज्य के श्रीकाकुलम, विजयानगरम, अनाकापल्ली, काकाइनाडा, कोनासीमा, पश्चिम गोदावरी, कृष्णा, गुंटूर, नेल्लौर में भी हल्की बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के मुताबिक असानी बुधवार सुबह तक आंध्र प्रदेश के विशाखापट् ?टनम और काकिनाड़ा के बीच तटीय इलाकों तक पहुंच सकता है। विभाग ने आंध्र प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग के वैज्ञानिक संजीव द्विवेदी ने बताया कि असानी अभी आंध्र प्रदेश के तट की तरफ बढ़ रहा है। सुबह के बाद इसके वापस लौट जाने की उम्मीद है। इसके बाद यह ओडिशा के तट की तरफ बढ़ेगा। ओडिशा में तूफानी बारिश होने की आशंका है।

विशाखापट्टनम और चेन्नई ने कैंसिल की फ्लाइट्स

खराब मौसम की वजह से मंगलवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम एयरपोर्ट से उड़ान भरने और लैंड करने वाली 23 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं। वहीं, चेन्नई एयरपोर्ट ने भी 10 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी है। इनमें हैदराबाद, विशाखापट्टनम, जयपुर और मुंबई जाने वाली फ्लाइट्स शामिल हैं। मौसम विज्ञान केंद्र भुवनेश्वर के मुताबिक अगले 24 घंटे के अंदर ओडिशा के मल्कानगिरी, गजपति, गंजम और पुरी जिलों में भारी बारिश होने की आशंका है। मछुआरों को 13 मई तक समुद्र तट से दूर रहने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटों में बंगाल और ओडिशा के तटीय इलाकों में 90 से 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

आज आंध्र के तट पर पहुंचेगा असानी

मौसम विभाग के मुताबिक, साइक्लोन असानी फिलहाल विशाखापट्टनम के तट से 310 किमी दक्षिण-पश्चिम दिशा में है। यह विशाखापट्टन के तट पर बुधवार सुबह दस्तक देगा। असानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटीय इलाकों में अपना असर दिखाएगा। तूफान का असर बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ में भी रहेगा। 11 से 13 मई तक यहां बारिश होगी, साथ ही तेज हवाएं भी चलेंगी।

असानी चक्रवात 10 मई की रात तक उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ना जारी रखेगा। इसके बाद, यह उत्तर-पूर्व दिशा में ओडिशा तट से उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी की ओर मुड़ेगा। अगले 24 घंटे में इसके कमजोर पड़ने की आशंका है।

चारधाम यात्रा में 6 दिन में 20 श्रद्धालुओं की मौत

ज्यादातर को आया हार्ट अटैक, इनमें कई बीमार और बुजुर्ग श्रद्धालु शामिल

देहरादून। उत्तराखंड में 3 मई से शुरू हुई चारधाम यात्रा में अब तक 20 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। इनमें ज्यादातर मौतें हार्ट अटैक की वजह से हुई हैं। इनमें एक नेपाली मजदूर भी है। सोमवार को यमुनोत्री और गंगोत्री धाम में 14 श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। इनके अलावा केदारनाथ में पांच और बद्रीनाथ में एक श्रद्धालु की मौत हुई है। इस तरह छह दिन में 20 तीर्थयात्रियों की मौत ने यात्रा के आयोजकों और प्रशासन को चिंता में डाल दिया है।

चारधाम मैदानी क्षेत्र से करीब 10 हजार से 12 हजार फीट के बीच की ऊंचाई पर स्थित है। इतनी ऊंचाई पर चढ़ने वाले श्रद्धालुओं में ज्यादातर वो लोग शामिल हैं जो या तो बुजुर्ग हैं या किसी दिल की बीमारी से जूझ रहे हैं। घटना को लेकर सीएम धामी मंगलवार को देहरादून में बैठक बुलाई। उत्तराखंड सरकार के मुताबिक, अब तक 9.5 लाख से अधिक यात्री पंजीकरण कर चुके हैं। सबसे ज्यादा 3.35 लाख केदारनाथ के लिए रजिस्ट्रेशन हुए हैं। सभी चार धामों में निर्धारित क्षमता से तीन गुना अधिक श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं, स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि तीर्थयात्रियों की मौतें कई कारणों से हो रही हैं।

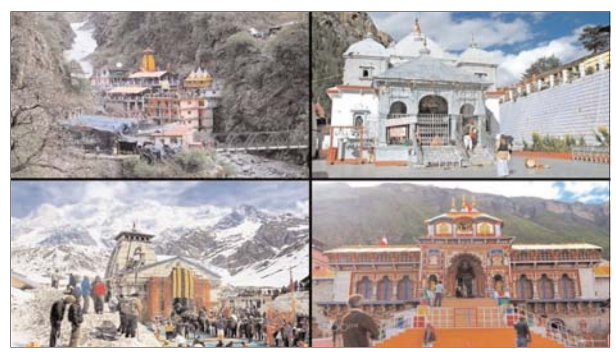

श्रद्धालुओं के लिए कोविड सर्टिफिकेट जरूरी नहीं

सरकार और स्वास्थ्य विभाग की ओर से चारधाम यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सेवाओं के पुख्ता इंतजाम होने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कठिन पैदल मार्गों पर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ठहरने के पर्याप्त इंतजाम तक नहीं है।चारधाम यात्रा के दौरान राज्य सरकार ने ऐसे तीर्थयात्रियों के लिए न तो हेल्थ फिटनेस सर्टिफिकेट जरूरी किया था और न ही तीर्थयात्रियों की संख्या पर कोई सीमा तय की थी। इसके अलावा कोविड निगेटिव रिपोर्ट और वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट भी अनिवार्य नहीं किया गया था।

दो साल बाद शुरू हुई चारधाम यात्रा

चारधाम यात्रा दो साल बाद 3 मई से शुरू हुई है। आखिरी बार 2019 में श्रद्धालुओं ने चारधाम की यात्रा की थी, लेकिन 2020 और 2021 में देश में बढ़ते कोरोना के चलते पूरे देश में लॉकडाउन लगाया गया, जिसके चलते सभी धार्मिक स्थलों को अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया गया था।

शराब पीने से हर 10 सेकंड में एक व्यक्ति की मौत

नयी दिल्ली / जेनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अल्कोहल नियंत्रण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर बल देते हुए कहा है कि शराब पीने से हर 10 सेकंड में एक व्यक्ति की मौत हो रही है और संबंधित कंपनियां युवाओं तथा नशे के आदी लोगों को निशाना बना रही हैं।

शराब की बाजार तकनीकों पर जारी एक नयी रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि दुनिया भर में, हर साल 30 लाख लोग शराब के हानिकारक उपयोग के परिणामस्वरूप मर जाते हैं। हर 10 सेकंड में एक व्यक्ति की मौत शराब का सेवन करने से हो रही है। दुनिया भर में हर साल कुल मौतों में से पांच प्रतिशत मौत अल्कोहल का सेवन करने से होती हैं। रिपोर्ट के अनुसार अल्कोहल से संबंधित मौतों में युवाओं का अनुपात 13.5 प्रतिशत है। इनकी आयु 20-39 वर्ष के बीच है। ये मौतें कैंसर, लीवर तथा अन्य शारीरिक जटिलताओं और सड़क दुघर्टना से होती हैं।

डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि अल्कोहल की ऑनलाइन मार्केटिंग तकनीकों के प्रभावी विनियमन की आवश्यकता है। शराब की ऑनलाइन मार्केटिंग युवा लोगों और अधिक शराब पीने वालों को लक्षित करती है, जो अक्सर उनके स्वास्थ्य की हानिकारक होता है।

अल्कोहल के सेवन के नियंत्रण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर बल देते हुए डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि शराब की डिजिटल मार्केटिंग सीमा पार से होती है। इसमें लक्षित देश की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों का ध्यान नहीं रखा जाता है। जिससे इसके प्रभाव अनुमान से परे होते हैं।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस घेब्रेयसस ने कहा, शराब युवाओं, उनके परिवारों और समाज, उनके जीवन और क्षमता खत्म करती है।

उन्होंने कहा कि शराब नियंत्रण के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बेहद कमजोर है। अल्कोहल मार्केटिंग का बेहतर, अच्छी तरह से लागू और अधिक सुसंगत विनियमन दुनिया भर में युवा जीवन को बचाएगा और सुधारेगा।

रिपोर्ट के अनुसार अल्कोहल के लिए सोशल मीडिया पर लक्षित विज्ञापन विशेष रूप से प्रभावी है। वर्ष 2019 में अमेरिका में प्रमुख अल्कोहल कंपनियों के मीडिया खर्च का 70 प्रतिशत से अधिक प्रचार, उत्पाद प्रदर्शन और सोशल मीडिया में ऑनलाइन विज्ञापनों पर था। विश्व स्वास्थ्य संगठन में अल्कोहल, ड्रग्स और एडिक्टिव बिहेवियर इकाई के डैग रेकवे ने कहा कि डिजिटल मीडिया के बढ़ते महत्व का मतलब है कि शराब की मार्केटिंग तेजी से सीमा पार हो गई है।

यह उन देशों के लिए और अधिक कठिन है जो शराब विपणन को अपने अधिकार क्षेत्र में प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। इस क्षेत्र में देशों के बीच अधिक सहयोग की जरूरत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख खेल आयोजनों में अंतरराष्ट्रीय अल्कोहल कंपनियों द्वारा उपयोग की जाने वाली एक अन्य महत्वपूर्ण रणनीति है।

इस तरह के आयोजन नए दर्शकों के लिए अपने ब्रांड के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं। इसके अलावा, अल्कोहल उत्पादक दुनिया के विभिन्न हिस्सों में दर्शकों और संभावित उपभोक्ताओं तक पहुंचने के लिए स्पोर्ट्स लीग और क्लबों के साथ साझेदारी करते हैं।

फिल्मों और धारावाहिकों में उत्पाद प्रदर्शन के लिए कई अंतरराष्ट्रीय चैनलों पर तालमेल किए जाते हैं।

नोएडा अथॉरिटी की सीईओ ऋतु माहेश्वरी को सुप्रीम कोर्ट से झटका

हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं करेंगी तो नतीजा झेलना होगा

नोएडा । नोएडा अथॉरिटी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ऋतु माहेश्वरी को एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने ऋतु माहेश्वरी को गैर जमानती वारंट मामले में राहत देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भूमि अधिग्रहण से जुड़े अवमानना के मामले में सुनवाई करते हुए ऋतु माहेश्वरी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

हाईकोर्ट ने उन्हें गिरफ्तार कर 13 मई को कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। इसके बाद ऋतु माहेश्वरी फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची थीं। सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए ऋतु माहेश्वरी को फटकार लगाई और गैर जमानती वारंट रद्द करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि आप हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं करती हैं तो इसका नतीजा झेलना होगा। माहेश्वरी के वकील ने मौखिक उल्लेख करते हुए मामले की जल्द सुनवाई की मांग की और अंतरिम राहत देने का आग्रह किया था। इस पर बेंच ने कहा कि आप आईएएस अधिकारी हैं। आपको नियमों का पता है। हर दूसरे दिन कुछ अधिकारी गंभीर मामलों में भी निर्देश के लिए अदालत आ जाते हैं।

हर रोज आदेशों का होता है उल्लंघन

सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि हर रोज इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेशों का उल्लंघन होता है।

यह दिनचर्या हो गई है। एक अधिकारी अदालत जाता है। यह क्या है। अदालत के आदेशों का सम्मान नहीं करते। अगली सुनवाई मामले के सूचीबद्ध होने के बाद होगी।

कोविड-19

दिल्ली में दो महीने बाद सबसे अधिक मौतें

कोरोना : पिछले 24 घंटे में नए 2,288 नए केस, 10 मौतें

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2,288 नए केस सामने आए हैं, जबकि 10 लोगों की मौत हुई है। वहीं, एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या घटकर 19,637 हो गई है। रविवार को 2704 नए केस मिले थे। जबकि शनिवार को 3451 नए केस सामने आए थे। महामारी की शुरुआत से अब तक देश में कुल 4.25 लाख मौतें हुई हैं। देश में मौजूदा रिकवरी रेट 98.74 प्रतिशत है, जबकि डेली पॉजिटिविटी रेट 0.95 प्रतिशत है।

देश में सबसे अधिक 799 केस राजधानी दिल्ली में दर्ज किए गए, जबकि 3 लोगों की मौत हुई है। यह मौतें बीते दो महीने में सबसे अधिक हैं। इससे पहले 4 मार्च को सबसे ज्यादा 4 मौतें दर्ज की गई थी। यहां पॉजिटिविटी रेट 4.94 प्रतिशत हो गया है।

रविवार को 1422 नए केस मिले और एक भी मौत नहीं हुई थी जबकि पॉजिटिविटी रेट 5.34त्न था।

दिल्ली सहित हरियाणा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में कुल मामले के 78त्न मामले हैं।

दिल्ली में 799, हरियाणा में 371, उत्तर प्रदेश में 218 तो वहीं महाराष्ट्र में 121 नए केस मिले हैं लेकिन अच्छी खबर ये रही कि तीनों राज्यों में कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई है।

मध्यप्रदेश और राजस्थान में कंट्रोल में कोरोना

मध्यप्रदेश में 28 और राजस्थान में 102 नए केस मिले हैं, जबकि एक भी मौतें नहीं हुई है। नए मामलों में रविवार के लिहाज से मामूली बढ़त हैं रविवार मध्यप्रदेश में 27 केस आए थे तो वहीं राजस्थान में 91 नए मामले मिले थे।

आईआईटी कानपुर बना हॉटस्पॉट

कानपुर आईआईटी एक फिर से हॉटस्पॉट बन गया है। पिछले 10 दिनों से लगातार 25 नए केस सामने आए हैं और लगातार केस बढ़ते जा रहे हैं।

इसके बाद सभी संक्रमितों को एक हॉल में आइसोलेट कर दिया गया है। बाहर से आने वाले लोगों पर भी रोक लगा दी गई है।

शार्ट न्यूज

कश्मीर में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मंगलवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा, अनंतनाग के क्रीरी, डोरू इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया और जब संयुक्त टीम आतंकवादियों के संदिग्ध ठिकाने की ओर बढ़ रही थी तभी वहां छिपे आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी और सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस ने ट्वीट कर जानकारी दी कि सेना के जवान और पुलिस अभियान में जुटे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि कश्मीर में पिछले 24 घंटे में यह दूसरी मुठभेड़ है।

एएसआई नियमों का उल्लंघन करने पर महबूबा ने सिन्हा पर साधा निशाना

श्रीनगर। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के नियमों का उल्लंघन कर मंदिर की पूजा में शामिल होने पर जमकर निशाना साधा। मुफ्ती उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया दे रही थीं कि एएसआई ने अनंतनाग में संरक्षित मार्तण्ड सूर्य मंदिर में श्री सिन्हा के दौरे पर आपत्ति जताई है, जिसमें कहा गया है कि यह संरक्षित स्मारकों के संबंध में नियमों का सरासर उल्लंघन है। पीडीपी नेता ने ट्वीट कर कहा, हजारों कश्मीरी इन तुच्छ आरोपों के कारण जेल में हैं और राज्य को प्रमुख एएसआई द्वारा संरक्षित स्थल पर पूजा करने जैसे नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हैं। जम्मू-कश्मीर में शासन व्यवस्था पूजा करने तक ही सीमित रह गयी है और लोगों के आवाज को दबाया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर: शोपियां गोलीबारी में घायल नागरिक की मौत

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सोमवार शाम को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान घायल हुए एक नागरिक की मंगलवार सुबह को मौत गई। शोपियां जिले के पांडोशन इलाके में मुठभेड़ के दौरान एक सैनिक और दो नागरिक घायल हो गए। पुलिस ने जानकारी दी कि मुठभेड़ के दौरान घेराबंदी से बचने की कोशिश कर रहे दो नागरिकों को आतंकवादियों ने गोली मार दी दी थी। एक अधिकारी ने कहा,घायल नागरिकों में से एक की आज सुबह मौत हो गयी। उन्होंने कहा कि दो अन्य की हालत स्थिर है। गौरतलब है कि आतंकवादियों और संयुक्त बलों के बीच कल शाम उस समय मुठभेड़ हुई, जब संयुक्त बल इलाके की तलाशी ले रहे थे।

कुलगाम जिले में युवक का शव बरामद

श्रीनगर। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में कुलगाम जिले के यारीपोरा इलाके में मंगलवार को एक युवक का शव मिलने से दहशत फैल गयी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में स्थानीय लोगों ने एक युवक का शव एक बाग में पाया। शव की पहचान मोहम्मद अशरफ मोची के पुत्र शाहिद अहमद मोची के रूप में की गयी। शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम, चिकित्सकीय और कानूनी कार्रवाई के लिए शव को कब्जे में ले लिया।

यूएई, ऑस्ट्रेलिया संग व्यापार समझौता आर्थिक विकास के लिए अहम : सीतारमण

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को केंद्र की तरफ से उद्योगों को पूर्ण समर्थन दिए जाने का आश्वासन देते हुए कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत के व्यापार समझौते से देश के आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) और भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) पर हितधारकों के आउटरीच कार्यक्रम में बात करते हुए उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौते के लिए वाणिज्य और व्यापार मंत्रालय की सराहना की और कहा कि इसे लेकर पूरे देश में जागरूकता कार्यक्रम हो रहे हैं। सीतरमण ने कहा,मैंने विदेश व्यापार महानिदेशालय से व्यापार समझौतों के विवरण और लाभों का तमिल में अनुवाद करने और इसे मीडिया और हितधारकों को प्रसारित करने के लिए कहा है और साथ ही मैंने तमिलनाडु में एमएसएमई मंत्री से भी ओवरलैप को दूर कर तालमेल बढ़ाने के लिए राज्य की नीति साझा करने के लिए कहा है। इस बात पर गौर फरमाते हुए कि इस तरह की बातचीत से हमें जमीनी स्तर की चुनौतियों को समझने और समाधान ढूंढ़ने में मिलती है, वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार उद्योगों की शिकायतों को सुनने और उनका समाधान करने के लिए हमेशा तैयार है।

सिक्किम पुलिस गठन के बेमिसाल 125 साल पर उत्सव

गंगटोक। सिक्किम पुलिस गठन के 125 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां राजधानी गंगटोक के मन्नान केंद्र में सांस्कृतिक प्रतिभा शो का आयोजन किया गया। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राज्य पुलिस के 125 साल पूरा होने के मौके पर पिछले साल 27 नवंबर से राज्य में अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन कर उत्सव मनाया जा रहा है। उत्सव के ये कार्यक्रम आगामी 27 नवंबर तक जारी रहेंगे। मन्नान केंद्र में आयोजित सांस्कृतिक प्रतिभा शो में सिक्किम पुलिस के विभिन्न कलाकारों और पुलिस कर्मियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा वहां पर मौजूद सभी दर्शकों का दिल जीत लिया। इससे पहले मुख्यमंत्री द्वारा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 112 के साथ दो हाईवे पेट्रोल वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना किया गया और बाद में क्वास्की शताब्दी के अवसर पर पुलिस महानिदेशक ए. सुधाकर राव की उपस्थिति में सिक्किम पुलिस स्मारक की आधारशिला रखी गई। कार्यक्रम में विभिन्न कैबिनेट मंत्री, विधायक, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव, गंगटोक के मेयर और डिप्टी मेयर, सिक्किम पुलिस के पुलिस महानिदेशक एवं कई अन्य गणमान्य व्यक्ति, कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और पुलिस बल के परिवार के सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन सिक्किम पुलिस विभाग, मुख्यालय, गंगटोक द्वारा किया गया था।

सिरसा में भाजपा की जनसभा 29 मई को

सिरसा। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) की सिरसा इकाई की ओर से आगामी 29 मई को एक जनसभा का आयोजन किया जायेगा । इस जनसभा को प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल संबोधित करेंगे। इस सिलसिले में आज पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में बैठक हुई, जिसमें जनसभा से संबोधित करने की रूपरेखा बनाई गई। भाजपा के जिला प्रभारी अमरपाल सिंह राणा बैठक में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे और भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुखातिब हुए। राणा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ऐसे हैं जिनके लिए समूचा प्रदेश उनका परिवार है। उन्तीस मई को सिरसा में मुख्यमंत्री की जनसभा होगी, जिसमें पांचों विधानसभाओं से लोग जुटेंगे। विकास कार्यों पर चर्चा होगी और अन्य परियोजनाओं की सौगात सिरसा जिलावासियों को मिलेगी। इस बैठक में मुख्यमंत्री हरियाणा के पूर्व राजनीतिक सलाहकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश चोपडा, जिलाध्यक्ष आदित्य देवीलाल, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र आर्य, जिला महामंत्री अमन चोपडा, पूर्व विधायक रामचंद्र कंबोज, पूर्व चेयरपर्सन रेणू शर्मा, वरिष्ठ नेता गुरदेव राही, श्याम बजाज, प्रदीप रातुसरिया, देवकुमार शर्मा और अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

विदेशी फंडिंग को लेकर एनजीओ पर सीबीआई का शिकंजा, दिल्ली समेत 40 जगहों पर छापेमारी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को सरकारी अधिकारियों और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच रिश्वत के बदले विदेशी फंडिंग के मामले में बड़ा छामेपारी अभियान चलाया। दिल्ली, चेन्नई, मैसूर, कोयंबटूर और राजस्थान सहित कई स्थानों पर 40 स्थानों पर तलाशी की गई।

मिली जानकारी के अनुसार, सीबीआई की टीम ने दिल्ली, चेन्नई, मैसूर, कोयंबटूर और राजस्थान सहित कई स्थानों पर 40 स्थानों पर छापेमारी कर रही है, ताकि गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), और बिचौलियों को पकड़ा जा सके। यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्रालय से एक गुप्त सूचना पर की जा रही है, जो गैर सरकारी संगठनों को विदेशी फंडिग कर रही है।

आरोप है कि एफसीआरए डिवीजन में कुछ सरकारी कर्मचारी गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर लाइसेंस की अवैध मंजूरी दे कर रहे थे, जो उन्हें रिश्वत के बदले विदेशी फंडिंग मुहैया कराते हैं। इस सिलसिले में सीबीआई की टीम ने आधा दर्जन सरकारी अधिकारियों समेत कई लोगों से पूछताछ की है। एक अधिकारी ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा कि संघीय भ्रष्टाचार विरोधी जांच एजेंसी ने एफसीआरए लाइसेंस नवीनीकरण या नए अनुदान से जुड़े दो मामलों में 2 करोड़ रुपये का हवाला लेनदेन भी पाया है।

गौरतलब है कि संसद में मंत्रालय द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2020 के बाद से केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कानून के प्रावधानों के अनुसार पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करने के लिए 466 गैर-सरकारी संगठनों के विदेशी फंडिंग लाइसेंस को नवीनीकृत करने से इनकार कर दिया है। मंत्रालय ने कहा कि 2020 में 100, 2021 में 341 और इस साल मार्च तक 25 एनडीओ के नवीनीकरण रिजेक्ट हुए। दिसंबर 2021 में अपने विदेशी फंडिंग लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए ऑक्सफैम इंडिया के आवेदन की एक प्रमुख अस्वीकृति थी, जिसका नवीनीकरण होना बाकी है। बता दें कि देश में इसके तहत 16,895 संगठन पंजीकृत हैं।

गृह मंत्रालय ने नवंबर 2020 में एफसीआरए नियमों को कड़ा करते हुए कहा है कि ऐसे संगठन जो सीधे तौर पर किसी राजनीतिक दल से नहीं जुड़े हैं, लेकिन राजनीतिक कार्रवाई जैसे शटडाउन, हड़ताल या सड़क जाम में संलग्न हैं, उन्हें राजनीतिक प्रकृति का माना जाएगा। यह परिवर्तन ऐसे समूहों को विदेशी धन प्राप्त करने से रोकेगा। इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले संगठनों में किसान संगठन, छात्र, श्रमिक संगठन और जाति-आधारित संगठन शामिल हैं।

आवारा कुत्तों ने भेड़ों को नोंचा, पांच भेड़ मरीं

सिरसा। हरियाणा में सिरसा के नाथूसरी चौपटा खंड के गांव कुम्हारिया में आवारा कुत्तों ने पशु बाड़े पर हल्ला बोल 40 भेड़ों को नोंच डाला जिससे पांच भेड़ें मौके पर मर गयीं और सात भेड़े गंभीर रूप से घायल हो गई। चरवाहे मानसिंह ने आज यहां बताया कि कुत्तों के भेड़ो को काटने से उसका करीब दो लाख रुपए का नुकसान हो गया है। घायल भेड़ों का पशु चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों द्वारा इलाज शुरू कर दिया गया है। चरवाहा मान सिंह ने बताया कि वह सोमवार रात को अपनी 80 भेड़ों के पास सोया हुआ था। देर रात करीब दो से तीन बजे अचानक भेड़ों के झुंड पर चार-पांच आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया, जिससे पांच भेड़ों की तो मौके पर ही मौत हो गई। सात-आठ भेड़े गंभीर रूप से घायल हो गई, जिनको बचाना भी काफी मुश्किल है। इसके अलावा करीब 30 भेड़ों को भी कुत्तों ने अपनी चपेट में ले लिया। इसकी सूचना उन्होंने पशु चिकित्सा विभाग को दी सूचना मिलने पर पशु चिकित्सकों ने घायल भेड़ों का इलाज शुरू कर दिया।

चरवाहा दम्पत्ति मानसिंह और सुलोचना ने बताया कि आवारा कुत्तों के काटने से पांच भेड़ों की मौत और कई भेड़े घायल होने से उन्हें करीब दो लाख रुपए का नुकसान हो गया है, इस महंगाई के जमाने में उनका तो गुजारा होना भी मुश्किल हो जाएगा। पूरे साल में इतनी तो बचत भी नहीं होती जितना नुकसान हो गया।

अमरिंदर ने पंजाब में आतंक के खतरे की गंभीरता को लेकर दी चेतावनी

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने आज दोहराया कि पंजाब की एकता और अखंडता के खिलाफ राष्ट्र विरोधी ताकतें लगातार कुछ कर गुजरने के लिये प्रयासरत हैं और यह जरूरी है कि इस खतरे को रोकने के लिए एकता, समन्वय और मजबूत प्रयास किए जाएं।

उन्होंने मोहाली स्थित पंजाब पुलिस के खुफिया मुख्यालय पर सोमवार शाम हुए आतंकवादी हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ये हाल की घटनाएं हैं जैसे आर.डी.एक्स की बरामदगी, ड्रोन से भेजे गए ड्रग्स की रिकवरी और पिछले कुछ दिनों में कुछ संदिग्धों की गिरफ्तारी आतंक की ही श्रंखला है।

उन्होंने पाकिस्तान की आई.एस.आई की साजिशों के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि पाकिस्तान ने पंजाब को लेकर अपनी मंशा कभी नहीं छोड़ी है और हमेशा हर मौके का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। उन्होंने विनाशकारी गतिविधियों के लिए आई.एस.आई द्वारा अपराधियों और गैंगस्टरों से निपटने पर भी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि इस पंजाब विरोधी नेटवर्क में और अधिक हथियार आने और अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है, जिसकी पहचान करने की जरूरत है। उन्होंने नई पंजाब सरकार की %अनुभवहीनता% के खिलाफ भी चेतावनी दी और केंद्र सरकार और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय करने का आग्रह किया। राज्य सरकार को हर संभव कदम उठाने चाहिए और पंजाब को बचाने के लिए सभी का सहयोग लेना चाहिए।

'असानी' चक्रवाती तूफान ने बदल दिया रास्ता, आंध्र प्रदेश में जारी किया गया अलर्ट

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव की वजह से बना चक्रवाती तूफान असानी मंगलवार को आंध्र और ओडिशा के तटों के समानांतर आने वाला था लेकिन मौसम विभाग का कहना है कि तूफान ने अपना रास्ता बदल दिया है। अब मौसम विभाग ने आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग का कहना है कि काकीनाड़ा और विशाखापट्टनम के बीच में यह तूफान ज्यादा तबाही मचा सकता है।

सिंहला में असानी का मतलब गुस्सा होता है। यह तूफान अब उत्तरपश्चिम की तरफ आगे बढ़ रहा है। बीते एक दिन से ओडिशा और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में तेज हवा और बारिश देखी जा रही है। आंध्र में कई जगहों पर पेड़ जड़ से उखड़ गए। मौसम विभाग का कहना है कि चक्रवात धीरे-धीरे उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर मुड़ रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 36 घंटे में यह चक्रवाती तूफान कमजोर पड़ेगा। 12 मई की सुबह तक इसका प्रभाव बहुत कम रह जाएगा लेकिन इससे पहले तटीय इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटों पर तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

मंगलवार को दोपहर में असानी काकीनाड़ा, आंध्र प्रदेश से 210 किमी की दूरी पर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में था। विशाखापट्टनम से 310 किमी और ओडिशा के गोपालपुर कोस्ट से यह 530 किलोमीटर की दूरी पर था। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि उम्मीद है बुधवार को जल्दी सुबह तूफान आंध्र प्रदेश के तट को छुएगा।

कुतुब मीनार के पास हिन्दू संगठनों ने किया हनुमान चालीसा पाठ

नाम विष्णु स्तंभ करने की उठाई मांग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को कुछ हिन्दू संगठनों के सदस्यों द्वारा ऐतिहासिक इमारत कुतुब मीनार के पास हनुमान चालीसा पाठ किया गया। इसके साथ ही हिन्दू संगठनों द्वारा इसका नाम कुतुब मीनार का नाम बदलकर विष्णु स्तंभ करने की मांग की गई है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवाल सुबह से ही कुतुब मीनार के पास हिन्दू संगठनों का प्रदर्शन जारी है। हिंदू संगठन महाकाल मानव सेवा के सदस्यों ने कुतुब मीनार के पास हनुमान चालीसा पाठ कर विरोध जताया। हिन्दू संगठनों का दावा है कुतुब मीनार वास्तव में विष्णु स्तंभ है। इस मीनार का निर्माण जैन और हिंदू मंदिरों को ध्वस्त करके किया गया था।

हालांकि, इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस द्वारा कुतुब मीनार परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है।

वहीं, कुतुब मीनार के पास हनुमान चालीसा नहीं पढ़ने देने को लेकर दिल्ली पुलिस ने यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राष्ट्रवादी शिव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयभगवान गोयल को हाउस अरेस्ट कर लिया है। इन प्रदर्शनकारियों की मांग है कि भारत एक सनातन भूमि है इसलिए कुतुब मीनार के साथ ही सभी मुगलकालीन इमारतों और सड़कों का नाम भी बदला जाना चाहिए।

भारत-नेपाल के बीच 72 घंटे के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा बंद

नैनीताल। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा मंगलवार शाम से 72 घंटे के लिए बंद कर दी गई है। अब दोनों देशों के बीच सीमा 13 मई शाम सात बजे के बाद खुलेगी।

पड़ोसी देश नेपाल में चुनावों को देखते हुए नेपाल प्रशासन के अनुरोध पर यह कदम उठाया गया है।

इसके बाद पिथौरागढ़ और चंपावत के जिलाधिकारियों की ओर अंतरराष्ट्रीय सीमा को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि नेपाल में आगामी 13 मई को आम चुनाव होने हैं।

नेपाल के खलंगा दार्चूला और कंचनपुर के प्रमुख जिला अधिकारियों की ओर से शांतिपूर्ण चुनाव के दृष्टिगत पिथौरागढ़ और चंपावत के जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर अंतर्राष्ट्रीय सीमा को सील करने की मांग की गयी।

मणिपुर में स्टार्ट अप इनक्यूबेशन सेंटर का हुआ उद्घाटन

एजेंसी

इम्फाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने मंगलवार को धनामंजुरी विश्वविद्यालय से संबंधित डी.एम. कॉलेज ऑफ कॉमर्स पर 'स्टार्ट अप इनक्यूबेशन सेंटर' का उद्घाटन किया। सिंह ने कहा कि देश में वर्ष 2016 और राज्य में साल 2017 में स्टार्ट-अप इंडिया को लॉन्च किया गया था। उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभावान और मेहनती हैं लेकिन अनुशासन, व्यावसायिकता और नैतिकता की कमी विकास तथा शासन में बाधा उत्पन्न करती है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि युवाओं को नौकरी तलाशने वाले के बजाय रोजगार प्रदाता बनाने के लिए उचित मार्गदर्शन की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों के नियमित कुलपति की नियुक्ति कर शिक्षण संस्थानों को व्यवस्थित और संगठित करने के लिए कुछ कदम उठाए हैं तथा इनमें व्यवस्थित रूप से काम किया जाएगा ताकि समाज में कामकाज मिल एवं प्रगति हो सके।

सिंह ने कहा कि सरकार की तरफ से किए जा रहे विकास कार्य में जनता का सहयोग जरूरी है। उन्होंने आम जनता से राज्य के विकास के लिए मिलकर काम करने की अपील की।

शिक्षा, कानून और विधायी मामलों के मंत्री थौनाओजम बसंत सिंह ने कहा कि युवाओं को सही तरीके से निर्देशित करने की जरूरत है ताकि वे अपनी ऊर्जा को एक सही दिशा दे सकें।

उन्होंने कहा कि 'स्टार्ट अप इनक्यूबेशन सेंटर' बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान करेगा और उनके नए विचारों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

असम अवैध प्रवास से प़ बंगाल की अपेक्षा अधिक सख्ती से निपट रहा है : अमित शाह

एजेंसी

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल की अपेक्षा उसके पड़ोसी राज्य असम ने अवैध प्रवास के मुद्दे को दृढ़ संकल्प के साथ निपटाया है।

उन्होंने अवैध प्रवास से निपटने के लिए भाजपा नीत असम सरकार की जमकर तारीफ की।

गृह मंत्री ने कहा, असम अवैध प्रवास के मुद्दे का दृढ़ निश्चय के साथ सामना कर रहा है, जिसके परिणाम दिखने लगे हैं क्योंकि यहां अवैध प्रवासियों की संख्या में भारी कमी आई है। श्री शाह ने असम में हेमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के एक साल पूरे होने के अवसर पर गुवाहाटी में एक रैली को संबोधित करते हुए यह बयान दिया।

गृह मंत्री ने बंगलादेश से घुसपैठ के मामले में केंद्र के साथ सहयोग नहीं करने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई।

शाह ने सोमवार को असम के मानकाचर में सीमावर्ती इलाकों का दौरा करते हुए कहा था कि पिछले छह वर्षों में घुसपैठ के मामलों में कमी आई है और हम जल्द ही इसे पूरी तरह खत्म करने की उम्मीद करते हैं।

गौर करने वाली बात है कि 1980 के दशक से बंगलादेश से असम में अवैध प्रवास यहां के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दा रहा है। असम आंदोलन की वजह भी यही था।

प्रभावशाली छात्र संगठन ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने सभी अवैध प्रवासियों, खासकर बंगलादेशी अप्रवासियों की पहचान कर उनके निर्वासन की मांग की थी। उन्हें डर था कि इस तरह से बड़े पैमाने पर हो रहे प्रवासन से मूल आबादी के राजनीतिक अधिकार, संस्कृति, भाषा और भूमि अधिकार प्रभावित हो रहे हैं।

शाह ने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में बेहतर सुरक्षा स्थिति में सुधार को देखने के बाद नागालैंड, असम और मणिपुर राज्यों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को खत्म किया जा सकता है।

शाह असम के दो-दिवसीय दौरे पर थे जिसका मंगलवार को समापन हुआ। इस दौरान, उन्होंने भारत-बंगलादेश सीमा का दौरा किया, बोडो प्रादेशिक क्षेत्र के तमुपलुर जिले में एक आयुध कारखाने की आधारशिला रखी, गुवाहाटी में अत्याधुनिक सुविधा वाले सरकारी अस्पताल का उद्घाटन किया और असम में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के एक साल पूरा होने के अवसर पर आयोजित समारोह में भाग लिया।

गहलोत ने मिड डे मील योजना के तहत अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान को मंजूरी सहित कई मंजूरियां दी

एजेसी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2022-23 की बजट घोषणा की अनुपालना में मिड डे मील योजना के तहत कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों को सप्ताह में दो दिन दूध उपलब्ध कराने के लिए 476.44 करोड़ रूपए के अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान को मंजूरी सहित अन्य कई मंजूरियां दी है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इससे राजकीय विद्यालयों में मिड डे मील की पौष्टिकता बढ़ाने के लिए इसी वित्तीय वर्ष में आगामी एक जुलाई से सप्ताह में दो दिन पाउडर मिल्क का उपयोग करते हुए मीठा गर्म दूध उपलब्ध कराया जाएगा। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन द्वारा विद्यालय स्तर पर दूध पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी।

इसी तरह मुख्यमंत्री ने जिला पूलों में संचालित नाकारा वाहनों के रिप्लेसमेंट के लिए 60 नए वाहनों की खरीद हेतु 5.28 करोड रूपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार, जिला पूलों में एसडीएम/एसडीओ के कुल 60 नाकारा वाहन ?से हैं जो 13-14 वर्ष पुराने हैं तथा उनके संचालन पर अत्यधिक खर्चा हो रहा है। इससे सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय भार आ रहा है। इन सभी 60 वाहनों को रिप्लेस कर नवीन वाहन जिलों में उपलब्ध कराए जाएंगे।

गहलोत ने कोटा विज्ञान केन्द्र में डिजिटल प्लेनेटेरियम की स्थापना के लिए 7.40 करोड रूपए के वित्तीय प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 के बजट भाषण के बिन्दु संख्या 45 में मुख्यमंत्री द्वारा बीकानेर, भरतपुर एवं कोटा में 75 करोड़ रूपए की लागत से युवाओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए विज्ञान केन्द्र स्थापित करने की घोषणा की गई थी। उक्त घोषणा की अनुपालना में डिजिटल प्लेनेटेरियम की स्थापना हेतु राज्यांश के रूप में श्री गहलोत द्वारा 7.40 करोड रूपए की राशि स्वीकृत की गई है।

मुख्यमंत्री ने मेवात क्षेत्र के विकास की दृष्टि से तिजारा, अलवर में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना तथा कुल 44 पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

प्रस्ताव के अनुसार प्रिंसिपल, वाइस-प्रिंसिपल तथा प्रोफेसर का एक-एक पद, एसोसिएट प्रोफेसर के दो पद, असिस्टेंट प्रोफेसर के तीन पद, ट्यूटर के आठ पद, एक्जीक्यूटिव असिस्टेंट के सात पद, सहायक लाइब्रेरियन का एक पद, एमटीएस तथा सिक्यूरिटी गार्ड के 10-10 पद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि तिजारा, अलवर में नर्सिंग महाविद्यालय के भवन का निर्माण अल्पसंख्यक मामलात विभाग द्वारा कराया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021-22 के बजट में श्री गहलोत ने सभी जिला मुख्यालयों पर नर्सिंग महाविद्यालय खोलने की घोषणा की थी। वर्तमान में 8 जिलों में नर्सिंग महाविद्यालय संचालित हैं तथा सात जिलों-बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, धौलपुर, पाली, करौली व सीकर में इनकी स्थापना का कार्य प्रगतिरत है। शेष 18 जिलों-बांसवाड़ा, बारां, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, नागौर, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सिरोही, श्रीगंगानगर व टोंक में नर्सिंग महाविद्यालय खोलने का कार्य शुरू किया जाएगा।

गहलोत ने राज्य राजमार्ग एवं ग्रामीण सड़क योजना के तहत विभिन्न सड़कों के निर्माण एवं आधारभूत कार्यों के लिए 137.75 करोड रूपए की मंजूरी दी है। उल्लेखनीय है कि श्री गहलोत ने वर्ष 2022-23 के बजट में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण एवं अन्य आधारभूत कार्यों के लिए लगभग एक हजार 147 करोड रूपए की घोषणा की थी। इस घोषणा के तहत ग्रामीण सडक योजना में चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में पर्याप्त बजट प्रावधान का उपयोग कर विभिन्न 10 कार्यों के लिए यह मंजूरी दी गई है।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने राजसमंद के किरण माहेश्वरी राजकीय कन्या महाविद्यालय को सहशिक्षा महाविद्यालय में परिवर्तित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उल्लेखनीय है कि श्री गहलोत ने वर्ष 2021-22 के बजट भाषण में राजसमंद में किरण माहेश्वरी राजकीय कन्या महाविद्यालय खोलने की घोषणा की थी तथा उक्त महाविद्यालय में प्रवेशित छात्राओं की संख्या लगातार कम होने व छात्रों के आवंटित सीटों से अधिक संख्या में प्रवेश लेने के रूझान को देखते हुए सहशिक्षा महाविद्यालय में परिवर्तन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई ।

इसके अलावा श्री गहलोत ने राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय उदयपुर में आयुर्वेद विभाग से स्नातकोत्तर कर रहे विद्यार्थियों के स्टाईपेण्ड में बढ़ोतरी करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। प्रस्ताव के अनुसार, अब आयुर्वेद स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष में 55,200 रूपए, द्वितीय वर्ष में 58,650 रूपए तथा तृतीय वर्ष में 60,950 रूपए का स्टाईपेण्ड मिलेगा। स्टाईपेण्ड के साथ-साथ विद्यार्थियों को महंगाई भत्ता भी दिया जाएगा।

आयुर्वेद स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को बढ़ा हुआ स्टाईपेण्ड और डीए देने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 9 करोड़ से अधिक की राशि का वित्तीय प्रावधान किया गया है।

शार्ट न्यूज

शादी से दो दिन पहले घर में घुस दुल्हन को पेट्रोल डालकर जलाया, सनकी आशिक की खौफनाक करतूत

गुरुग्राम। शादी से दो दिन पहले एक 24 वर्षीय युवती पर पेट्रोल डालकर जलाने का मामला सामने आया है। गंभीर हालत में युवती को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वह जिंदगी और मौत से लड़ रही है। पुलिस ने युवती के पिता की शिकायत पर गुरुग्राम के फर्रुखनगर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती के पिता ने गांव के ही एक युवक पर बेटी को जलाने का आरोप लगाया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। फर्रुखनगर थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने सोमवार को पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह दिहाड़ी मजदूरी करता है और उसके तीन बच्चे हैं। सबसे बड़ी बेटी की शादी 11 मई को होनी थी। सोमवार सुबह साढ़े पांच बजे उसकी बेटी घर के सामने प्लॉट में पशुओं को चारा डालने के लिए गई थी, तभी वहां आए गांव के एक युवक जयपाल उर्फ बिल्लू ने कथित तौर पर उनकी बेटी पर पेट्रोल छिड़कर कर आग लगा दी। आग लगते ही वह काफी बुरी तरह झुलस गई और जोर-जोर से चिल्लाने लगी। गंभीर हालत में युवती को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां वह मौत और जिंदगी के बीच लड़ाई लड़ रही है। पिता का आरोप है कि जयपाल उर्फ बिल्लू ने उनकी बेटी पर पेट्रोल डालकर आग लगाई है। वह युवक अक्सर उनकी बेटी को परेशान किया करता था, यह बात बेटी ने उन्हें बताई थी। फर्रुखनगर थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि शिकायत के बाद फर्रुखनगर पुलिस थाने में आईपीसी की धारा 326-ए (जानबूझकर तेजाब आदि से गंभीर चोट पहुंचाना) और 307 (हत्या का प्रयास) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़ित युवती के पिता ने गांव के युवक पर आरोप लगाया है। मामले की जांच चल रही है। जल्द आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। पटौदी के एसीपी हरिंदर कुमार ने कहा कि घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है, लेकिन वह बयान देने की हालत में नहीं है। आरोपी को जल्द से जल्द पकड़ लिया जाएगा।

कीलों ने दारोगा को जमकर पीटा, कचहरी चौकी पर किया हंगामा

गाजियाबाद। गाजियाबाद में कचहरी चौकी पर मंगलवार को अदालत में काम से आए एक दारोगा को कई वकीलों ने पीट दिया। दारोगा की पिटाई के बाद चौकी पर हंगामा मच गया। साथी पुलिसकर्मियों ने दारोगा को बचाकर चौकी में बंद कर दिया। दारोगा की मारपीट की सूचना के बाद कचहरी चौकी के पास पुलिस अधिकारी दल बल के साथ पहुंचे। उन्होंने वकीलों को शांत कराया। वकीलों के प्रति मंडल ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि दारोगा भोजपुर थाने में तैनात है। एक दिन पहले ही भोजपुर क्षेत्र में शादी से लौट रहे 2 वकीलों के साथ दारोगा से नोकझोंक हो गई थी। आरोप है कि वकीलों द्वारा परिचय देने के बाद दारोगा ने वकीलों के साथ अभद्रता की और देख लेने की धमकी दी। इस घटना के बाद मंगलवार को वकील कचहरी आए थे। उक्त दारोगा भी अदालत के काम से कचहरी आया था। पुलिस चौकी के पास वकीलों ने उक्त दारोगा को देख लिया। इसके बाद वकीलों ने दारोगा की घेर कर मार पिटाई कर दी। दारोगा की पिटाई होने की घटना की सूचना पर करीब 200 वकील चंद मिनटों में कचहरी चौकी पर पहुंचकर हंगामा करने लगे। वकील एकता जिंदाबाद करते हुए दारोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की। उधर कवि नगर थाने की पुलिस, एसपी सिटी और सीओ भी कचहरी चौकी पर आ गए। अधिकारियों ने बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों से बातचीत कर कार्रवाई का आश्वासन देकर मामले को शांत कराया। करीब 2 घंटे तक सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता चौकी के बाहर ही डटे रहे।

दिल्ली दंगे : दिल्ली पुलिस ने दायर की खामियों भरी चार्जशीट; कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में हुई हिंसा के एक मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से दायर चार्जशीट में खामियां पकड़े जाने पर जांच अधिकारी ने अदालत में अपनी गलती स्वीकार कर ली है। कड़कड़डूमा कोर्ट स्थित मुख्य महानगर दंडाधिकारी शिरीष अग्रवाल की अदालत ने खजूरी खास क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) और थानाध्यक्ष के जवाब पर नाराजगी जताते हुए पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि दोनों अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि कैसे और किन परिस्थितियों में खामियां देखे बगैर चार्जशीट को आगे भेज दिया गया। अदालत ने इस मामले में दिल्ली पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिया है कि एसीपी, थानाध्यक्ष और जांच अधिकारी के जवाब का परीक्षण करें और इनकी कमी पाई जाने पर कार्रवाई की जाए। वहीं, अगर एसीपी के स्तर पर कमी पाई जाती है तो पुलिस कमिश्नर यह भी जांच करें कि उत्तर-पूर्वी जिला उपायुक्त ने एसीपी के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की ? अदालत की ओर से इस मामले में अगली सुनवाई 23 जून को की जाएगी। अगली सुनवाई पर पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के बाबत अदालत को सूचित करना होगा। इस मामले में महबूब आलम सहित पांच आरोपी हैं। गत 9 फरवरी को हुई सुनवाई में अदालत ने पाया था कि चार्जशीट में कई खामियां हैं। साथ में लगाए गए साइट प्लान में घटनास्थल का जिक्र नहीं है। घटना में तीन शिकायतकर्ताओं की तीन संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया था। साइट प्लान में इन संपत्तियों को भी नहीं दर्शाया गया है। जानकारी के अनुसार, अदालत ने पाया था कि खजूरी खास थानाध्यक्ष के अलावा एसीपी खजूरी खास ने भी गौर किए बगैर चार्जशीट को आगे बढ़ा दिया। अब इस पर जवाब देना होगा।

अजनारा बिल्डर के बाद अब ग्रेटर नोएडा में जियोटेक प्रमोटर्स बिल्डर का ऑफिस भी सील

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश भूसंपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) द्वारा जारी वसूली प्रमाणपत्र (आरसी) के आधार पर कार्रवाई करते हुए दादरी तहसील ने ग्रेटर नोएडा स्थित जियोटेक प्रमोटर्स बिल्डर का ऑफिस सोमवार को सील कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यूपी रेरा के वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार, बिल्डर पर करीब 3.12 करोड़ रुपये बकाया है। बार-बार नोटिस जारी करने के बाद भी बिल्डर रकम का भुगतान नहीं कर रहा है। तहसील की टीम ने भुगतान नहीं देने पर संपत्ति कुर्क करने की चेतावनी दी है। दादरी के जिलाधिकारी आलोक गुप्ता ने बताया कि यूपी रेरा ने बिल्डर के खिलाफ 3.12 करोड़ रुपये की नौ आरसी जारी की है। उन्होंने बताया कि अगर बिल्डर ने आरसी की रकम जमा नहीं कराई तो उसकी संपत्ति कुर्क की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले बीते शुक्रवार को यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर-22ए स्थित अजनारा बिल्डर के सेल्स ऑफिस को भी प्राधिकरण के अधिकारियों ने सील कर दिया था। आरोप है कि प्राधिकरण ने उक्त प्लॉट का आवंटन रद्द कर दिया था, इसके बावजूद वहां फ्लैट की बुकिंग चल रही थी। हालांकि, बिल्डर ने प्राधिकरण के समक्ष आवंटन को बहाल करने की मांग की है।

3 बच्चों की मां ने किरायेदार डॉक्टर पर लगाए आपत्तिजनक आरोप

ग्रेटर नोएडा। बीटा-2 में एक बेहद शर्मनाक मामला देखने को मिला है। बीटा-दो में रहने वाली एक महिला ने घर में किराए पर रह रहे डॉक्टर पर अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले की शिकायत बीटा-2 कोतवाली पुलिस से की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित महिला द्वारा शिकायत में बताया गया कि वह बीटा-2 में रहती है। पीड़ित के तीन बच्चे हैं। पीड़ित ने अपने मकान के ऊपर के हिस्से में एक डॉक्टर को किराए पर रखा हुआ है। महिला ने बताया कि डॉक्टर उसके साथ अश्लील बातें और अश्लील हरकतें करता है। महिला के विरोध करने पर आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देता है। महिला डॉक्टर की हरकतों से परेशान होकर पूरे मामले की पुलिस से शिकायत की है। बीटा-2 कोतवाली प्रभारी अनिल कुमार राजपूत ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली के तीनों नगर निगमों को समन भेजकर निगम स्कूलों द्वारा किए गए सुरक्षा उपायों की जानकारी मांगी

दिल्ली पुलिस ने दिल्ली महिला आयोग के नोटिस के बाद मामले में स्कूल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग ने तीनों नगर निगमों को समन जारी कर छात्र छात्राओं की सुरक्षा के लिए स्कूलों द्वारा किए गए उपायों के बारे में जानकारी मांगी है। आयोग ने यह कदम पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा संचालित एक स्कूल में छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न की घटना की पृष्ठभूमि में उठाया है।

दिल्ली महिला आयोग को दिल्ली के भजनपुरा इलाके में नगर निगम द्वारा संचालित एक प्राथमिक विद्यालय के अंदर छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न की शिकायत मिली थी। स्कूल की सभा के बाद छात्राएं कक्षा के अंदर अपने शिक्षक का इंतजार कर रही थीं, तभी एक अज्ञात व्यक्ति कक्षा में घुस आया और कुछ छात्राओं का यौन शोषण किया। इस संबंध में आयोग ने पूर्वी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त को समन जारी किया था।

निगम के अधिकारी आयोग के सामने पेश हुए और बताया कि उनके किसी भी स्कूल में दिन के समय में सुरक्षा गार्ड नहीं होते हैं। उन्होंने आयोग को यह भी बताया कि 232 स्कूलों में से केवल 15 स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे हैं, वह भी चाहरदीवारी पर और कक्षाओं के बाहर लगे हुए हैं। उन्होंने बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम के सभी स्कूलों की चाहरदीवारी पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव अंतिम चरण में है।

आयोग ने स्कूलों में दिन के समय सुरक्षा गार्डों की अनुपस्थिति और स्कूलों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर कड़ा संज्ञान लिया है। दिल्ली महिला आयोग प्रमुख स्वाति मालीवाल ने कहा कि कक्षाओं सहित स्कूलों में सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी की कमी बिलकुल भी स्वीकार्य नहीं है क्योंकि इसका स्कूलों में बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा और सुरक्षा पर सीधा असर पड़ता है।

दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली के भजनपुरा में एमसीडी स्कूल में लड़कियों के यौन उत्पीड़न के मामले में दिल्ली पुलिस को भी नोटिस जारी किया था और स्कूल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। दिल्ली पुलिस द्वारा प्रस्तुत एक जवाब में आयोग को बताया गया है कि मामले की रिपोर्ट पुलिस को नहीं करने के लिए स्कूल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आयोग को सूचित किया गया है कि इसके लिए POCSO अधिनियम के तहत प्राथमिकी में संबंधित धाराएँ जोड़ी गई हैं। पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा दी गई जानकारी पर संज्ञान लेते हुए आयोग ने तीनों निगमों के आयुक्तों को समन जारी कर छात्रों की सुरक्षा की स्थिति की जानकारी मांगी है। आयोग ने प्रत्येक निगम द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों का पूरा ब्योरा मांगा है। आयोग ने विद्यालय में दिन के समय उपस्थित सुरक्षा गार्डों की जानकारी सहित सभी विद्यालयों में सुरक्षा गार्डों की शीघ्र नियुक्ति के लिए उठाये गये कदमों की जानकारी मांगी है। आयोग ने स्कूलों में लगे सीसीटीवी कैमरे, कक्षाओं के अंदर कैमरे लगाने की समयसीमा और स्कूलों की चारदीवारी की स्थिति की जानकारी भी मांगी है। आयोग ने स्कूलों के अंदर यौन उत्पीड़न की शिकायतों से निपटने के लिए नगर निगम द्वारा स्थापित तंत्र की जानकारी भी मांगी है।

इसके अलावा, आयोग ने स्कूल के कर्मचारियों जैसे प्रिंसिपल, शिक्षकों और परिचारकों, स्कूल में रिक्तियों की सूची और उन्हें भरने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण मांगा है। आयोग ने सभी स्कूल स्टाफ के पुलिस सत्यापन की स्थिति की जानकारी भी मांगी है।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल ने कहा, एक स्कूल एक बच्चे के लिए दूसरा घर होता है। बच्चों को अपने स्कूलों में सबसे अधिक सुरक्षित महसूस करना चाहिए जिनका काम उनको समग्र शिक्षा प्रदान करना है। हालांकि, हाल ही में नगर निगम के एक स्कूल में लड़कियों के साथ यौन उत्पीड़न की घटना ने इन स्कूलों के अंदर बच्चों विशेषकर लड़कियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इसके अलावा, पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा प्रदान की गई जानकारी छात्रों की सुरक्षा और सुरक्षा की निराशाजनक स्थिति को दर्शाती है क्योंकि किसी भी स्कूल में सुरक्षा गार्ड नहीं है। यह बिलकुल भी स्वीकार नहीं है और आयोग ने इस संबंध में एक जांच शुरू की है। इन स्कूलों को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए।

कुतुबमीनार को विष्णु स्तंभ बताकर परिसर में हनुमान चालीसा का पाठ करने की घोषणा करने वाले जय भगवान गोयल हाउस अरेस्ट

यूनाइटेड हिंदू फ्रंट द्वारा कुतुब मीनार परिसर पर जोरदार प्रदर्शन व हनुमान चालीसा का पाठ किया गया ; 49 गिरफ्तार

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। कुतुब मीनार 27 हिंदू एवं जैन मंदिरों को ध्वस्त करके उनके अवशेषों का इस्तेमाल करके बनाया गया था जिसका उल्लेख मीनार के मुख्य दरवाजे पर लगे शिलालेख से आज भी मिलता है।

अनेक इतिहासकारों के अनुसार कुतुब मीनार से पहले यहां भगवान विष्णु का विशाल मंदिर था।

यूनाइटेड हिंदू फ्रंट ने कुतुबमीनार को विष्णु स्तंभ बताते हुए यहां मौजूद रहे मंदिरों की खंडित मूर्तियों का विसर्जन करने और संपूर्ण प्रतिमाओं का जीर्णोद्धार करके उन्हें एक स्थान पर स्थापित करके वहां पूजा करने का अधिकार देने की मांग को लेकर धरना देने एवं हनुमान चालीसा का पाठ करने के कार्यक्रम की घोषणा कर रखी थी। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राष्ट्रवादी शिव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जय भगवान गोयल ने करना था लेकिन उन्हें शाहदरा स्थित उनके निवास स्थान पर एसीपी एवं थाना प्रभारी द्वारा प्रातः 7:00 बजे ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया। इस सब के बावजूद भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने कुतुब परिसर के समक्ष जोरदार प्रदर्शन करके वहां हनुमान चालीसा का पाठ किया।

पुलिस द्वारा इस अवसर पर 49 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करके फतेहपुर बेरी थाने ले जाया गया जिनमें फ्रंट की अंतर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुरु मां कंचन गिरि जी महाराज, मां पीतांबरा पीठ, दतिया के धर्माचार्य श्री नवीन जी, फ्रंट के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र बेदी एवं उपाध्यक्ष अवध कुमार, उपाध्यक्ष जयप्रकाश बघेल, विनीता श्रीवास्तव, एवं सुमन प्रजापति आदि कार्यकर्ताओं के नाम उल्लेखनीय हैं।

गोयल ने एक वक्तव्य में कहा कि आज मंगलवार होने के साथ-साथ माता सीता का प्रकट उत्सव एवं महान क्रांतिकारी मंगल पांडे ने आज के ही दिन 1857 को अंग्रेजो के खिलाफ आजादी की लड़ाई का विकल्पों का था।

उन्होंने कहा कि मुगल शासकों ने हिंदू मंदिरों को ध्वस्त करके मस्जिदों मकोड़ों का जो निर्माण करवाया था आज उन्हें द्वारा मंदिरों में परिवर्तित करने का समय आ गया है। कुतुब मीनार के निर्माण में 27 मंदिरों के अवशेषों का जीर्णोद्धार करके हम वहां पूजा-अर्चना का अधिकार मांग कर कुछ गलत नहीं कर रहे लेकिन दिल्ली पुलिस ने तानाशाही रवैया अपनाकर मुझे घर से निकलने तक नहीं दिया जिसकी हम कटु आलोचना करते हैं। श्री गोयल ने बताया कि अपनी मांगों के समर्थन में हमने एक ज्ञापन केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह को प्रेषित किया है जिसकी प्रतिलिपि केन्द्रीय संस्कृतिक मंत्री, श्री कृष्ण रेड्डी जी सांस्कृतिक राज्य मंत्री श्रीमति मीनाक्षी लेखी जी, उपराज्यपाल, दिल्ली श्री अनिल बेजल जी, आयुक्त, दिल्ली पुलिस श्री राकेश अस्थानी जी को भी भेजी गई हैं।

गुरुग्राम की 16 कॉलोनियों में छोटे प्लॉटों को मिलेगी मंजूरी

गुरुग्राम। प्लॉटों के विभाजन करने की मंजूरी से साइबर सिटी गुरुग्राम की 16 कॉलोनिवासियों के लोगों को सरकार से बड़ी राहत मिली है। अब 1980 से पहले बनी कॉलोनियो में आवंटित प्लॉट के विभाजन (टुकड़ों में बांटना) को सरकार कानूनी मान्यता देगी। ऐसे प्लॉट का न्यूनतम आकार 200 वर्ग मीटर होना चाहिए और टुकड़ों में बांटे जाने वाले प्लॉटों का आकार भी 100 वर्ग मीटर से कम नहीं होना चाहिए।

नई नीति को अभी हाल ही में हुई कैबिनेट की बैठक में सरकार ने मंजूरी दे दी है। हालांकि अभी तक सरकार ने इसके लिए कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं किया है। उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार के इस फैसले से सबसे ज्यादा फायदा गुरुग्राम की करीब 16 कॉलोनियों के लाखों लोगों को इसका फायदा मिलेगा। इससे पहले लोगों को मकानों की रजिस्ट्री करवाने और नक्शा करवाने के लिए दर-दर ठोकरें खाने को मजबूर होना पड़ता था। यह योजना अब रीहेबिलिटेशन और टाउन प्लानिंग योजना वाली कॉलोनियों में भी लागू होगी।

ऐसे समझें पूरी योजना = देश की आजादी के समय लाखों की संख्या में शरणार्थी भारत में आए थे। उनको रहने के लिए सरकर ने प्लॉट आवंटित किए थे। सरकार द्वारा दिए इन प्लॉटों की अभी तक टुकडों में रजिस्ट्री नहीं हो रही थी। जैसे कि किसी व्यक्ति को उस समय सरकार ने 500 वर्ग मीटर का एक प्लॉट दिया था। उस 500 वर्ग मीटर प्लॉट को वह अपने दो बेटों को दो हिस्सों में बांटकर उनकी रजिस्ट्री नहीं करवा सकता था। इस कारण इन लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

ओएलएक्स पर पुराना फर्नीचर बेचना युवक को पड़ा भारी, युवक से की 84 हजार की ठगी

ग्रेटर नोएडा। साइबर क्राइम की घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। रोजाना न जाने कितने लोग ठगी का शिकार होते हैं। ऐसा ही एक मामला ग्रेटर नोएडा की एक सोसाइटी में रहने वाले व्यक्ति के साथ देखने को मिला है। पीड़ित को ओएलएक्स पर पुराना फर्नीचर बेचना महंगा पड़ गया। साइबर ठगो ने पीड़ित को झांसा देते हुए खाते से 84 हजार रुपए निकाल लिए। रुपए निकलने का मैसेज आने पर पीड़ित को ठगी का पता चला। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। ग्रेटर नोएडा की यूनिटेक ओरिजन सोसाइटी में अनिल कुमार रहते है। अनिल ने सूरजपुर कोतवाली पुलिस को बताया कि उसने कुछ दिन पहले पुराना फर्नीचर बेचने के लिए ओएलएक्स पर विज्ञापन पोस्ट किया था। जिसके बाद विकास कुमार नाम के व्यक्ति का फोन आया और पुराना फर्नीचर खरीदने की बात बोली। आरोपी ने पीड़ित को अपने झांसे में ले लिया। साइबर ठग ने यूपीआई के माध्यम से पैसे ट्रांसफर करने के लिए बोला। जिसके लिए उसने क्यूआई कोड मांगा। इसके कुछ देर बाद ही पीड़ित के खाते से दो बार में 84 हजार रुपए निकालन लिए। पीड़ित ने बताया कि घटना के समय आरोपियों ने पीड़ित के पास व्हाट्सएप कॉल की थी। रुपए कटने के मैसेज आने पर पीड़ित को ठगी का पता चला। सूरजपुर कोतवाली अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

दिल्ली में जल्द शुरू हो सकती है शराब की होम डिलीवरी

कैबिनेट के सामने रखा जाएगा प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली। नई आबकारी नीति में प्रत्येक वार्ड में कम से कम दो शराब की दुकान खोलने की अनिवार्यता 2022-23 की आबकारी नीति को अधिसूचित करने से पहले खत्म किया जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए जून में अधिसूचित होने वाली आबकारी नीति को लेकर मंत्री समूह ने यही सिफारिश की है। इसके अलावा, मंत्री समूह ने शराब की होम डिलीवरी की भी सिफारिश की है। हालांकि यह शराब डिलीवरी हर कोई नहीं कर पाएगा। सरकार शराब की होम डिलीवरी के लिए कंपनियों को सूचीबद्ध करेगी। सूचीबद्ध कंपनियां ही डिलीवरी वाले इलाके के स्थानीय दुकान से शराब लेकर डिलीवरी करेगी।

मंत्री समूह ने कहा है कि आबकारी नीति का मकसद है कि दिल्ली के सभी इलाकों में बराबर मात्रा में शराब की आपूर्ति की जा सके। मगर दिल्ली में गैर अनुपालन क्षेत्र के चलते दुकानें नहीं खुल पा रही है। इससे शराब की तस्करी बढ़ने की आशंका होती है। इसलिए दूसरे राज्यों की तरह दिल्ली में शराब की होम डिलीवरी की जाएं। मंत्री समूह ने कहा कि कोविड के अनुभवों को देखते हुए होम डिलीवरी जरूरी है।

बताते चले दिल्ली की नई आबकारी नीति में व पुरानी नीति में होम डिलीवरी की सुविधा मौजूद है। मगर आज तक वह जमीन पर नहीं उतर पाई। कारण होम डिलिवरी को लेकर कोई व्यवस्था नहीं बन पाई थी। अभी दिल्ली में होम डिलीवरी के लिए एल-13 श्रेणी का लाइसेंस लेना पड़ता है। हालांकि होम डिलीवरी की नई व्यवस्था के लिए कैबिनेट की मंजूरी के बाद ही फैसला किया जाएगा।

शराब पर छूट जारी रहेगी

मंत्री समूह ने अपनी सिफारिश में शराब के दामों पर दी जा रही छूट पर किसी भी तरह की पाबंदी से इंकार किया है। मंत्री समूह ने कहा कि शराब पर जारी छूट की व्यवस्था स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए जरूरी है। छूट की वजह से दुकानों के बाहर होने वाली भीड़ पर मंत्री समूह ने कहा कि उसके लिए निगरानी बढ़ाई जाएगी।

दिल्ली में होंगे दो नए फ्लाईओवर के निर्माण, केजरीवाल सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के व्यस्त इलाकों में भीड़भाड़ कम करने के उद्देश्य से केजरीवाल सरकार ने मंगलवार को पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली में दो नए फ्लाईओवर के निर्माण को मंजूरी दी। अधिकारियों ने कहा कि ये परियोजनाएं डेढ़ साल में पूरी हो जाएंगी और इसमें 724.36 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत आएगी। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अध्यक्षता वाली व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की एक बैठक में इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

बैठक के बाद मनीष सिसोदिया ने ट्वीट किया कि दिल्ली सरकार ने आज दो फ्लाईओवर परियोजनाओं को मंजूरी दी। आनंद विहार से अप्सरा बॉर्डर के बीच नया फ्लाईओवर, राजा गार्डन और पंजाबी बाग फ्लाईओवर के बीच नया (एलिवेटेड) गलियारा। शहर में सड़कों पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए ये परियोजनाएं आवश्यक हैं और इन्हें डेढ़ साल में पूरा कर लिया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) इन परियोजनाओं का क्रियान्वयन करेगा। विभाग के अधिकारियों ने कहा कि आनंद विहार से अप्सरा बॉर्डर के बीच नया फ्लाईओवर बनने से पूर्वी और उत्तर-पूर्वी दिल्ली से उत्तर प्रदेश की सीमा में जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। इसी तरह, दूसरे फ्लाईओवर के निर्माण से पश्चिमी दिल्ली में रिंग रोड के आसपास के इलाकों में जाने वाले वाहन चालकों को आवाजाही में आसानी होगी। बाद में जारी एक बयान में सरकार ने कहा कि आनंद विहार से अप्सरा बॉर्डर के बीच बनने वाले नये फ्लाईओवर के निर्माण में 372.04 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत आएगी।

इसी तरह, 352.32 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पंजाबी बाग और राजा गार्डन फ्लाईओवर के बीच एलिवेटेड गलियारे का निर्माण किया जाएगा। बयान के मुताबिक, परियोजना के विवरण की समीक्षा के बाद सिसोदिया ने कहा कि फ्लाईओवर और एलिवेटेड गलियारे के निर्माण से लाखों यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

बाइक सवार बदमाशों ने कलेक्शन एजेंट से दिनदहाड़े 6.86 लाख लूटे

नोएडा। दो बाइक सवार चार बदमाशों ने सोमवार दोपहर कलेक्शन एजेंट से 6.86 लाख रुपये लूट लिए। सेक्टर-113 थाना क्षेत्र के सेक्टर-78 स्थित महागुन मेजारिया सोसाइटी के पीछे बने सर्विस रोड पर के पास बदमाशों ने पहले टक्कर मारकर क्लेक्शन एजेंट को गिरा दिया, फिर कनपटी पर पिस्तौल रखकर पैसे लूटकर फरार हो गए। पीड़ित ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दे दी। पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामले की छानबीन की जा रही है। घटनास्थल के पास स्थित सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में चार बदमाश पीड़ित के साथ मारपीट और छीना-झपटी करते दिख रहे हैं। पुलिस आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

वारदात की जांच के लिए तीन टीमें गठित कर दी गई हैं। डीसीपी नोएडा राजेश एस ने बताया कि खोड़ा कॉलोनी के नेहरू गार्डन निवासी प्रमोद साहनी गाजियाबाद की सीएमएस इंफोसिस कंपनी में वर्ष 2003 से कलेक्शन एजेंट हैं।

पति की मुंह बोली मौसी ने की थी नवविवाहित महिला की हत्या

भांजे संग 12 साल से थे अवैध संबंध; दहेज के लिए करते थे तंग

एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले के साहिबाबाद थानाक्षेत्र के डीएलएफ दिलशाद एक्सटेंशन में पांच मई को हुई नवविवाहित महिला की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, मृतका के पति की मुंह बोली मौसी ने ही इस हत्याकांड को अंजाम दिया था और फिर पुलिस को गुमराह करने के लिए लूटपाट की साजिश रची थी। पुलिस ने दहेज के लिए प्रताड़ित करने के चलते मृतका के पति को भी गिरफ्तार किया है।

एसपी सिटी सेकेंड ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि पांच मई को दिनदहाड़े साहिबाबाद थानाक्षेत्र के डीएलएफ दिलशाद एक्सटेंशन में संतोषी उर्फ सोनी की गला दबाकर हत्या कर दी गई थी। अलमारी से नकदी और जेवर गायब होने के चलते लूटपाट के बाद महिला की हत्या की आशंका जताई गई थी।

मृतका के पति संतोष ने उसके ऊपर वाले फ्लैट में काम करने वाले मजदूरों पर लूटपाट के बाद हत्या का शक जाहिर किया था। हालांकि, मंगलवार को पुलिस ने घटना का खुलासा कर दिया। एसपी सिटी ने बताया कि मृतका और उसके पति के साथ रहने वाली पति की मुंह बोली मौसी शांति ने हत्या को अंजाम दिया था।

पूछताछ में शांति ने बताया कि उसने अपने मुंह बोले भांजे संतोष कुमार साहू की शादी फरवरी 2022 में अपने ही समाज की लड़की सोनी उर्फ संतोषी निवासी ज्वालापुर हरिद्वार से कराई थी। शांति ने बताया कि उसके और संतोष के बीच करीब 12 वर्षों से संबंध हैं। इसी के चलते वह शादी के बाद उसी के साथ रह रही थी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शांति और संतोष मृतका को दहेज के लिए प्रताड़ित भी करते रहते थे। पांच मई को संतोषी ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। घटना के वक्त शांति मौके पर मौजूद थी। मरणासन्न स्थिति होने के चलते और खुद को फंसता देख शांति ने ऑडियो केबल से गला घोटकर उसे मौत के घाट उतार दिया और फिर पुलिस को गुमराह करने के लिए रोड से अलमारी तोड़कर नकदी और जेवर निकाल लिए थे।

अलग-अलग जगह छिपाए थे नकदी और जेवर

एसपी सिटी सेकेंड ने बताया कि घटना के बाद शांति ने जेवर नौंवीं मंजिल पर पानी की टंकी के नीचे छुपा दिए थे और कैश दिल्ली में अपने रिश्तेदार के घर दे दिया था। शाम को जब संतोषी का पति ड्यूटी से घर पहुंचा तो पीछे से शांति भी आ गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और ऊपर रहने वाले मजदूरों पर लूटपाट के बाद हत्या का शक जाहिर किया गया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शांति और संतोष को गिरफ्तार कर लिया गया है। शांति की निशानदेही पर नकदी और जेवर के अलावा हत्या में प्रयुक्त ऑडियो केबल भी बरामद कर ली गई है।

संपादकीय

लोकतंत्र पर भीड़तंत्र के हावी होने का संकेत है शाहीन बाग और ज्ञानवापी प्रकरण

बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की शाहीन बाग में इतनी ज्यादा आबादी हो गयी है कि कुछ लोगों के लिए यह राजनीतिक ताकत बन गयी है। यही बात यहां रह रहे घुसपैठिये भी जानते हैं कि उन पर आंच भी नहीं आने दी जायेगी इसीलिए वह बेखौफ होकर सरकार और प्रशासन को चुनौती देते हैं।

क्या शाहीन बाग देश का हिस्सा नहीं है? क्या शाहीन बाग में देश का कानून लागू नहीं होता? क्या शाहीन बाग का भीड़तंत्र देश के कानून को खुली चुनौती नहीं दे रहा? यह सब सवाल उठाये हैं दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के मेयर मुकेश सूर्यान ने। जिस तरह नगर निगम के दस्ते को अतिक्रमण हटाये बगैर शाहीन बाग से लौटना पड़ा यह दर्शाता है कि इस इलाके में भीड़तंत्र ने यह ठान लिया है कि इस इलाके में वही होगा जो वह चाहेंगे। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो की भरमार है जिसमें यहां के लोग अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई करने की हिम्मत दिखाने के लिए सरकार और प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए देखे जा सकते हैं। ऐसे में सोमवार को जो कुछ भी हुआ उस पर ज्यादा आश्चर्य नहीं होना चाहिए। टीवी पर पूरे देश ने देखा कि कैसे सुरक्षा बलों की बड़ी संख्या में तैनाती के बावजूद प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर पाया।

दरअसल बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की शाहीन बाग में इतनी ज्यादा आबादी हो गयी है कि कुछ लोगों के लिए यह राजनीतिक ताकत बन गयी है। यही बात यहां रह रहे घुसपैठिये भी जानते हैं कि उन पर आंच भी नहीं आने दी जायेगी इसीलिए वह बेखौफ होकर सरकार और प्रशासन को चुनौती देते हैं। खास बात यह है कि शाहीन बाग में बुलडोजर पहुँचा तो कांग्रेस, आम आदमी पार्टी के नेता वहां पहुँच कर विरोध प्रदर्शन करने लगे तो मामला कोर्ट में चला गया लेकिन मंगलवार को जब न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी और मंगोलपुरी सहित अन्य इलाकों में अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई चली तो कोई नेता या कार्यकर्ता आकर बुलडोजर के आगे नहीं लेटा। ऐसे में सवाल उठता है कि कुछ नेताओं को शाहीन बाग से इतना प्यार क्यों हैं?

सबको समझना होगा कि नगर निगम की कार्रवाई किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं की जा रही है। यदि अतिक्रमण नहीं हटाये जायेंगे तो ट्रैफिक जाम से कैसे निजात मिलेगी? यदि अतिक्रमण नहीं हटाये जायेंगे तो जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस या फायर टेंडर कैसे गलियों में घुस पायेंगे? यदि घुसपैठियों की पहचान नहीं की जायेगी तो कल को वह आपके लिए भी समस्या पैदा कर सकते हैं या उनके गलत कार्यों के चलते आप कानूनी पचड़े में फंस सकते हैं? यदि घुसपैठिये यहां बसते जाएंगे तो आपके हिस्से के संसाधनों पर धीरे-धीरे अपना हक जताने लग जाएंगे? अभी जिनको यह सब कार्रवाई किसी धर्म विशेष विरोधी लग रही है उन्हें जब यह समझ आयेगा कि उन्होंने अपने क्षेत्र के विकास और अपने बच्चों के भविष्य की राह में रोड़े अटकाये हैं तब तक बहुत देर हो चुकी होगी।

लेकिन सवाल यही है कि शाहीन बाग के लोगों को समझाये कौन? आपको ध्यान होगा कि संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ शाहीन बाग में चले आंदोलन के दौरान यहां के लोगों ने ना तो सरकार की सुनी थी और ना ही सुप्रीम कोर्ट की। सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता कमेटी शाहीन बाग के आंदोलनकारियों को समझाने में नाकाम रही थी। देखा जाये तो शाहीन बाग जैसे कई इलाके अब राजधानी दिल्ली में ही हो गये हैं जहां आबादी अनुपात बुरी तरह बिगड़ा हुआ है। माना जा रहा है कि ऐसे इलाकों में हो रहे गलत कार्यों पर कार्रवाई करने से पहले पुलिस को भी सोचना पड़ता है। हाल ही में जहांगीरपुरी में सबने देखा कि कैसे छतों पर से पत्थर बरसाये जा रहे थे। यदि आबादी के बिगड़े अनुपात वाले इलाकों में एक सर्च ऑपरेशन चला लिया जाये तो घरों या छतों से ऐसी ही सामग्री बरामद होगी।

ज्ञानवापी मामले में अदालत को अपना काम करने देना चाहिए, नेता विवाद में कूदेंगे तो तनाव बढ़ेगा

अजय कुमार

धर्म और राजनीति दो अलग-अलग विषय हैं। धर्म से हमें संस्कार मिलते हैं तो राजनीति से देश आगे बढ़ता है, लेकिन देश का यह दुर्भाग्य है कि यहां धर्म और राजनीति को एक ही तराजू पर तौला जाता है। इसी लिए यहां अक्सर ही जाति-धर्म के नाम पर नफरत के बीज बोए जाते हैं। इसीलिए तो अयोध्या के बाद अब काशी और मथुरा का विवाद गरमाया हुआ है। अयोध्या की तरह काशी-मथुरा का विवाद भी मंदिर-मस्जिद से ही जुड़ा है और कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दोनों ही जगह समय-समय पर मंदिर-मस्जिद से जुड़े लोगों के बीच टकराव जैसे हालात पैदा हो जाते हैं। हालिया विवाद वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर से लगी ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर गहराया हुआ है। वैसे तो ज्ञानवापी मस्जिद काफी समय से विवादित रही है, लेकिन जब से वाराणसी की एक सिविल कोर्ट ने ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी परिसर के कुछ इलाकों के सर्वेक्षण का आदेश दिया है, तब से यह विवाद सड़क पर आ गया है और इसमें नेता नगरी के लोग भी कूद पड़े हैं। गत शुक्रवार को ज्ञानवापी मस्जिद के पास उस समय हालात बेकाबू हो गए जब बड़ी संख्या में लोग यहां नमाज पढ़ने पहुंच गए। भीड़ का आलम यह था कि ज्ञानवापी मस्जिद के आसपास की सड़कें कथित नमाजियों से पट गईं। कथित इसलिए क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में यहां कभी ईद पर भी इतनी बड़ी संख्या में नमाजियों का हुजूम नहीं देखा गया था। इसलिए यह माना जा रहा है कि यह भीड़ इसलिए जुटी थी क्योंकि उसी समय कोर्ट के आदेश पर टीम सर्वेक्षण करने के लिए आने वाली थी और इस सर्वेक्षण टीम का विरोध करने की घोषणा ज्ञानवापी मस्जिद की देखभाल करने वाली अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने भी की थी। यह लोग लगातार नारेबाजी कर रहे थे। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है, जब मुस्लिम जुटे तो दूसरे पक्ष से हर-हर महादेव का उद्घोष होने लगा। पुलिस को साधुवाद देना चाहिए जो उसने दोनों ही पक्षों के लोगों को समझा-बुझा कर वहां से हटा दिया, लेकिन इससे इतर ऐसे लोग भी जुटे हुए हैं जो नहीं चाहते हैं कि मंदिर-मस्जिद का विवाद आसानी से सुलझ जाए। इसीलिए दिल्ली से लेकर हैदराबाद तक के भाईजान भी इस लड़ाई में अपनी सियासत चमकाने में जुट गए हैं। विवाद उत्तर प्रदेश का है, अदालत में सुनवाई चल रही है, लेकिन इस विवाद में आग में घी डालने जैसा काम हैदराबादी ओवैसी कर रहे हैं, जिन्हें विधान सभा चुनाव में यूपी की जनता ने पूरी तरह से रिजेक्ट कर दिया था। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन के प्रमुख असद्दुदीन ओवैसी भी इस विवाद में कूद गए हैं। औवेसी ने एक ट्विट करके कहा कि सिविल कोर्ट वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे का आदेश रथ यात्रा के रक्तपात और 1980-1990 के दशक की मुस्लिम विरोधी हिंसा का रास्ता खोल रहा है। वाराणसी की अदालत के आदेश की निंदा करते हुए असद्दुदीन ओवैसी ने अपने ट्वीट में कहा, 'काशी की ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने का यह आदेश 1991 के पूजा स्थल अधिनियम का खुला उल्लंघन है, जो धार्मिक स्थलों के रूपांतरण पर रोक लगाता है। असद्दुदीन ओवैसी ने कहा, 'अयोध्या के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अधिनियम भारतीय राजनीति की धर्मनिरपेक्ष विशेषताओं की रक्षा करता है जो संविधान की बुनियादी विशेषताओं में से एक है।' असद्दुदीन ओवैसी का बयान अदालत के एक आयुक्त के वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद में अदालत के आदेश के अनुसार परिसर का सर्वेक्षण और वीडियोग्राफी करने के एक दिन बाद आया है। गौरतलब है कि वैसे तो यह विवाद काफी पुराना है।

भारत अब भी युद्ध-विराम की कोशिश करें

-ललित गर्ग-

रूस-यूक्रेन युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है, जैसे-जैसे समय बीत रहा है, अधिक विनाश एवं विध्वंस की संभावनाएं बढ़ती जा रही है। विश्व युद्ध का संकट भी मंडराने लगा है। रूस-यूक्रेन के युद्ध विराम के मामले में भारत ने प्रयास किये, उसे व्यापक प्रयास करते हुए युद्ध विराम का श्रेय हासिल करना चाहिए था, ऐसा करने की सामर्थ्य एवं शक्ति भारत एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास है, यूक्रेन-विवाद शांत करने के लिए भारत की पहल सबसे ज्यादा सार्थक हो सकती है लेकिन जो पहल हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की, उसे आगे बढ़ाना चाहिए था, लेकिन वह कोशिश अब संयुक्तराष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतरेस ने कर दी और वे काफी हद तक सफल भी हो गए। गुतरेस खुद जाकर पूतिन और झेलेंस्की से मिले। उन्होंने दोनों राष्ट्रों के सर्वोच्च नेतृत्व को समझाने-बुझाने की कोशिश की। दुनिया को विश्वयुद्ध से बचाने के लिये इस तरह की युद्ध-विराम की कोशिश बहुत जरूरी है और ऐसी कोशिशों में तीव्र गति लायी जानी चाहिए। क्योंकि युद्ध भले ही यूक्रेन और रूस की धरती पर हो रहा हो, लेकिन उसका असर सम्पूर्ण विश्व को झेलना पड़ रहा है।

यूक्रेन और रूस में शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये भारत को एक बार फिर शांति प्रयासों को तीव्र गति देनी चाहिए। मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देने के लिये यह जरूरी है। इन दोनों देशों को युद्ध विराम से अभय बनकर विश्व को निर्भय बनाना चाहिए। निश्चय ही यह किसी एक देश या दूसरे देश की जीत नहीं बल्कि समूची मानव-जाति की जीत होगी। यह समय की नजाकत को देखते हुए जरूरी है और इस जरूरत को महसूस करते हुए दोनों देशों को अपनी-अपनी सेनाएं हटाने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। यह रूस का अहंकार एवं अंधापन ही है कि वह पहले दिन से ही ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे यूक्रेन उसके समक्ष कुछ भी नहीं, सचाई भी यही है कि यूक्रेन रूस के सामने नगण्य है। यथार्थ यह है कि अंधकार प्रकाश की ओर चलता है, पर अंधापन मृत्यु-विनाश की ओर। लेकिन रूस ने अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य का अहसास एक गलत समय पर गलत उद्देश्य के लिये कराया है।

भारत की नीति यह थी कि रूस का विरोध या समर्थन करने की बजाय हमें अपनी ताकत युद्ध को बंद करवाने में लगानी चाहिए। अभी युद्ध तो बंद नहीं हुआ है लेकिन गुतेरस के प्रयत्नों से एक कमाल का काम यह हुआ है कि सुरक्षा परिषद में सर्वसम्मति से यूक्रेन पर एक प्रस्ताव पारित कर दिया है। उसके समर्थन में नाटो देशों और भारत जैसे सदस्यों ने तो हाथ ऊँचा किया ही है। सुरक्षा परिषद का एक भी स्थायी सदस्य किसी प्रस्ताव का विरोध करे तो वह पारित नहीं हो सकता। रूस ने वीटो नहीं किया। क्योंकि इस प्रस्ताव में रूसी हमले के लिए 'युद्ध', 'आक्रमण' या 'अतिक्रमण' जैसे शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाकर उसे सिर्फ 'विवाद' कहा गया है। इस 'विवाद' को बातचीत से हल करने की पेशकश की गई है। यही बात भारत हमेशा कहता रहा है। इस प्रस्ताव को नार्वे और मेक्सिको ने पेश किया था। यह प्रस्ताव तब पास हुआ है, जब सुरक्षा परिषद का आजकल अमेरिका अध्यक्ष है। वास्तव में इसे हम भारत के दृष्टिकोण को मिली विश्व-स्वीकृति भी कह सकते हैं। इस प्रस्ताव के बावजूद यूक्रेन-युद्ध अभी बंद नहीं हुआ है। भारत के लिए अभी भी मौका है अपने शांति प्रयास एवं युद्ध विराम की कोशिशें तीव्र करें। रूस और नाटो राष्ट्र, दोनों ही भारत से घनिष्टता बढ़ाना चाहते हैं और दोनों ही भारत का सम्मान करते हैं। यदि प्रधानमंत्री मोदी अब भी पहल करें तो यूक्रेन-युद्ध तुरंत बंद हो सकता है। ऐसा संभव होता है तो यह भारत की बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जायेगी। भले ही भारत के रिश्ते रूस के साथ दोस्ताना के रहे हैं, लेकिन इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि यूक्रेन पर रूस के भीषण हमलों में वहां लोगों की जान जा रही है-न केवल निर्दोष-निहत्थे यूक्रेनियों की, बल्कि अन्य देशों के नागरिकों की भी।

यूक्रेन के साथ कोई अनहोनी होती है तो इसके लिए केवल रूस ही जिम्मेदार होगा। रूस एवं यूक्रेन के बीच इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा। विश्व के एक बड़े हिस्से में रूस पहले ही एक खलनायक जैसा उभर आया है। उसे विश्वशांति एवं मानवता की रक्षा का ध्यान रखते हुए युद्ध विराम के लिये अग्रसर होना चाहिए। यह सही है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस के सुरक्षा हितों की उपेक्षा करते हुए यूक्रेन को सैन्य संगठन नाटो का हिस्सा बनाने की अनावश्यक पहल की, यही वह वजह है जिसके कारण युद्ध उग्रत्तर होता गया लेकिन इसका यह मतलब तो नहीं कि रूसी राष्ट्रपति यूक्रेन के आम लोगों के साथ वहां रह रहे विदेशी नागरिकों की जान की परवाह न करें। फिलहाल वह ऐसा ही करते दिख रहे हैं और इसीलिए पश्चिम के साथ-साथ दुनिया के अन्य हिस्सों में भी निंदा का पात्र बने हुए हैं। खुद भारत ने सुरक्षा परिषद में यह साफ किया है कि यूक्रेन में हमला करके रूस ने उसकी संप्रभुता का उल्लंघन करने के साथ जिस तरह अंतरराष्ट्रीय नियमों की अवहेलना की, उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध में भारतीय पक्ष का रुख न केवल संवेदनशील, बल्कि संतुलित भी है। भारत ने हमले की निंदा खुले शब्दों में भले न की हो, लेकिन उसने रूसी हमले का पक्ष भी नहीं लिया है और यूक्रेन की स्वतंत्रता और संप्रभुता के पक्ष में डटा हुआ है। कुल मिलाकर, भारत शांति का पक्षधर है और रूस एवं यूक्रेन युद्ध के सन्दर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि एक साहसी लेकिन अहिंसक नेता के रूप में उभरी है।

युद्ध जब शुरू हुआ था, तब भारत पर विशेष दबाव था कि वह युद्ध रोकने की पहल करे और भारत ने अपने दायरे में रहते हुए पुरजोर कोशिश की भी है। यहां तक कि भारत के रुख से अमेरिका को भी कोई शिकायत नहीं है। रूस भारत का आजमाया हुआ मित्र देश है, इस हिसाब से भी भारत का संतुलित रुख वास्तव में युद्ध का विरोध ही है। भारत में पदस्थ रूसी राजदूत ने भी संयुक्त राष्ट्र में भारत द्वारा अपनाए गए निष्पक्ष और संतुलित रुख के लिए आभार जताया है। भारत ने न केवल संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने का आह्वान किया है, बल्कि हिंसा और शत्रुता को तत्काल समाप्त करने की भी मांग की है। भारत इस समस्या का समाधान कूटनीति के रास्ते से देखना चाहता है। वह युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहता है। पिछले दिनों कुछ व्यग्रता का परिचय देते हुए पोलैंड जैसे देश भारत या भारतीयों के खिलाफ दिखने लगे थे, लेकिन उन्हें भी भारत की कोशिशों का महत्व समझ में आ गया है। भारत की कोशिशें उन देशों से कहीं बेहतर हैं, जो यूक्रेन को हथियार देकर आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह सोच लेना चाहिए, जब रूस में तबाही शुरू होगी, तब इस युद्ध का क्या रुख होगा? यह तबाही रूस नहीं, बल्कि समूची दुनिया की तबाही होगी, क्योंकि रूस परमाणु विस्फोट करने को विवश होगा, जो दुनिया की बड़ी चिन्ता का सबब है। बड़े शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को इस युद्ध को विराम देने के प्रयास करने चाहिए। जबकि वे हिंसक एवं घातक मारक अस्त्र-शस्त्र देकर युद्ध को और तीव्र कर रहे हैं, जबकि युद्ध क्षेत्र में आम लोगों तक हर जरूरी मानवीय मदद पहुंचाने की जरूरत है, भारत ने मानवीय आधार पर इसी तरह की राहत सामग्री यूक्रेन भेजी है। भारत ने उचित ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को यह भी बता दिया है कि वह सभी संबंधित पक्षों के संपर्क में है और उनसे बातचीत की मेज पर लौटने का आग्रह कर रहा है। निस्संदेह, भारत को मानवता के पक्ष के साथ-साथ अपना हित देखते हुए शांति और राहत के प्रयासों में जुटे रहना चाहिए और अपने युद्ध-विराम प्रयासों को तीव्र गति देनी चाहिए।

कैफ़ी आज़मी ने 11 साल की उम्र में लिखी थी पहली ग़ज़ल

रेनू तिवारी

कैफ़ी आज़मी के पिता ने उन्हें ग़ज़ल लिखने की परीक्षा दी। आज़मी ने भी चुनौती स्वीकार की और एक ग़ज़ल पूरी की। 1942 में वे एक पूर्णकालिक मार्क्सवादी बन गए और 1943 में उन्होंने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्यता स्वीकार कर ली।

कैफ़ी आज़मी एक क्रांतिकारी, विरोधाभासी और विद्रोही कवि के रूप में जाने जाते हैं। कैफ़ी आज़मी हिंदी फिल्म उद्योग में एक बहुत प्रसिद्ध कवि-गीतकार बन गए। वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य थे और उन्होंने अपना जीवन मार्क्स के विचारों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित कर दिया।

उनकी पहली ग़ज़ल %इतना तो ज़िन्दगी में किसी के ख़लल पड़े% थी जो उन्होंने ग्यारह साल की उम्र में लिखी थी। कैफ़ी आज़मी की उर्दू पर अच्छी पकड़ थी इसी कारण उन्हें एक भारतीय उर्दू कवि भी कहा जाता था। उन्हें उर्दू साहित्य को भारतीय मोशन फिल्मों में लाने वाले व्यक्ति के रूप में याद किया जाता है। पीरज़ादा कासिम, जौन एलिया और अन्य लोगों के साथ उन्होंने बीसवीं शताब्दी के कई यादगार मुशायरों में भाग लिया। उनकी पत्नी थिएटर और फिल्म अभिनेत्री शौकत कैफ़ी थीं।

कैफ़ी आज़मी का कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति झुकाव

कैफ़ी आज़मी के पिता ने उन्हें ग़ज़ल लिखने की परीक्षा दी। आज़मी ने भी चुनौती स्वीकार की और एक ग़ज़ल पूरी की।

1942 में वे एक पूर्णकालिक मार्क्सवादी बन गए और 1943 में उन्होंने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्यता स्वीकार कर ली। लखनऊ के अन्य प्रगतिशील लेखकों ने उनकी प्रशंसा की। वे भारत के प्रगतिशील लेखक आंदोलन के सदस्य बने। चौबीस साल की उम्र में उन्होंने कानपुर के कपड़ा मिल क्षेत्रों में काम करना शुरू किया और बाद में पूर्णकालिक कार्यकर्ता बन गए। वह मुंबई शिफ्ट हो गए और कार्यकर्ताओं के बीच काम किया और पार्टी के लिए भी काम किया।

शबाना आज़मी अपने पिता के विचारो से हैं प्रभावित

1960 के दशक में भाकपा और सीपीएम के विभाजन के समय उन्होंने आवारा सजदे (वागाबॉन्ड ओबेसेन्स) लिखी। उन्होंने अभिनेता शौकत आज़मी से शादी की थी और उनके दो बच्चे एक्ट्रेस शबाना आज़मी और छायाकार बाबा आज़मी थे। शबाना आज़मी जो बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस हैं वह अकसर सोशल मीडिया पर अपने पिता के बारे में बात करती हैं।

कई बार उनकी विचारधारा अपने पिता से प्रभावित नजर आती हैं।

यूपी सरकार ने कैफ़ी आज़मी को किया था सम्मानित

कैफ़ी आज़मी का जन्म उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के मिज़वान गाँव में एक शिया मुस्लिम परिवार में हुआ था। लंबे समय तक पार्टी के लिए काम करने के बाद वह मिजवान में अपने घर लौट आये और वहां एक आदर्श गांव बनाने के लिए काम किया।

यूपी सरकार ने मिजवान की ओर जाने वाली सड़क के साथ-साथ सुल्तानपुर-फूलपुर राजमार्ग का नाम उनके नाम पर रखा। दिल्ली से आजमगढ़ जाने वाली एक ट्रेन का नाम भी उन्हीं के नाम पर कैफियत एक्सप्रेस रखा गया है।

1993 में उन्होंने ग्रामीण भारत में बालिकाओं और महिलाओं के लिए मिजवान वेलफेयर सोसाइटी की स्थापना की। 10 मई 2002 को 83 साल की उम्र में कैफ़ी आज़मी का निधन हो गया।

16 मई को लगेगा चंद्र ग्रहण, भारत में नहीं दिखेगा और नहीं रहेगा सूतक

साल 2022 का पहला चंद्र ग्रहण जल्द ही लगने जा रहा है। इस साल लगने वाला ये चंद्र ग्रहण पूर्ण चंद्रग्रहण होगा। बता दें कि इस साल दो चंद्र ग्रहण लगेंगे। सबसे पहला चंद्र ग्रहण 16 मई 2022 को लगने जा रहा है। वहीं, दूसरा चंद्र ग्रहण 8 नवंबर 2022 को लगेगा। ये दोनों ही चंद्र ग्रहण पूर्ण चंद्र ग्रहण होंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि सोमवार 16 मई 2022 को चंद्र ग्रहण होगा। इस दिन वैशाख मास की पूर्णिमा है। ये ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा, इस कारण ग्रहण का सूतक नहीं रहेगा। वैशाख पूर्णिमा से संबंधित पूजन कर्म और अन्य सामान्य पूजा-पाठ के लिए कोई बाधा नहीं रहेगी। हिन्दू पंचांग के अनुसार सूर्य ग्रहण और चंद्र ग्रहण दोनों का ही जीवन में बहुत महत्व है। ऐसी मान्यता है कि ग्रहण के दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं करने चाहिए और ऐसे में भगवान की पूजा भी नहीं की जाती है। 30 अप्रैल 2022 को पहला सूर्य ग्रहण लग चुका है और अब सूर्य ग्रहण के ठीक 15 दिन बाद चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। 30 अप्रैल को लगे इस सूर्य ग्रहण के बाद अब 16 मई 2022 को चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। इस साल कुल 4 ग्रहण लगने हैं, जिनमें से 2 सूर्य ग्रहण हैं और 2 चंद्र ग्रहण हैं। इनमें से एक सूर्य ग्रहण लग चुका है, जो कि आंशिक सूर्य ग्रहण था। लेकिन 16 मई को लगने वाला चंद्र ग्रहण पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि भारतीय समयानुसार ग्रहण की शुरुआत सुबह 7.58 बजे होगी और ग्रहण 11.25 बजे खत्म होगा। यह ग्रहण कनाडा, न्यूजीलैंड के कुछ भागों में, जर्मनी में दिखेगा। 30 अप्रैल को वैशाख अमावस्या पर सूर्य ग्रहण हुआ था, ये ग्रहण भी भारत में नहीं दिखा था। आचार्य वराहमिहिर की बृहत्संहिता में लिखा है कि जब एक ही माह में दो ग्रहण होते हैं तो सैन्य हलचल बढ़ती है और किसी देश में तख्तापलट होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

हेलमेंट और पत्नी दोनों सुरक्षा कवच!!

हेलमेंट और पत्नी दोनों का स्वभाव एक जैसा - सिर पर बिठाके रखो तो जान बची रहेगी ?!!

नारी त्याग की मूरत- हर रिश्ते को अपनत्व, कर्तव्य, ज़वाबदारी से निभाने में परिपूर्ण - एडकिशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर नारी का सम्मान हर देश में किया जाता है। नारी के हक़, अधिकार, समानता का भाव इत्यादि अनेक अवसरों के लिए वैश्विक स्तरपर अनेक दिन मनाए जाते हैं। हमने अभी 8 मार्च 2022को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े जोरदार ढंग से और शिद्दत के साथ मनाया। साथियों आधी आबादीके तौर पर महिलाएं हमारे समाज -जीवन का एक मजबूत आधार है। महिलाओं के बिना इस दुनिया की कल्पना करना ही असंभव है।कई बार महिलाओं के साथ पेशेवर जिंदगी में भेदभाव होता है। घर-परिवार में भी कई दफा उन्हें समान हक़ और सम्मान नहीं मिल पाता है। फिर वे जूझती हैं। संघर्ष कर करती हैं और इस दुनिया को खूबसूरत बनाने में उनका ही सर्वाधिक योगदान है।महिला/स्त्री/नारी/औरत शब्द कुछ भी हो, मां/बहन/बेटी/पत्नी रिश्ता कोई सा भी हो वे हर जगह सम्मान की हकदार है। चाहे वह शिक्षक/वकील/डॉक्टर/पत्रकार/सैनिक/सरकारी कर्मी/इंजीनियर जैसे किसी पेशे में हों या फ़िर गृहिणी ही क्यों न हों, समानता, सम्मान का अधिकार उन्हें भी उतना ही है, जितना की पुरुषों का है।

साथियों आज हम इन अधिकारों में जो नारी का पत्नी के रूप में सराहनीय ज़वाबदारी निभाने से संबंधित है, जो ग्रहणी के साथ घर का प्रबंधन, सास ससुर की माता पिता के रूप में सेवा, पति के जीवन में हर मोड़ पर संगिनी का रूप होता है, पत्नी को हर पति और परिवार द्वारा सम्मान दिए जाने को रेखांकित करना जरूरी है। मीडिया में या हम कई जगहों पर एक व्यंग्य या जोक्स के रूप में पढ़ते हैं कि हेलमेंट और पत्नी दोनों का स्वभाव एक जैसा होता है सिर पर बिठाके रखो तो जान बची रहेगी!!

साथियों इसमें भी हम सकारात्मकता और गंभीरता से सोचे तो यह सच है कि जो नारी पत्नी के रूप में इतनी जवाबदारियां निभाती है वह सम्मान की हक़दार तो होगी ही!! यहां हम सिर पर बैठाके रखो से का अर्थ मान सम्मान और उसके हक़ के संबंध में करते हैं, और करें भी क्यों ना? क्योंकि हमने अनेक बार यह कहावत सुने हैं कि पुरुष की सफ़लता के पीछे नारी का हाथ होता है। अनेकों बार पति की सफलता के पीछे भी पत्नी का बहुत बड़ा हाथ होता है कुछ अपवादों को छोड़ दें तो वह हर स्थिति, परिस्थितियों में पति का साथ देती है।

साथियों बात अगर हम पतिपत्नी के दांपत्य जीवन में सोच की करें तो, दांपत्य जीवन में पति-पत्नी की अलग सोच रिश्ते को कमजोर कर सकती हैं। जब पति पत्नी के विचार एक दूसरे से नहीं मिलते तो लड़ाई या टकराव होना स्वभाविक है। हर किसी व्यक्ति का स्वभाव अलग-अलग होता है और अगर दो अलग स्वभाव के व्यक्ति एक रिश्ते में बंध जाएं तो ऐसे में समझदारी से काम लेना जरूरी है। लेकिन कभी-कभी गलत फैसले लेने से रिश्ते में गलतफहमी बढ़ती चली जाती है और रिश्ता टूटने लगता है। ऐसे में समय रहते रिश्ते को बचाना जरूरी है। बता दें कि कुछ तरीके रिश्ते में खुशहाली और प्यार दोनों ला सकते हैं। ऐसे अनेक तरीक़े हैं जो अलग-अलग स्वभाव के व्यक्ति एक दूसरे के साथ तालमेल बैठाने के लिए अपना सकते हैं।

साथियों बात अगर हम दांपत्य जीवन में आपस में सामंजस्य बैठाने की करें तो, अगर आपकी अपने पार्टनर के साथ कई मसलों पर सहमति नहीं होती हैं तो ऐसे में लड़ाई करने के बजाए कोई ऐसा रास्ता निकालें, जिससे आपका और आपके पार्टनर का दोनों की बात का मान रह जाए, हर व्यक्ति की अपनी पसंद अपनी इच्छा होती है। ऐसे में अपने पार्टनर पर उस इच्छा को ठोकना गलत बात है। अपने पार्टनर को पर्सनल स्पेस से दें। हमेशा दांपत्य जीवन में एक दूसरे को सामान समझे और दोनों के फैसले को महत्व दें।

साथियों बात अगर हम दांपत्य जीवन में रिश्ते और परिवार के स्वभाव की करें तो, दांपत्य जीवन में एक दूसरे से प्यार करने के साथ-साथ उसकी इज्जत करना भी बेहद जरूरी है। ऐसे में यदि आपको पता है कि आपके पार्टनर का स्वभाव अलग है या उसके कुछ फैसले आपको पसंद नहीं हैं तो उसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप अपने पार्टनर के स्वभाव को बदलें। ऐसा करने से आपके पार्टनर को लग सकता है कि आप उससे प्यार नहीं करते और आप को उनके कारण शर्मिंदगी होती है। ऐसे में अपने पार्टनर का स्वभाव बदलने के बजाय आप अपने पार्टनर को अपनी परेशानी के बारे में बताएं और एक दूसरे से बातचीत करें।

साथियों बात अगर हम सिर पर बिठाके रखो तो जान बची रहेगी की करें तो इस आर्टिकल का उद्देश्य दांपत्य जीवन में पति पत्नी को हर्ट करना नहीं है। इसका मतलब हमें पत्नी को सम्मान, अधिकार देने से है न कि पत्नि या पति को हर्ट करने की!! क्योंकि सामान्यत: मीडिया में यह पंक्ति हास्य, व्यंग्य, जोक्स के रूप में ही आती है परंतु हमें इस व्यंग्य और जोक्स को भीसकारात्मकता से रेखांकित करने की जरूरत है क्योंकि एक सुखी दांपत्य जीवन के लिए पत्नी को हक़, अधिकार, प्यार और महत्व देना वर्तमान समय की नजाकत को देखते हुए जरूरी भी है क्योंकि मेरा ऐसा मानना है कि इसकी हर पत्नी हकदार भी है। हालांकि इसके साथ पत्नी को भी पूरी शिद्दत के साथ अपनी जवाबदारी, कर्तव्य निभाने की उतनी ही जरूरी है जितना इस पंक्ति को सकारात्मक और गंभीरता से रेखांकित करना जरूरी है

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह आलेख हेलमेट और पत्नी दोनों सुरक्षा का कवच है?!! हेलमेंट और पत्नी दोनों का स्वभाव एक जैसा!! सिर पर बिठा कर रखो तो जान बची रहेगी?!!

नारी त्याग की मूरत है, हर रिश्ते को अपनत्व, कर्तव्य, जवाबदारी से निभाने में परिपूर्ण है।

उम्मीद

उदास रातों में उम्मीद की शमां जलाओ यारो
सन्नाटे की दीवारों पर खुशियां सजाओ यारो
फिर ये ख़ामोशी भी छेड़ेगी तराना कोई नयाँ
इस वीराने में गीत कोई भला गुनगुनाओ यारो

उम्र के साथ बढ़ती गई मुश्किलें तो क्या
तज़ुर्बे की तपिश से इसे सुलझाओ यारो
सब्र से काम लेना जो फिर से तूफ़ां आए
ज़िंदगी की कश्ती को लेना कसके थाम यारो

और जब गुज़र जाए रात मुश्किल अंधेरों भरी
नई सुबह को देना फिरसे नयाँ पैगाम यारों
ज़िन्दगी यु ही गुज़री है मेहनत में तो क्या
नस्ले रखेंगी अपने दिलों ताज़ा अपना नाम यारों

ग़ुलाम के होने न होने में क्या रखा है हुज़ूर
वो तो लिखा ही करता है सुबह-ओ-शाम यारो
न जाने किस मुकाम पे ले जाकर छोड़ेगी ये आशिक़ी
बदनामी में भी जिससे रौशन हुआ उसका नाम यारो

शार्ट न्यूज

यूपी कैबिनेट का फैसला, रिटायर्ड न्यायिक अफसरों को नए दर से मिलेगी पेंशन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 1 जनवरी 1996 से 31 दिसंबर 2005 के बीच सेवानिवृत होने वाले न्यायिक सेवा के अफसरों को नए दर से पेंशन दी जाएगी। नई पेंशन सेवानिवृत्त होने की तिथि पर मिलने वाले वेतन के 50 फीसदी दर यानी 3.07 गुणांक के आधार पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में यह फैसला हुआ। यूपी में 1 जनवरी 1996 से 31 जनवरी 2005 के बीच सेवानिवृत्त होने वाले न्यायिक सेवा के अफसरों की पेंशन का निर्धारण अखिरी वेतनमान के 50 फीसदी के सबसे निचले दर से किया गया। इससे इन सालों में सेवानिवृत होने वाले न्यायिक अधिकारियों की पेंशन कम हो गई। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया। इसमें तर्क दिया गया कि छठे वेतनमान के आधार पर उन्हें पेंशन कम मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को इसमें सुधार करने का निर्देश दिया। इसके आधार पर पेंशन दर संशोधित करने का फैसला किया गया है। अब इन अधिकारियों की पेंशन का पुनरीक्षण 3.07 गुणांक के आधार पर किया जाएगा।

काशी विश्वनाथ पर लखनऊ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर का विवादित बयान, एबीवीपी ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी के हिंदी विभाग के प्रो. रविकांत काशी विश्वनाथ पर आपत्तिजनक बयान देकर फंस गए है। प्रो. रविकांत ने ये बयान यूट्यूब पर के कार्यक्रम के दौरान सोमवार को दिया था। बयान पहले शिक्षकों के व्हाट्सअप ग्रुप पर वायरल हुआ। इसके बाद एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार सुबह यूनिवर्सिटी परिसर स्थित प्रो. रविकांत के घर विरोध प्रदर्शन किया। यूनिवर्सिटी में घटना की सुबह से विरोध शुरू हो गया। एबीवीपी का विरोध यहीं नहीं थमा। नौबत ये आ गई कि प्रो रविकांत को सुरक्षा देने के लिए गुस्साए छात्रों से बचाने को प्रॉक्टर कार्यालय में बिठाया गया। शाम तक आक्रोशित छात्र प्रॉक्टर कार्यालय घेर कर बाहर नारेबाजी करते रहे। करीब पौन घंटे तक प्रो रविकांत प्रॉक्टर कार्यालय में कैद रहे।

यूपी : हमीरपुर में दो साल की मासूम का रेप, बारात में आया था दरिंदा

हमीरपुर। हमीरपुर में दो साल की मासूम को अगवाकर रेप करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोमवार शाम गांव में बारात आया दरिंदा घर के बाहर खेल रही बच्ची को उठाकर गांव के बाहर खेतों में ले गया और दरिंदगी की। सुबह लहूलुहान मिली बच्ची को परिजन इलाज के लिए कानपुर लेकर भागे। वहीं, आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। राठ कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बारात आयी थी। बारात के साथ खरेहटा खुर्द गांव का रामकुमार परिहार (45) भी आया था। देरशाम घर के बाहर खेल रही मासूम बच्ची को वह उठा ले गया। गांव के बाहर ले जाकर नशे की हालत में उसने मासूम से दुष्कर्म किया और लहूलुहान हालत में छोड़कर वापस बारात में शामिल हो गया। इधर, बच्ची के गायब होने पर पूरा परिवार रातभर उसे खोजता रहा। खबर फैली तो सुबह कुछ लोगों ने रामकुमार के साथ बच्ची देखने की जानकारी दी। लोगों ने रामकुमार को पकड़कर पिटाई की तो उसने कबूला की बच्ची को खिलाने के लिए उठा ले गया था। परिवार के लोग उसके बताए स्थान पर पहुंचे तो मासूम लहूलुहान पड़ी मिली। दलित मासूम से रेप की सूचना पर एसपी केके दीक्षित, सीओ अभय नारायण सिंह पुलिसबल के साथ गांव पहुंचे। महिला पुलिस के साथ बच्ची को इलाज के लिए भेजा। हालत नाजुक होने पर उसे कानपुर रेफर कर दिया गया। एसपी ने बताया कि रामकुमार के खिलाफ अपहरण, रेप व दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

पियूष हत्याकांड में आठ आरोपी गिरफ्तार

फर्रूखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के अमृतपुर क्षेत्र में पियूष हत्याकांड में शामिल 11 नामजद में से आठ को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त अवैध हथियार भी बरामद किए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अमृतपुर कस्बा में सात मई को पीयूष नामक युवक की हत्या कर दी गयी थी जबकि उसके पिता को गोली मार कर घायल कर दिया था। घायल पिता दिनेश अवस्थी की नौ मई को उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी थी। उन्होने बताया कि कमालगंज थाना प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह के नेतृत्व में एवं एसओजी पुलिस टीम ने आज फतेहगढ़ कलेक्ट्रेट के बाहर एवं अमृतपुर थाना बस अड्डे के निकट रामबाबू, विपिन अवस्थी, विनोद और भूरा, अंकित, अरुण उर्फ नन्हे, अनमोल, प्रीति उर्फ सुमन तथा सीमा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए इन हत्यारोपी की निशान देही पर हत्या में प्रयुक्त एक देसी अधिया 315 बोर, तीन देसी तमंचे 315 तथा चार अदद खोखा बरामद किए गए। इसके साथ ही अन्य फरार हत्या आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दबिशे देनी शुरू कर दी।

वसूली करते सिपाहियों का वीडियो ट्रक चालक ने किया वायरल, दो सिपाही निलंबित

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बेतवा पुल के पास ट्रक चालकों से अवैध वसूली करने का वीडियो वायरल होने पर जिले के पुलिस अधीक्षक ने मंगलवार को दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया। हमीरपुर के सीओ सदर विवेक यादव ने बताया कि बेतवा पुल से एक डीसीएम वाहन गुजर रहा था, जिसका पीछा करते हुए यातायात विभाग के मुख्य आरक्षी विनोद कुमार यादव व आरक्षी दीपक गौतम ने चालक के बगल से बाइक लगाते हुए उनसे रुपयों की मांग की। इस पर ट्रक चालक के बगल में बैठे क्लीनर ने वसूली करते सिपाहियों का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। इसकी भनक सिपाहियों को नहीं लगी। वायरल हुए वीडियो में चालक खिड़की से हाथ बढ़ाकर सिपाहियों को 250 रुपये देता दिख रहा है। जिस पर सिपाहियों द्वारा 250 रुपये के बजाय 300 रुपये वसूलने की बात कही गई, जो वीडियो में साफ सुनाई दे रही है। पुलिस अधीक्षक केके दीक्षित ने दोनों सिपाहियों की वसूली के वायरल हुए वीडियो की जांच का जिम्मा सीओ सदर विवेक यादव को सौंपा। सीओ सदन की जांच रिपोर्ट के आधार पर एसपी के दोनों सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

अवैध खनन की शिकायत पर पूरी पुलिस चौकी लाइन हाजिर

फ़िरोज़ाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में अवैध खनन की शिकायत पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कोटला चौकी के पूरे स्टाफ को निलंबित कर दिया है। अधिकृत सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि जिले में मिट्टी और बालू की अवैध खनन की शिकायतें बराबर आ रही हैं। कई बार पुलिस का भी अवैध खनन माफियाओं से आमना सामना भी हो चुका है इसमें खासतौर से जिले की यमुना किनारे से जुड़े थाना क्षेत्र के पुलिसकर्मियों की अवैध खनन माफियाओं से सांठगांठ होने की शिकायतें मिलती रहती है। इसी प्रकार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को कोटला चौकी पुलिस स्टाफ के संबंध में अवैध खनन माफियाओं के साथ सांठगांठ होने की शिकायत मिली थी। गोपनीय जांच में शिकायत सही पाई गई, फलस्वरूप वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कोटला चौकी प्रभारी नरेंद्र कुमार सहित चौकी के पूरे स्टाफ को निलंबित कर दिया है।

यूपी में तैयार होंगे छह धन्वंतरि मेगा हेल्थ पार्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने की कवायद के तहत योगी सरकार तीस हजार करोड़ रूपये की लागत से राज्य में छह धन्वंतरि मेगा हेल्थ पार्क का निर्माण करेगी। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सरकार ने राज्य के हर जिले में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सरकारी मेडिकल कॉलेज के अपने वादे को पूरा करने की तैयारी कर ली है। इसी सिलसिले में करीब 30,000 करोड़ रुपये के निवेश से जल्द ही छह धन्वंतरि मेगा हेल्थ पार्क स्थापना की जायेगी। यह धन्वंतरि मेगा हेल्थ पार्क हेल्थ और सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट्स और दवाओं जैसी चिकित्सा सुविधाओं के उत्पादन को बड़े पैमाने पर बढ़ाकर राज्य को आत्मनिर्भर बनाएगा।

इटावा के लोगों को अपनेपन का अहसास करा गये कपिल देव

इटावा। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने अपने दो दिनी इटावा दौरे मे ऐसी छाप छोड दी है जिसकी जिले में चहुंओर तारीफ हो रही है ।

मंत्री ने एक के बाद लोगो से मिल कर अपनेपन का एहसास कराया है जिससे लोगो मे बेहद खुशी देखी जा रही है। मूंगफली खुदरा विक्रेता के घर पर भोजन करने के दौरान श्री अग्रवाल ने ऐसा अपनत्व दिखाया कि लोगों को लगा कि वे इस परिवार को बरसों से जानते हैं।

मंत्री के जाने के बाद गरीब परिवार को उनका गुणगान करता फिर रहा है। इसी बीच एक स्कूली छात्र शौर्य ने एक चिठठी देकर मंत्री को अपनी वेदना यह कह कर बताई कि वो पढना चाहता है जिसे सुन कर मंत्री ने छात्र की बात को ना केवल सुना बल्कि उसकी हर संभव मदद का भरोसा भी दिया ।

मंगलवार को जन चौपाल कार्यक्रम में बुजुर्ग के चरण स्पर्श करने के साथ ही स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई एक महिला के बच्चे के गले में माला डाल गोद मे लेकर अपनापन दिखाने के वाक्ये ने लोगो के जहन में कपिल के प्रति सम्मान का भाव जागृत किया है।

अपने इटावा भ्रमण के दूसरे दिन मंत्री बसरेहर विकासखंड के खेड़ा हेलू गावो में जन चौपाल के माध्यम से जनता से रूबरू हुए। मंत्री ने ग्राम पंचायत चौपाल में पहुंचकर शासन की ओर से गरीबों के हित में चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की ग्रामीणों से जानकारी की । इस पर ग्रामीणों ने राशन कार्ड से नाम काटने की शिकायत की । जिस पर राशन अधिकारी ए.के.दुबे को तुरंत नाम जोड़ने के निर्देश मंत्री की ओर दिए गए ।

उन्होंने कुशल गांव के बुजुर्ग राजाराम के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और हालचाल पूछा ।

इस पर उन्होंने बिजली की ठीक तरीके से सप्लाई न मिलने की शिकायत की । ग्रामीणों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में मात्र 5 घंटे ही बिजली मिल पा रही है । इस पर उन्होंने कीतत्काल अधिकारियों को बिजली सुचारू रूप से दिए जाने को कहा । इसी पंचायत के अंतर्गत गांव को शैली में पहुंचकर उन्होंने तालाब का फीता काटकर भूमि पूजन किया । आंगनवाड़ी केंद्र की महिलाएं भी पहुंची उन्होंने गर्भवती महिलाओं को गोद भराई रस्म के अंतर्गत फल वितरित किए ।

इस मौके पर प्रशासन से जिलाधिकारी श्रीमती श्रुति सिंह, एसएसपी जय प्रकाश सिंह,अपर जिला अधिकारी जय प्रकाश ,भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव राजपूत, भाजपा नेता मुकेश यादव अनु गुप्ता सहित आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

बिलिंग एजेंसियों की कार्य पद्धति पर पैनी निगाह रखने की जरूरत : शर्मा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि सही रीडिंग एवं बिलिंग के लिए बिलिंग एजेंसियों की व्यवस्थाओं, मैनपावर, जरूरी उपकरणों एवं तैयारियों की जमीनी स्तर पर परख करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि गलत बिल बनाये जाने की शिकायतें आ रही हैं, इस पर तुरन्त कार्रवाई कर रोका जाए। उपभोक्ताओं को समय पर सही बिल मिले, अधिकारी यह सुनिश्चित करें और ज्यादा से ज्यादा बिलिंग, रीडिंग एवं राजस्व वसूली पर जोर दिया जाए।

शक्ति भवन में मंगलवार को सभी डिस्काम के एमडी एवं बिलिंग एजेंसियों के प्रमुख के साथ सही रीडिंग, बिलिंग एवं राजस्व वसूली की वर्चुअल समीक्षा करते हुये श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि किसी भी हालात में गलत बिल न बनने पाये, मौके पर

जाकर बिलिंग करें और भुगतान के लिए उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित भी करें। शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बिलिंग करने में सावधानी बरती जाए। जो भी बिलिंग एजेंसी लक्ष्य के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य नही करेंगी, उसकी जवाबदेही तय करते हुए कार्यवाही की जाए।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बहुत से उपभोक्ताओं के पास समय से बिल नहीं पहुंच रहा है, जिसके कारण लोग बिलों का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने प्रत्येक उपभोक्ता के मीटर तक पहुंचने के लिए मीटर रीडर को उपलब्ध हो रही सुविधाओं, जरूरी उपकरणों आदि से संबंधित व्यवस्था की भी निगरानी करने के निर्देश दिए और कहा कि प्रत्येक मीटर रीडर एवं एजेंसी को बिलिंग करने का लक्ष्य निर्धारित हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि उपभोक्ताओं को समय से उसकी वास्तविक रीडिंग का सही बिल मिले, इसकी व्यवस्था हो, इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने प्रत्येक मीटर रीडर के वालेट में पर्याप्त धनराशि रखने पर भी बल दिया, जिससे कि उपभोक्ता परिसर पर ही बिल जमा किया जा सके। उन्होंने प्रत्येक डिस्काम एवं बिलिंग एजेंसी को शत-प्रतिशत बिलिंग करने के निर्देश दिए और कहा कि हम जितनी बिजली उपभोक्ताओं को उपलब्ध करा रहे हैं, उसके सापेक्ष ही राजस्व भी मिलना चाहिए, इस पर सभी मिलकर कार्य करें।

प्रमुख सचिव ऊर्जा एवं अध्यक्ष पावर कारपोरेशन एम. देवराज ने ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पावर कारपोरेशन में इस समय कुल 90.98 प्रतिशत बिलिंग हो रही है। इसी प्रकार पूर्वांचल में 87.54 प्रतिशत, मध्यांचल में 91.23 प्रतिशत, दक्षिणंचल 90.90 प्रतिशत, पश्चिमांचल में 94.64 प्रतिशत तथा केस्को में 100 प्रतिशत बिलिंग हो रही है, जिसे शीघ्र ही शतप्रतिशत करने पर कार्य किया जायेगा।

बैठक में प्रबन्ध निदेशक यूपीपीसीएल पंकज कुमार, एवं सभी डिस्काम के एमडी के साथ सभी बिलिंग कम्पनियों के प्रमुख उपस्थित थे।

स्ट्राइक 1 की कमान अब लेफ्टिनेंट जनरल गजेंद्र जोशी के पास

एजेंसी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित सेना की स्ट्राइक 1 की कमान को लेफ्टिनेंट जनरल गजेंद्र जोशी, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल ने मंगलवार को संभाल लिया। लेफ्टिनेंट जनरल जोशी ने सोमवार को ही यहां स्ट्राइक 1 के जनरल ऑफिसर कमांडिंग का पदभार लेफ्टिनेंट जनरल एम के कटियार से प्राप्त किया था। रक्षा मंत्रालय, लखनऊ के जन संपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि कमान संभालने के बाद लेफ्टीनेंट जनरल जोशी ने सभी रैंकों को परिचालन तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया ताकि उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना किया जा सके। उन्होंने दोहराया कि 'स्ट्राइक 1' राष्ट्र के लिए 'निर्णय की शक्ति' के रूप में अपनी युद्ध प्रभावशीलता को और बढ़ाएगी।

जन संपर्क अधिकारी के अनुसार लेफ्टिनेंट जनरल जोशी के पास ऑपरेशन पवन के दौरान श्रीलंका में संचालन के रूप में विशाल परिचालन का अनुभव है।

वे दक्षिण कश्मीर में एक बटालियन कमांडर के रूप में और मणिपुर में एक सेक्टर कमांडर के रूप में आतंकवाद निरोधक अभियानों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। वह जम्मू कश्मीर में एक डिवीजन की कमान भी संभाल चुके हैं।

थाने में बलात्कार जैसी घटनाये यूपी में कानून व्यवस्था का द्योतक : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि थानो में हो रही बलात्कार की घटनाये उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की पोल खोलती हैं।

यादव ने मंगलवार कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। मुख्यमंत्री के दावे कितने खोखले है यह थानों में बलात्कार की आए दिन हो रही घटनाओं से प्रमाणित है।

भाजपा-आरएसएस लोकतंत्र विरोधी संगठन है। भाजपा सरकार में इसलिए विपक्ष को अपमानित करने की घटनाएं घोर निंदनीय है।

उन्होने कहा कि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के जीवन को खतरा है। उन पर पिछले दिनों कई हमले हुए है फिर भी उनकी सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था नहीं की जा रही है। विपक्षी जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला है। उन्होने की कि विपक्षी नेताओं की पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए जिससे उन्हें जनता के बीच जाने और उसकी आवाज उठाने में कोई खतरा न हो।

यादव से आज अरविन्द राजभर (पूर्व राज्यमंत्री) ने भेंट कर ओम प्रकाश राजभर की सुरक्षा पर खतरे की जानकारी दी।

उन्होने बताया कि आज ही जिला गाजीपुर के थाना करीमुद्दीनपुर के ग्राम गोशलपुर पहदरिया में श्री राजभर को 20-25 दबंगो ने घेर लिया था। वे लाठी-डंडो से लैस थे। श्री राजभर इसी विधान सभा क्षेत्र से जहूराबाद के विधायक है।

जलसंरक्षण व कृषि वानिकी बुंदेलखंड के लिए बेहद ज़रूरी : रविंद्र कुमार

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान में मंगलवार को बुंदेली स्ट्रॉबेरी पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म का मंगलवार को विमोचन करते हुए जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा कि बुंदेलखंड में शुष्क जलवायु की फसलों और पेड़ों को बढ़ावा दिये जाने की जरूरत है । जलसंरक्षण और कृषि वानिकी बुंदेलखंड के लिए बहुत ज़रूरी है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की पूर्वसंध्या के इस अवसर पर आज आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि कृषि वानिकी संस्थान झांसी जनपद के सभी विकासखंडों के काम से कम दो गांवों में अपनी तकनीकी पहुंचाये। इस तरह से अधिक से अधिक किसानों से जुडकर बदलाव की शुरूआत की जा सकती है। जिला प्रशासन के अधिकारी

भी स्कूल आंगनवाड़ी केंद्र गौशाला आदि गोद लेते हैं उसी तर्ज पर वैज्ञानिक भी झांसी के प्रत्येक विकास खंड के एक-एक गांव गोद ले सकते हैं।

उन्होंने वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि ऐसा होता है तो बुंदेलखंड का किसान आत्मनिर्भर तो होगा ही साथ ही उसका प्रदेश की जीडीपी में भी योगदान बढ़ जाएगा।

गौरतलब है कि श्री कुमार देश के पहले एवं एकमात्र ऐसे आईएएस अधिकारी है जिन्होंने नेपाल और चीन दोनों ही रास्ते से माउंट एवरेस्ट की सफल चढ़ाई की है। उन्होंने कृषिवानिकी एवं जल संरक्षण का जन-आंदोलन के रूप में मिशन मोड पर प्रचार-प्रसार एवं कार्यान्वयन पर जोर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डा. ए अरुणाचलम, निदेशक ने संस्थान की उपलब्धियों एवं स्ट्राबेरी की डाक्यूमेंट्री फिल्म के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जिलाधिकारी झांसीसी, मुख्य विकास अधिकारी और नाबार्ड आदि की भूमिका का उल्लेख किया। अभी हाल ही में कृषिवानिकी संस्थान ने 05 मई का अपना 35वां स्थापना दिवस मनाया है। स्ट्रॉबेरी के कार्यान्वयन में उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों- कृषि उद्यान नाबार्ड तथा जिला प्रशासन के साथ मिलकर कृषिवानिकी संस्थान ने झांसी जिले के बबीना एवं मोंठ ब्लाक में कन्वर्जन्स साकार कर समन्वय प्रस्तुत किया है।

कृषिवानिकी संस्थान ने पूरे देश में 63 गांवों के 18000 कृषकों के साथ सीधे सम्पर्क में कार्य कर रहा है जिसमें कि 29 गांव बुन्देलखंड के जनपदों में गोद लिये गये हैं। बुन्देलखंड में जलागम प्रबन्धन के किये गये कार्यों में कृषिवानिकी संस्थान की विकसित तकनीकियों को प्रयोग किये गये हैं।

ओमप्रकाश राजभर को ग्रामीणों ने दिखाया गांव के बाहर का रास्ता

गाजीपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ मिल कर पिछला विधानसभा चुनाव लड़ने वाले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को मंगलवार अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में ग्रामीणों के कोपभाजन का शिकान बनना पड़ा जब उनके विधानसभा क्षेत्र जहुराबाद में ग्रामीणों ने 'वापस जाओ वापस जाओ' नारे के साथ गांव से बाहर निकाल दिया।

घटना से हतप्रभ श्री राजभर ने जिला प्रशासन को सूचना देते हुए स्वयं पर हमले के कोशिश की बात कही, वहीं ग्रामीणों ने कहा कि सुभासपा प्रमुख को उन्होने खदेड़ा है। गौरतलब हो कि विधानसभा चुनाव के दौरान ओमप्रकाश राजभर द्वारा मंच से भाजपा का खदेड़ा होबे जैसे चुटकी लेते हुए लगातार भाषण दिया जा रहा था। इस घटना के बाद लोगों ने कहा कि ओमप्रकाश राजभर का खदेड़ा हुआ है। पुलिस के अनुसार श्री राजभर

अपने निर्वाचन क्षेत्र जहुराबाद विधान सभा क्षेत्र के गौसलपुर मनराजपुर गांव में अपने कार्यकर्ता रामआशीष राजभर के घर शोक संवेदना जताने गए थे। ओपी राजभर को गांव में आता देखकर गौसलपुर में 20-25 की संख्या में ग्रामीण एकजुट हुए और नारेबाजी करते हुए रामआशीष राजभर के दरवाजे पहुंच गए और ओमप्रकाश राजभर खदेड़ा होबे, ओमप्रकाश राजभर वापस जाओ जैसे नारे लगाए। ग्रामीणों का आरोप था कि अपने पूर्व के कार्यकाल के साथ ही इस बार भी ओमप्रकाश राजभर प्राय: नदारद रहे और जनहित के किसी कार्य में इनकी कोई रुचि नहीं है। केवल किसी के निधन के बाद ही कभी-कभी शोक संवेदना करने आते हैं। ऐसे में आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा ओमप्रकाश राजभर का खदेड़ा किया गया।

वहीं ओमप्रकाश राजभर ने स्थानीय प्रशासन को सूचना देने के साथ ही सोशल मीडिया पर भाजपा के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली । श्री राजभर ने नारेबाजी करने वालों को भाजपा का कार्यकर्ता बताते हुए अपने ऊपर हमले का प्रयास बताया है। इस दौरान सुभासपा कार्यकर्ता ओपी राजभर की ढाल बने और उन्हें अपने घेरे में लेकर गांव के बाहर सुरक्षित निकालकर हाईवे तक पहुंचाया। राजभर ने एसपी, एडीजी, यूपी पुलिस कंट्रोल रूम समेत सभी को घटना की सूचना दी।

सुभासपा कार्यकर्ता व ग्रामीणों में धक्कामुक्की के बाद भिड़ंत हो गई। इसके बाद ओपी राजभर को सुरक्षित रूप से गांव से बाहर ले जाया गया। सूचना पाकर सीओ रविंद्र वर्मा और करीमुद्दीनपुर पुलिस मौके पर पहुंचे और पूर्व मंत्री से घटना की जानकारी ली। पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर की तहरीर के आधार पर पुलिस आक्रोशित ग्रामीणों को चिन्हित करते हुए उनकी तलाश में जुट गई हैं।

14 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी समझौते से होगा मुकदमों का निस्तारण

एजेंसी

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश सहारनपुर सहित अन्य जिलों में आगामी 14 मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में पक्षकारों को आपसी सहमति से सुलह समझौता कर सालों से लंबित अपने मुकदमों का निस्तारण करने का अवसर मिलेगा।

सहारनपुर के जिला जज अश्विनी कुमार त्रिपाठी ने इस लोक अदालत को बेहद अहम बताते हुए मंगलवार को कहा कि इसमें सैकड़ों मुकदमों को आपसी सुलह समझौतों के आधार पर निस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत, विवादों के सरल एवं सौहार्द्रपूर्ण निपटारे का महत्वपूर्ण माध्यम है। आपसी समझौते के जरिये हुये मुकदमों के निस्तारण से सामाजिक सौहार्द्र कायम रहता है। इसमें कोई भी पक्ष हारता नहीं है और निस्तारित वादों की कोई भी अपील नहीं होती है। इसमें पक्षकारों द्वारा दी गई कोर्ट फीस भी वापस हो जाती है।

जिला जज त्रिपाठी ने इस लोक अदालत को सफल बनाने के लिए शहर में प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक पुंडीर, सचिव नितिन शर्मा समेत अन्य न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालीक सचिव ऋषिकेश पांडे ने कहा कि इस लोक अदालत में निस्तारण के लिए 59 हजार से ज्यादा वाद नियत किये जा चुके हैं। इनमें 40 हजार वाद राजस्व न्यायालयों के हैं और 19 हजार के करीब वाद मोटर दुर्घटना, वैवाहिक और विभिन्न न्यायालयों में लंबित मुकदमे हैं।

यूपी में बागवानी को योगी सरकार देगी बढ़ावा

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार बागवानी को किसानों के आय के बड़े स्रोत के रूप में विकसित कर रही है। प्रदेश सरकार अगले पांच वर्षों में बागवानी फसलों के क्षेत्रफल में 4.95 लाख हेक्टेयर की वृद्धि कराएगी ताकि उत्पादन में वृद्धि हो और किसानों की आय बढ़े।

आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि इससे फलों के निर्यात में बढ़ोतरी होगी, साथ ही खाद्य प्रसंस्करण को भी बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

उन्होने कहा कि योगी सरकार किसानों की आय बढ़ाने का लगातार प्रयास कर रही है।

इस दिशा में लगातार कदम उठाये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने अगले पांच वर्षों में बागवानी फसलों के क्षेत्रफल को 4.95 लाख हेक्टेयर बढ़ाने की

कार्ययोजना तैयार कर ली है। बागवानी फसलों का क्षेत्रफल 11.6 फीसदी से बढ़ाकर 16 फीसदी किया जाएगा। प्रदेश में फल, शाकभाजी और मसाला फसलों को बढ़ावा देकर बागवानी फसलों के क्षेत्रों का विस्तार किया जाएगा।

अगले पांच वर्षों में सिंचाई के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर का उपयोग 2.64 फीसदी से बढ़ाकर 9 फीसदी किया जाएगा। ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई के क्षेत्रफल में 10 लाख हेक्टेयर का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए लगभग 8 लाख किसानों को अनुदान दिया जाएगा। साथ ही 50 हजार किसानों को फल व सब्जी, मशरूम आदि के उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होने बताया कि इससे आम जैसी फसल का निर्यात बढ़ेगा। साथ ही सरकार खाद्य प्रसंस्करण के स्तर को 06 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी करेगी।

इसके लिए मेगा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को प्रोत्साहन दिया जाएगा और अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इसके जरिए सरकार बागवानी को किसानों के आय के बड़े स्रोत के रूप में विकसित करेगी।

साथ ही खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी।

स्मृति ने चौपाल लगाकर सुनी जनता की समस्यायें

एजेंसी

अमेठी। अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी के दो दिवसीय दौरे पर पहुंची केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को चौपाल लगाकर जनसमस्यायों को गंभीरता से सुना और उसके निराकरण के आदेश अधिकारियों को दिये।

विकासखंड बहादुरपुर की ग्राम पंचायत ओदारी में श्रीमती ईरानी ने ग्राम चौपाल आयोजित कर जनसामान्य की समस्याओं को सुना तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के निर्देश दिए।

चौपाल से पहले उन्होने सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल गौरीगंज में स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया तथा पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों से संवाद स्थापित किया एवं उनकी

समस्याएं सुनी। इसके बाद उन्होंने छात्र-छात्राओं को टेबलेट का वितरण किया।

चौपाल के दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद स्थापित किया तथा स्वीकृति/प्रमाण पत्र वितरित किया।

इस दौरान उन्होंने चौपाल में मौजूद गर्भवती महिलाओं की गोद भराई किया तथा छह माह के बच्चों को प्रथम बार अन्नप्राशन कराया। सांसद ने गर्भवती महिलाओं को अपने खानपान में पौष्टिक आहार व हरी सब्जियों को शामिल करने को कहा। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चाभी तथा पेंशन, स्वयं सहायता समूह, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय, श्रम विभाग के अंतर्गत सामूहिक विवाह योजना इत्यादि के लाभार्थियों को स्वीकृति/प्रमाण पत्र वितरित किया।

इस मौके पर जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र, पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी डॉ अंकुर लाठर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एसपी सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक आरके द्विवेदी, उप जिलाधिकारी गौरीगंज राकेश कुमार, उप जिला अधिकारी तिलोई फाल्गुनी सिंह, जिला अध्यक्ष भाजपा दुर्गेश त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी तेजभान सिंह, बीएसए, मौजूद रहे।

शार्ट न्यूज

सोना और चांदी में लगभग टिकाव

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं में रही मामूली तेजी के बीच आज घरेलू स्तर पर भी सोना और चाँदी में लगभग टिकाव देखा गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1860.20 डॉलर प्रति औंस पर और अमेरिका सोना वायदा 1857.10 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रहा। इस दौरान चाँदी 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21.86 डॉलर प्रति औंस पर रहा। घरेलू स्तर पर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना छह रुपये की मामूली बढ़त के साथ 50965 रुपये प्रति दस ग्राम पर और सोना मिनी 16 रुपये उतरकर 51010 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। इस दौरान चाँदी दो रुपये टूटकर 61495 रुपये प्रति किलोग्राम पर जबकि चाँदी मिनी 52 रुपये लुढ़ककर 61810 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

रुपया 10 पैसे मजबूत

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में रही नरमी से मिले समर्थन के बल पर आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया कल की भारी गिरावट से उबरते हुये 10 पैसे की मजबूती लेकर 77.34 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले सत्र में रुपया 54 पैसे की गिरावट लेकर अब तक रिकार्ड निचले स्तर 77.44 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 17 पैसे की तेजी के साथ 77.27 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 77.20 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। इस दौरान यह 77.45 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक भी फिसला। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 10 पैसे की तेजी लेकर 77.34 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

मोदी सरकार हर महीने 30,000 रुपये कमाने का देगी मौका, कॉलेज की डिग्री की जरूरत नहीं, सिंधिया का ऐलान

नई दिल्ली। सिविल एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि भारत को आने वाले सालों में लगभग एक लाख ड्रोन पायलट्स की जरूरत होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि केंद्रीय मंत्रालय देशभर में ड्रोन सर्विस की स्वदेशी मांग को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में आने वाले सालों में हमें करीब एक लाख ड्रोन पायलट्स की जरूरत है। यानी कि युवाओं के पास नौकरी के जबरदस्त मौके हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, 12वीं कक्षा पास करने वाले व्यक्ति ड्रोन पायलट के रूप में ट्रेनिंग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए किसी कॉलेज की डिग्री की आवश्यकता नहीं होती है। आने वाले सालों में करीब एक लाख ड्रोन पायलट्स की जरूरत होगी। मंत्री ने आगे कहा, दो-तीन महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी। एक व्यक्ति लगभग 30,000 रुपये के मासिक वेतन के साथ ड्रोन पायलट की नौकरी कर सकते हैं। दिल्ली में ड्रोन पर नीति आयोग के एक्सपीरियंस स्टूडियो को लॉन्च करते हुए सिंधिया ने कहा, हमारा साल 2030 तक भारत को ग्लोबल ड्रोन हब बनाने का लक्ष्य है। हम विभिन्न इंडस्ट्रीयल और डिफेंस रिलेटेड सेक्टर में ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि नई तकनीक का विकास हो और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक नई तकनीक की पहुंच हों। एविएशन मंत्री ने कहा कि हम ड्रोन सेवाओं को आसानी से सुलभ बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। भारत जल्द ही ड्रोन इनोवेशन को अपनाने वाले उद्योगों की एक बड़ी संख्या को देखेगा। उड्डयन मंत्री ने कहा, हम ड्रोन सेक्टर को तीन पहियों पर आगे ले जा रहे हैं। पहला पहिया पॉलिसी का है। आपने देखा है कि हम कितनी तेजी से पॉलिसी को लागू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरा पहिया इनिशिएटिव पैदा करना है। सिंधिया ने कहा कि तीसरा पहिया स्वदेशी मांग पैदा करना है और 12 केंद्रीय मंत्रालयों ने उस मांग को पैदा करने की कोशिश की है। मंत्री ने कहा, पीएलआई योजना ड्रोन सेक्टर में मैन्युफैक्चरिंग और सेवाओं को एक नया बढ़ावा देगी।

अडानी विल्मर के शेयरों में लगातार गिरावट को एक्सपर्ट ने बताया खरीदारी का मौका, कहा- कई गुना बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली। अडानी विल्मर के शेयर लगातार लोअर सर्किट को हिट कर रहे हैं। पिछले पांच ट्रेडिंग सेशंस में यह शेयर लगभग 24 पर्सेंट के आसपास गिर चुका है। हालांकि, इस बड़ी गिरावट को एक्सपर्ट शानदार मौके की तरह देख रहे हैं और गिरावट के दौरान इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। ब्रोकरेज फर्म केआर चोकसी का मानना है कि अडानी विल्मर मौजूदा अवसरों का फायदा उठाने के लिए सबसे अच्छी जगह है और कई गुना बढ़ सकता है। मंगलवार को कंपनी के शेयर 4त्न गिरकर 583.25 रुपये पर बंद हुए हैं। ब्रोकरेज फर्म ने इसका टारगेट प्राइस 734 रुपये प्रति शेयर रखा है और इसेएक्यूएमुलेट रेटिंग दी है। बता दें कि मार्च 2022 को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी द्वारा पोस्ट किए तिमाही नतीजों के बाद से अदानी समूह का स्टॉक बिकवाली की होड़ में है। यह 28 अप्रैल, 2022 को 878.35 रुपये के लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गया था। सोमवार को कंपनी के शेयर बीएसई पर शेयर 5 प्रतिशत नीचे 613.90 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गए थे। अगर आप इसकी तुलना मौजूदा बाजार मूल्य से करते हैं, तो स्टॉक में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की संभावना है। ब्रोकरेज फर्म ने नोट किया कि कंपनी की कच्चे माल की सोर्सिंग क्षमताओं को व्यापक व्यावसायिक नेटवर्क द्वारा समर्थित किया जाता है। यह अपने कच्चे माल का 70 प्रतिशत आयात करता है और इसके बाजार नेतृत्व ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों से शीर्ष वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं से कच्चे माल के स्त्रोत की सुविधा प्रदान की है। इसके अलावा, विल्मर इंटरनेशनल दुनिया में सबसे बड़ा पाम तेल आपूर्तिकर्ता है। ऐसे में पाम तेल की डिमांड बढ़ने से शेयरों में तेजी आएगी।

अडानी-अंबानी की दौलत में लगी सेंध, चंद घंटों में 13.6 अरब डॉलर का झटका

नई दिल्ली। दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में शामिल अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी को आज दोपहर तक संयुक्त रूप से 13.5 अरब डॉलर का झटका लग चुका है। शेयर बाजार में लगातार गिरावट की वजह से इन दोनों भारतीय अरबपतियों को नुकसान हुआ है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी ग्रुप की कुछ कंपनियों के शेयर इधर कई दिनों से लगातार गिर रहे हैं। आज अडानी विल्मर में 5 फीसद का लोअर सर्किट लगा है तो अडानी ग्रीन मंगलवार सुबह 4.86 फीसद लुढ़का था। वहीं, अडानी पावर भी आज बेदम है, स्टॉक 4.42 फीसद टूट चुका है। यही हाल अडानी ट्रांसमिशन का भी है। यह स्टॉक भी आज दबाव में है। शुरुआती कारोबार में यह 3.70 फीसद नीचे कारोबार कर रहा था। अडानी ग्रुप की इन कंपनियों के शेयर भाव में आई इस गिरावट की वजह से गौतम अडानी की कुल संपत्ति में मंगलवार दोपहर 1:50 बजे तक 9.2 अरब डॉलर की सेंध लग चुकी थी। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट की वजह से मुकेश अंबानी की संपत्ति में 4.6 अरब डॉलर की कमी हो गई। हालांकि इस नुकसान के बावजूद गौतम अडानी फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर की लिस्ट में 114.6 अरब डॉल की कुल संपत्ति के साथ 5वें स्थान पर हैं। वहीं, मुकेश अंबानी 94 अरब डॉलर के साथ 9वें स्थान पर हैं। अडानी-अंबानी के अलावा एलन मस्क, बर्नार्ड आर्नाल्ट, जेफ बेजोस, बिलगेट्स, वॉरेन बफेट, लैरी एलिशन, लैरी पेज, सर्गी ब्रिन की संपत्ति में भी अरबों डॉलर की सेंध लगी है।

देश में कागज की खपत बढ़ाने की जरूरत : डॉ कराड

नयी दिल्ली। केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री भगवत किशनराव कराड ने देश में कागज की खपत बढ़ाने पर जोर देते हुये आज कहा कि कागज उद्योग के लिए कच्चे माल के रूप में कृषि अवशेषों के लिए नवाचार और बिजली की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अक्षय ऊर्जा के उपयोग पर जोर दिया जाना चाहिए।

कराड ने ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो सेंटर में कागज उद्योग पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन पेपरेक्स का उद्घाटन करते हुये कहा कि भारत में कागज की खपत को बढ़ावा देने की जरूरत है। बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने और भारत को कागज विनिर्माण में आत्मनिर्भर बनाने के लिए देश में कागज उत्पादन को 7-8 गुना बढ़ाने की जरूरत है। वर्तमान में भारत में कागज के वैश्विक उत्पादन का केवल 4-5 फीसदी हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि पेपरेक्स जैसे आयोजन से आम लोगों व छोटे उद्यमियों को कागज से जुड़ी विस्तृत जानकारी, नई तकनीकों और इसमें निहित अवसरों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

इंडिया एग्रो एंड रिसाइकिल्ड पेपर मेनुफेकचरर्स एसोसियेशन (आईएआरपीएमए) द्वारा आयोजित पेपरेक्स इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस एवं प्रदर्शनी दुनिया में पेपर सेक्टर के बड़े कॉन्फ्रेंस में शुमार है।

आईएआरपीएमए के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल ने कहा, ''कागज उद्योग ने दो साल में मांग में कमी का खामियाजा भुगता है क्योंकि शैक्षणिक संस्थान और कार्यालय काफी समय से

बंद थे। अब मांग तेजी से बढ़ रही है। हालांकि, कच्चे माल की उपलब्धता और इसकी कीमत चिंता का विषय बनकर उभरी है। वेस्ट कागज आधारित उद्योगों को 20 मिलियन टन से अधिक वेस्ट कागज की आवश्यकता होती है, लेकिन घरेलू स्तर पर केवल 12 मिलियन टन ही उपलब्ध हैं। इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) के अध्यक्ष ए.एस. मेहता ने कहा, ''कागज की खपत का सीधा संबंध अर्थव्यवस्था की वृद्धि से है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है, भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला कागज बाजार भी है। उद्योग द्वारा देश के हरित आवरण को मजबूत करने, ग्रामीण आजीविका पैदा करने और कृषि आय को बढ़ाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 12 लाख हेक्टेयर से अधिक बड़े पैमाने पर निम्नीकृत भूमि को वृक्षारोपण के तहत लाया गया है। गौरतलब है कि भारत का कागज उद्योग वुड पॉजिटिव है।''

तीन दिवसीय पेपरेक्स इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस एवं इग्ज़ीबिशन की थीम महामारी के बाद विकास और रीस्ट्रक्चरिंग रखी गई है। इस 15वें अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में महामारी के बाद के दौर में सभी उपलब्ध अवसरों का लाभ लेने के साथ ही नई टेक्नोलॉजी व प्रक्रियाओं के माध्यम से भारतीय पेपर उद्योग में सतत विकास के रोडमैप पर चर्चा हो रही है। इसके अलावा कागज उद्योग व इससे जुड़ी योजनाओं, नई तकनीकों पर आधारित मशीनो इत्यादि सहित पेपरेक्स में आगंतुकों के लिए काफी कुछ है।

शिक्षा एवं साक्षरता पर जोर के साथ संगठित रिटेल में विकास एवं बेहतर गुणवत्ता के कागज की मांग ने इस सेक्टर के विकास को गति दी है। एफएमसीजी प्रोडक्ट, फार्मा, टेक्सटाइल, ऑर्गनाइज्ड रिटेल, बढ़ते ई-कॉमर्स और अन्य सेगमेंट से क्वालिटी पैकेजिंग की मांग लगातार आ रही है। यहां मौजूद विविधताओं के बीच एंड टू एंड पेपर बैग मेंकिंग मशीन सभी के आकर्षण का केन्द्र है, जो रेडिमेड उत्पाद बनाकर देती है। व्यापक स्तर पर इसके लिए कम से कम 2 करोड़ की लागत और अच्छे स्पेस की आवश्यकता है जिसके बाद पेपर बैग बनाने का काम आसानी से शुरू किया जा सकता है।

अग्रवाल ने कहा कि कागज उद्योग में विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। ग्राहक अब नॉन-बायोडिग्रेडेबल विकल्पों के बजाय कागज को प्राथमिकता देने लगे हैं, ताकि सिंगल यूज प्लास्टिक के बजाय काग़ज़ का विकल्प सुगम रहे। ग्राहकों के इस बदलते रुख के कारण कागज की मांग 2027 तक 30 मिलियन टन हो जाने का अनुमान है।

पेट्रोलियम कंपनियों, समर्पित इथेनॉल संयंत्रों, बैंकों के बीच भुगतान का त्रिपक्षीय समझौता

नयी दिल्ली। पेट्रोलियम कंपनियों को वाहन ईंधन में मिश्रण के लिए इथेनॉल की आपूर्ति हेतु स्थापित की जा रही इथेनॉल इकाइयों के लिए कर्ज देने वाले बैंकों के धन की सुरक्षित वापसी के लिए सरकारी क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों, इथेनॉल इकाइयां लगाने वालोंऔर उनके बैंकों के बीच एक अभिनव त्रिपक्षीय एस्क्रो समझौता व्यवस्था शुरू की गयी है।

इसके तहत तेल विपणन कंपनियों से इथेनॉल संयंत्रों को मिलने वाला पैसा एस्क्रो खाते के माध्यम से संयंत्रों का वित्त पोषण करने वाले बैंकों की किस्तें चुकाने में इस्तेमाल होगा।

मंगलवार को सरकारी क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनी भारतीय पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की विज्ञप्ति के मुताबिक बीपीसीएल के अलावा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसी) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने भारतीय स्टेट बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और इंडियन बैंक के साथ बिहार और मध्य प्रदेश राज्यों में लगाए जाने वाली पांच समर्पित इथेनॉल संयंत्रों के लिए दीर्घकालिक त्रिपक्षीय-सह-एस्क्रो समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौते में शामिल इथेनॉल इकाइयों में माइक्रोमैक्स बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड, बिहार, ईस्टर्न इंडिया बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड, बिहार, मुजफ्फरपुर बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड, बिहार, के पी बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड मध्य प्रदेश और विसाग बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड, मध्य प्रदेश शामिल हैं। इन पांच परियोजनाओं से पेट्रोल में मिश्रण के लिए प्रति वर्ष लगभग 23 करोड़ लीटर इथेनॉल का की संभावना है।

विज्ञप्ति के बिहार के प्रमुख सचिव, उद्योग संदीप पौंड्रिक, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक अश्विनी भाटिया भारत पेट्रोलियम के कार्यकारी निदेशक सुखमल जैन की उपस्थित में इन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

बयान के अनुसार इन समझौतों को इस तरह बनाया गया है कि इथेनॉल संयंत्रों से तेल कंपनियों को एस्क्रो खाते में किए गए पैसे का भुगतान का उपयोग इन बैंकों के कर्ज की किस्तें चुकाने पर किया जाएगा।

समझौते के अनुसार इन समर्पित इथेनॉल संयंत्रों द्वारा उत्पादित इथेनॉल को भारत सरकार के इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के अनुसार पेट्रोल के साथ मिश्रित करने के लिए तेल विपणन कंपनियों को बेचा जाएगा। उस एथनॉल का पैसा निर्धारित समय से कर्ज की किस्ते जमा करने के लिए एस्क्रो खाते में जमा किया जाएगा।

इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2021-22 में देश में पेट्रोल में 186 करोड़ लीटर इथेनॉल का मिश्रण किया गया और इस वाहन ईंधन में इथेनॉल सम्मिश्रण 9.90 प्रतिशत तक पहुंच गया। अनुमान है कि इससे 9000 करोड़ से अधिक विदेशी मुद्रा की बचत हुई। सरकार ने 2025 तक पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण को 20 प्रतिशत के सतर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने में इथेनॉल की कमी सबसे बड़ी चुनौती है। देश को 2025-26 में लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सालाना 1,016 करोड़ लीटर इथेनॉल की आवश्यकता होगी । मौजूदा उपलब्धता के अनुसार 650 करोड़ एथेनॉल।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल न केवल हमें स्वच्छ वातावरण प्रदान करता है क्योंकि यह 38 प्रतिशत कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन पैदा करता है। सरकार का कहना है कि इस कार्यक्रम से ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश और रोजगार सृजन की संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा।

लखनऊ और मुंबई में 11 किलोग्राम सोना जब्त

एजेंसी

नयी दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने लखनऊ और मुंबई में लगातार अभियान चलाते हुए सोने की तस्करी की कोशिशों को नाकाम करते हुये 5.88 करोड़ रुपये मूल्य के 11 किलोग्राम सोना जब्त किया है।

वित्त मंत्रालय ने आज यहां जारी बयान में कहा कि हवाई मार्ग से सोने की तस ?करी को अंजाम देते हुए इसे छुपाने की कोशिश की गई थी। पिछले सप्ताह खुफिया जानकारी मिलने के बाद डीआरआई के अधिकारियों ने दुबई से एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स, छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, मुंबई पहुंची एक खेप की जांच की।

इन आयात किए गए सामानों में, कुछ सामानों को ''अनुभागीय और ड्रम जैसी नाली सफाई की मशीन'' के तौर पर दिखाया गया था, लेकिन सावधानीपूर्वक जांच करने पर, इसके भीतर 3.10 करोड़ रुपये की कीमत का 5.8 किलोग्राम सोना जब्त किया गया जिसे आयातित मशीन के दो मोटर रोटार के अंदर डिस्क के रूप में छुपाया गया था। दक्षिण मुंबई में स्थित इस सामान के आयातक को शीघ्र कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट ने आयातक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

इससे एक दिन पहले लखनऊ में डीआरआई अधिकारियों द्वारा की गई इसी तरह की जब्ती कार्रवाई की गयी।

डीआरआई ने लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स में ''इलेक्ट्रिकल थ्रेडिंग मशीन'' रखने वाले एक आयात कार्गो को रोकते हुए मशीन में सोने की डिस्क के रूप में छुपाए गए 2.78 करोड़ रुपये की कीमत के कुल 5.2 किलोग्राम सोने को जब्त किया था।

5 रुपये से 1800 रुपये के पार पहुंचा यह मल्टीबैगर शेयर, अब कंपनी दे रही बोनस शेयर

नई दिल्ली। एक कंपनी ने जबरदस्त रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर 5 रुपये से बढ़कर 1800 रुपये के पार पहुंच गए हैं। यह कंपनी कॉस्मो फिल्म्स है। कंपनी अब अपने निवेशकों को बोनस शेयर देने जा रही है। कॉस्मो फिल्म्स, अपने इनवेस्टर्स को 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर देगी। कंपनी के शेयरों ने पिछले 1 साल में 170 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। वहीं, इस साल अब तक कॉस्मो फिल्म्स के शेयरों ने 34 फीसदी के करीब रिटर्न दिया है। कॉस्मो फिल्म्स ने बताया है कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर इश्यू करने की मंजूरी दी है। यानी, जिन निवेशकों के पास कंपनी के 2 शेयर होंगे, उन्हें 1 बोनस शेयर मिलेगा। कॉस्मो फिल्म्स ने अभी बोनस शेयर के रिकॉर्ड डेट की घोषणा नहीं की है। कॉस्मो फिल्म्स BOPP फिल्म मैन्युफैक्चरर, सप्लायर और प्रॉड्यूसर है। मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी के शेयर 1852 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। कॉस्मो फिल्म्स के शेयर 8 जनवरी 1999 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 5 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 10 मई 2022 को 1852 रुपये के स्तर पर हैं। अगर किसी निवेशक ने 8 जनवरी 1999 को कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 3.7 करोड़ रुपये होता। कॉस्मो फिल्म्स के शेयरों ने पिछले 6 महीने में निवेशकों को 19 फीसदी का रिटर्न दिया है।

भारत आएगा ओमान का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल

नयी दिल्ली। ओमान का 48 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल वहां के वाणिज्य, उद्योग एवं निवेश संवर्धन मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल युसुफ के नेतृत्व में 10 से 14 मई तक भारत का दौरा करेगा।

इस प्रतिनिधिमंडल में स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स, खनन, पर्यटन, दूरसंचार, ऊर्जा, जहाजहरानी तथा रियल एस्टेट सहित विभिन्न क्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारी तथा व्यवसायी शामिल हैं।

देश के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि यात्रा इस कार्यक्रम में 11 मई को दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी राजधानी में आयोजित होने वाले भारत-ओमान

संयुक्त आयोग बैठक (जेसीएम) के 10वें सत्र में भाग लेंगे जिसकी सह-अध्यक्षता भारत सरकार के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा ओमान के वाणिज्य, उद्योग एवं निवेश संवर्धन मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल युसुफ करेंगे। कार्यक्रम में 12 मई को भारत-ओमान संयुक्त व्यवसाय परिषद (जेबीसी) की संयुक्त रूप से फिक्की तथा ओमान वाणिज्य एवं उद्योग चैंबर द्वारा एक बैठक का आयोजन किया जाएगा। जेबीसी में दोनों पक्षों के मंत्रियों की सहभागिता होगी जो उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे तथा भारत एवं ओमान के व्यवसाय समुदायों के साथ परस्पर बातचीत करेंगे।

इस दौरे के दौरान नयी दिल्ली एवं मुंबई में व्यवसाय कार्यक्रमों, उद्योग जगत के साथ परस्पर बातचीत, निवेशकों की बैठकों से संबंधित कार्यक्रमों तथा इसी प्रकार के अन्य कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2021-2022 के दौरान 82 प्रतिशत बढ़ कर 9.94 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

मर्सिडीज़-बेंज ने लांच की नयी सी-क्लास, शुरूआती कीमत 55 लाख

नयी दिल्ली। लक्जरी कार बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज़-बेंज ने आज पांचवी पीढ़ी की नयी सी-क्लास को भारतीय बाजार में लाँच करने की घोषणा की जिसकी राष्ट्रीय स्तर पर एक्स शोरूम शुरूआती कीमत 55 लाख रुपये है।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि नई सी-क्लास (डब्ल्यू206) अत्यधिक डिजिटल एवं सस्टेनेबल होने के साथ ही लक्जरी कम्फर्ट और स्पोर्टीनेस के पसंदीदा पैकेज के साथ पेश की गयी है।

मर्सिडीज़-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ मार्टिन श्वेंक ने कहा सी-क्लास को भारतीय ग्राहकों ने हमेशा से बहुत पसंद किया है और इसके पास 37,000 से ज्यादा सी-क्लास ग्राहकों की निष्ठा है। ग्राहकों की

अप्रत्याशित दिलचस्पी हमारी अपेक्षाओं को भी पार कर गई और हमें इसके लॉन्च से पहले ही 1000 बुकिंग मिल गई, जिसके बाद यह आज बाजार में प्रस्तुत सबसे ज्यादा अपेक्षित लग्ज़री कारों की सूची में आ गई। हम ये कारें जल्द से जल्द अपने ग्राहकों तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। नई सी-क्लास इस साल हमारे द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले उत्पादों की शुरुआत का संकेत है। इस कार पर दो से तीन महीने की प्रतीक्षा चल रही है।

श्वेंक ने बताया कि सी-क्लास दुनिया में सबसे ज्यादा बिकने वाले मॉडल में से एक है, और आज के तकनीकी रूप से समझदार ग्राहकों की लग्ज़री कार से जो अपेक्षाएं हैं, उन्हें प्रतिबिंबित करता है।

इनमें स्पोर्टी और आधुनिक डिज़ाईन एवं लग्ज़रीपूर्ण कम्फर्ट के साथ मानव-केंद्रित इनोवेशन है। इस कार में आईएसजी टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जो सर्वश्रेष्ठ पॉवर एवं सर्वश्रेष्ठ फ्यूल इकॉनॉमी प्रदान करती है। नई सी-क्लास में फ्लैगशिप एस-क्लास का डीएनए है, और इसमें मुख्य लग्ज़री एप्वाईंटमेंट्स के साथ लेटेस्ट टेक्नॉलॉजी, जैसे एनजीटी 7 इन्फोटेनमेंट, लेटेस्ट जनरेशन एआई पॉवर्ड एमबीयूएक्स, क्रांतिकारी कार टू एक्स कम्युनिकेशन जैसी खूबियां हैं, जिनके कारण नई सी-क्लास भारत में मौजूद सबसे आधुनिक सी-क्लास है।

उन्होंने कहा कि यह नयी कार तीन इंजन वैरिएंट के विकल्प में उपलब्ध है।

सी 200, सी 220 डी और सी 300 डी शामिल है। सी 200 में 1496 सीसी का पेट्रोल इंजन है जो 16 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देता है। इसी तरह से 220 डी और 300 डी में 1993 सीसी का डीजल इंजन है जो क्रमश: 23 किलोमीटर प्रति लीटर और 20.37 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देता है।

पेट्रोल-डीजल के दाम 34वें दिन भी स्थिर

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों ने मंगलवार को 34वें दिन भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को 110 डालर प्रति बैरल की कीमत को पार कर चुकी कच्चे तेल की कीमतों में आज गिरावट दर्ज की गयी। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रूपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रूपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रूपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रूपये प्रति लीटर पर स्थिर है। यूक्रेन तथा रूस के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में घट-बढ़ जारी है। अंतरराष्ट्रीय लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.17 प्रतिशत गिरकर 104.70 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.15 प्रतिशत के दबाव के साथ 101.90 डालर प्रति बैरल की कीमत पर कारोबार कर रहा है।

जोश टॉक्स ने जुटायी 35 लाख डॉलर की पूंजी

नयी दिल्ली। रीजनल कंटेंट एवं अपस्किलिंग प्लेटफॉर्म जोश टॉक्स ने अंकुर कैपिटल के नेतृत्व वाले राउंड में 35 लाख डॉलर की राशि जुटाई है। कंपनी ने आज यहां बताया कि इस चक्र में पेटीएम के विजय शेखर शर्मा, बेटर कैपिटल के वैभव डोमकुंडवार, शुगर कॉस्मेटिक की विनीता सिंह, ओयो के रितेश अग्रवाल और एक्स नियरबाई के अंकुर वारिकू जैसे प्रमुख निवेशकों के अलावा कई अन्य ने भी हिस्सा लिया।

स्वस्तिका कमोडिटी का स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट में विलय

एजेंसी

नयी दिल्ली। स्टॉकब्रोकर, स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड ने परिचालन और फाइनेशियल दक्षता को बढ़ाने के साथ ही कमोडिटी और डेरिवेटिव बिज़नेस में शामिल होने के लिए अपनी सहायक कंपनी स्वास्तिका कमोडिटी प्राइवेट लिमिटेड का स्वयं में विलय कर लिया है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि 100 से ज्यादा ब्रांचों, सब-ब्रोकरों और 975 कर्मचारियों की टीम के साथ, स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड पूरे भारत में मौजूद है, जो स्टॉक ब्रोकिंग, एल्गो ट्रेडिंग, और म्यूचुअल फंड, बीमा, स्टार्टअप फंडिंग, इसकी सहायक कंपनी के जरिये लोन और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग जैसे विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक सुनील न्याती ने कहा कि 31 मार्च 2021 तक, स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड का सकल राजस्व 6158.54 लाख रुपये था।

इस विलय से स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड (स्टैंडअलोन) के राजस्व में अस्थायी रूप से 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। दोनों कंपनियों की व्यावसायिक गतिविधियाँ लगभग एक जैसी है और एक-दूसरे के लिए मददगार हैं। अन्य बातों के साथ-साथ कंपनी की आर्थिक स्थिति और कार्यक्षमता को बेहतर करने तथा लागत को कम करने के लिए कंपनी का विलय किया जा रहा है।

साथ ही, इक्विटी और कमोडिटी बिज़नेस के विलय से केवाईसी से जुड़ी जरूरतों में आसानी होगी और ग्राहकों को सिंगल अकाउंट रखने से सीधे लाभ होगा।

इस तरह यह विलय कंपनी और ग्राहकों दोनों के लिए फायदेमंद साबित होगा। इसका मुख्य उद्देश्य कमोडिटी और इक्विटी की सभी प्रक्रियाओं को जोड़ना है ताकि कंपनी के सभी ग्राहकों के लिए एक ही कंपनी में अपने अकाउंट को मैनेज और सेटल करना आसान हो जाए।

एनसीएलटी मुंबई बेंच ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232 और अन्य लागू प्रावधानों के तहत बनाए गए नियमों के तहत कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी स्वास्तिका कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड के विलय की योजना को मंजूरी दे दी है।

शार्ट न्यूज

अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वाले यूपी के खिलाड़ी बनेंगे सरकारी अफसर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीत कर राज्य का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को राजपत्रित पदों पर नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय का फैसला लिया गया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश यादव ने बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि उत्तर प्रदेश के मूल निवासी पदक विजेता खिलाड़ियों की राजपत्रित पदों पर नियुक्ति के लिये 'उत्तर प्रदेश अन्तर्राष्ट्रीय पद विजेता सीधी भर्ती नियमावली, 2022' के प्रख्यापन के प्रस्ताव को मंत्रिमंडल ने स्वीकृति दे दी। उन्होंने बताया कि राज्य में खेल को प्रोत्साहन देने के मकसद से अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में पदक विजेता खिलाड़ियों को इस नीति के तहत नौ सरकारी विभागों के चिन्हित 24 राजपत्रित पदों पर सीधी भर्ती के जरिये नियुक्त किया जाएगा। यह 24 पद ग्राम्य विकास विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, गृह विभाग, पंचायतीराज विभाग, युवा कल्याण विभाग, परिवहन विभाग, वन विभाग एवं राजस्व विभाग के हैं, जो लोक सेवा आयोग की परिधि के हैं। खन्ना ने बताया कि पदक विजेता खिलाड़ियों को इन पदों पर नियुक्त किए जाने से उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा और प्रदेश के युवाओं में खेलों के प्रति रुझान में वृद्धि होगी। मंत्रिमंडल ने अन्तर्राष्ट्रीय खेलों के तहत ओलम्पिक खेलों, एशियाई खेलों, कॉमनवेल्थ खेलों, विश्वकप, विश्व चैम्पियनशिप के साथ ही पैरालम्पिक खेलों के प्रदेश के मूल निवासी पदक विजेता खिलाड़ियों को भी शामिल किए जाने का निर्णय लिया है।

राष्ट्रीय जूनियर हॉकी में जालंधर का जसविंदर सिंह करेंगे पंजाब टीम की कप्तानी

जालंधर। जालंधर जिले के जसविंदर सिंह को 17 मई से कोविलपट्टी (तमिलनाडु) में शुरू होने वाली 12वीं हॉकी इंडिया 'जूनियर नेशनल पुरुष हॉकी चैंपियनशिप' में भाग लेने के लिए पंजाब हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया है। हॉकी पंजाब की तदर्थ समिति के सदस्य ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी ने मंगलवार को पंजाब हॉकी टीम की घोषणा करते हुए कहा कि सुरजीत हॉकी अकादमी जालंधर के जसविंदर सिंह 17 से 28 मई तक कोविलपट्टी (तमिलनाडु) में होने वाली 12वीं हॉकी इंडिया जूनियर नेशनल पुरुष हॉकी चैंपियनशिप में पंजाब की टीम की अगुवाई करेंगे। मोहाली के नवदीप सिंह टीम के उपकप्तान होंगे। पंजाब हॉकी टीम के अन्य खिलाड़ी सरबजोत सिंह, स्वर्णदीप सिंह (पंजाब और सिंध बैंक दोनों), अर्शदीप सिंह, शशवंत ऐरी, आकाश, राजिंदर सिंह, आकाशदीप, संजय, गुरकमल सिंह, मनमीत सिंह, भरत ठाकुर, फतेहबीर सिंह (सभी सुरजीत हॉकी अकादमी, जालंधर) अभिताब सिंह, रवनीत सिंह, प्रभदीप सिंह, गुरबख्शीश सिंह (सभी मोहाली से) हैं। शम्मी ने कहा कि अवतार सिंह पिंका (पीआईएस) और गुरबख्शीश सिंह (पीएसपीसीएल, अमृतसर) को क्रमशः टीम का कोच और मैनेजर बनाया गया है।

इटली का वाणिज्य दूतावास करेगा कोलकाता नेपल्स फ्रेंडशिप कप फॉर गर्ल्स का आयोजन

कोलकाता। कोलकाता स्थित इटली के वाणिज्य दूतावास ने नेपल्स म्युनिसिपलिटी और नेपल्स के आमा सेंप्रे के साथ मिलकर गरीब बच्चियों के फुटबॉल कौशल को बढ़ावा देने के लिए कोलकाता नेपल्स फ्रेंडशिप कप फ़ॉर गर्ल्स आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह फुटबॉल चैंपियनशिप टॉलीगंज पुलिस क्वार्टर्स मैदान (टॉलीगंज मेट्रो स्टेशन के विपरीत) में 13-15 मई के बीच आयोजित की जाएगी। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में दक्षिण बंगाल जिले की करीब आठ टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट के आयोजक 'फ्रीड' (फोर्स फोर रूरल डेवलपमेंट एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट) के सचिव सोमनाथ पाइन ने यहां मंगलवार को कहा, यह प्रतियोगिता आदिवासी, अल्पसंख्यक लड़कियों, यौनकर्मियों की बेटियों जैसी वंछित लड़कियों को फुटबॉल खिलाकर उन्हें सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। पाइन ने कहा, हम इस टूर्नामेंट से एक खिलाड़ी को भविष्य में नेपल्स में प्रशिक्षण देने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं।

कोलकाता करेगा ऑल इंडिया ब्रिज चैम्पियनशिप की मेज़बानी

कोलकाता। कोलकाता के न्यू टाउन स्थित बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में 12-15 मई के बीच होने वाले चौथे ऑल इंडिया श्री सिमेंट ब्रिज टूर्नामेंट्स में भारत भर से 300 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। पश्चिम बंगाल ब्रिज एसोसियेशन के सचिव देबाशीष रे ने यह जानकारी दी। रे ने बताया कि भारतीय ब्रिज महासंघ द्वारा आयोजित चार दिवसीय प्रतियोगिता में ख्यातिप्राप्त हेमा देओरा, मुंबई के जैगी शिवदसानी, दिल्ली के अशोक गोयल, स्थानीय चैलेंजर सुमीत मुखर्जी, सुकमल दास और सुब्रता साहा शामिल होंगे। इनके अलावा देबोब्रता मजूमदर, शिवनाथ डे सरकार, प्रणोब बर्धन, राजेस्वर तिवारी, कीज़ाद अंकलेसरिया ने भी 50 टीमों के इस टूर्नामेंट में अपना नाम दर्ज कराने की पुष्टी की है। वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय ब्रिज खिलाड़ी कमल मुखर्जी भी सायंतन कुशारी, सागनिक रॉय और बभ्रुवाहन बोस जैसे कई कनिष्ठों के साथ टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। टूर्नामेंट जीतने वाले को पांच लाख रुपये की ईनाम राशि से नवाज़ा जाएगा।

गुजरात 'निडर' क्रिकेट खेलती है : गावस्कर

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि आईपीएल 2022 में नवागंतुक टीम गुजरात टाइटन्स अपने पहले ही सीज़न में बेहतरीन प्रदर्शन इसलिये कर रही है क्योंकि वे नतीजों की चिंता किये बिना निडर होकर क्रिकेट खेल रहे हैं। गुजरात टाइटन्स इस समय 11 में से आठ मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल पर दूसरे स्थान पर है और उन्हें प्लेऑफ़ में जगह बनाने के लिए सिर्फ़ एक और जीत की आवश्यकता है। स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट लाइव पर गावस्कर ने कहा, गुजरात इतनी आजादी के साथ खेल रही है और वे (खिलाड़ी) निडर हैं। उनके खेल में दुनिया का कोई डर नहीं है और इसलिए वे जीत रहे हैं। बेशक, आप जीतना चाहते हैं। यहां तक कि जब आप अपने ही मैदान में खेल रहे हों, लेकिन हारने का मतलब यह नहीं है कि दुनिया ख़त्म हो गयी, यही वह तरीका है जिसके साथ वे पिच पर कदम रख रहे हैं। वे अपने खेल का आनंद ले रहे हैं और सकारात्मक क्रिकेट खेल रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भी लखनऊ सूपरजाइंट्स के ख़िलाफ़ मंगलवार को होने वाले मैच में गुजरात को अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा, गुजरात लखनऊ के ख़िलाफ़ यह मैच जीतकर प्लेऑफ़ में पहुंचने वाली पहली टीम होगी। हार्दिक पांड्या की टीम बहुत मज़बूत है। राशिद ख़ान बेहतरीन फ़ॉर्म में हैं और कोच आशीष नेहरा उन्हें आवश्यक आत्मविश्वास दे रहे हैं। इस टीम को हराना बहुत मुश्किल है।

गंभीर रूप से बीमार हैं ग्राहम थोर्प, हॉस्पिटल में हुए भर्ती

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और कोच ग्राहम थोर्प गंभीर रूप से बीमार हैं और उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। ग्राहम थोर्प के परिवार ने इसकी पुष्टि की है। थोर्प ने जनवरी में एशेज सीरीज में इंग्लैंड की हार के बाद कोचिंग स्टाफ में अपनी भूमिका छोड़ दी थी और 52 साल का यह पूर्व खिलाड़ी इसके बाद अफगानिस्तान की टीम से हेड कोच के रूप में जुड़ गया। थोर्प के परिवार के आग्रह पर पेशेवर क्रिकेटर्स संघ द्वारा जारी बयान के अनुसार, ग्राहम थोर्प हाल में गंभीर रूप से बीमार हो गए और अभी हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा, वह कब तक ठीक होंगे इसे लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है और इस समय में उनके और उनके परिवार की निजता का ध्यान रखने की अपील करते हैं। हमारी प्रार्थना ग्राहम और उनके परिवार के साथ है।

लवलीना ने पूर्व विश्व चैम्पियन को हराया

नयी दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक-2020 में कांस्य पदक जीतने वाली भारत की लवलीना बोरगोहेन ने इस्तांबुल में जारी आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के 12वें संस्करण में भारत को विजयी आगाज दिलाया है। लवलीना ने सोमवार देर रात हुए अपने पहले मुकाबले में चीनी ताइपे की पूर्व विश्व चैंपियन चेन निएन-चिन को परास्त किया।

टोक्यो ओलंपिक के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहीं लवलीना 70 किग्रा भार वर्ग के अपने पहले मुकाबले में 3-2 के विभाजित फैसले के साथ अंतिम-16 दौर में पहुंचने में सफल रहीं, जहां उनका सामना शुक्रवार को फेयर चांस टीम की सिंडी नगाम्बा से होगा।

दोनों मुक्केबाजों ने सावधानी के साथ शुरुआत की। शुरुआती एक मिनट तक तो किसी ने एक भी प्रहार नहीं किया। पूरे संयम के साथ खेल रहीं लवलीना ने पहले राउंड में कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई और जब सही मौका आया तभी अपने लम्बे हाथ पसारे।

दूसरे राउंड में दोनों के बीच मुक्कों के कुछ अच्छे आदान-प्रदान हुए। इस दौरान चेन ने आक्रमण करने की कोशिश की, लेकिन तेज-तर्रार भारतीय अच्छी रक्षा तकनीक के साथ ब्लॉक करने में सफल रहीं और कांटे के मुकाबले के परिणाम को अपने पक्ष में करने में सफलता हासिल की।

मैच के बाद लवलीना ने कहा, ओलंपिक के बाद ये मेरा पहला मैच था। ओलंपिक में बहुत कुछ सीखने को मिला था तो उस सबके ऊपर काम किया था। मुझे देखना था कि ओलंपिक के बाद अपनी कमियों पर काम करने के बाद मैं कहां तक पहुंची हूं और कैसा कर रही हूं। ये मैच मेरे लिए थोड़ा टफ था लेकिन सबके सपोर्ट की वजह से मैं अच्छा कर पाई और अच्छा बाउट दे पाई। मेरी यही कोशिश रहेगी कि आने वाले टाइम में और अच्छा कर पाऊं और इंडिया को गोल्ड दे पाऊं। इस जीत के साथ लवलीना ने विश्व चैंपियनशिप में 2018 और 2016 में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीतने वाली चीनी ताइपे की इस मुक्केबाज के खिलाफ अपना व्यक्तिगत रिकार्ड 2-3 कर लिया है। चिन के खिलाफ लवलीना की यह लगातार दूसरी जीत है।

उल्लेखनीय है कि चिन को ही लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में हराया था और फिर सेमीफाइनल में पहुंचकर अपने लिए कांस्य पदक पक्का किया था। इससे पहले के तीन मुकाबलों में हालांकि चिन ने बाजी मारी थी।

टूर्नामेंट के दूसरे दिन मंगलवार को भारत की नीतू अपना मुकाबला खेलती नजर आएंगी। नीतू 48 किग्रा भार वर्ग के शुरुआती दौर में रोमानिया की स्टेलुटा डूटा से भिड़ेंगी।

चार भारतीय खिलाड़ियों- शिक्षा (54 किग्रा), मनीषा (57 किग्रा), अंकुशिता (66 किग्रा) और नंदिनी (+81 किग्रा) को अपने-अपने शुरुआती दौर के मुकाबलों में बाई मिली है।

यह साल खास है क्योंकि 73 देशों की 310 मुक्केबाज इस चैम्पियनशिप में भाग ले रही हैं। यह साल खास इसलिए भी है क्योंकि यह इस प्रतिष्ठित आयोजन की 20वीं वर्षगांठ का प्रतीक है।

आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप का पिछला संस्करण 2019 में रूस में आयोजित किया गया था। उस समय भारतीय मुक्केबाजों ने एक रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे। भारतीय खिलाड़ियों ने इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन के 11 संस्करणों में अब तक नौ स्वर्ण, आठ रजत और 19 कांस्य सहित 36 पदक हासिल किए हैं। रूस (60) और चीन (50) के बाद भारत के नाम सबसे अधिक पदक हैं।

एशियन कप में क्वालिफाई करने के लिए स्टिमैक ने भारतीय फुटबॉल टीम पर जताया भरोसा

कोलकाता। भारतीय सीनियर फुटबॉल टीम के हेड कोच इगोर स्टिमैक ने कोलकाता में आगमन पर अगले महीने होने वाले एएफसी एशियन कप क्वालिफायर्स के अंतिम चरण से पहले टीम की तैयारी पर ज़ोर दिया। स्टिमैक ने शहर में टीम के आगमन पर कहा, मुझे यहां आना बहुत पसंद है। आप हर तरफ़ फुटबॉल को देख-सुन सकते हैं, और लोग यहां होने वाले हर तरह के फुटबॉल कार्यक्रमों के लिए उत्साहित रहते हैं। एएफसी एशियन कप क्वालिफायर में भारत हांग-कांग, अफगानिस्तान और कम्बोडिया के साथ ग्रूप-डी में है, और यह मैच अगले महीने कोलकाता में होने हैं। स्टिमैक ने कहा कि उनकी टीम पेपर पर औरों से बेहतर है और उनका लक्ष्य एशियन कप में पहुंचना है। उन्होंने कहा, हम अपने ग्रूप के सबसे मजबूत दावेदार हैं, और हम यह बेझिझक कह सकते हैं। हम इस ग्रूप के जरिये एशिया कप में पहुंचना चाहते हैं। मैं भारत को फ़ाइनल स्टेज में खेलते हुए देख सकता हूं। भारतीय खिलाड़ी नौ मई को कोलकाता में कैम्प लगाने से पहले 23 अप्रैल से कर्नाटक के बेल्लारी में थे। 54 वर्षीय स्टिमैक का मानना है कि कैम्प में यह अतिरिक्त समय उनकी टीम को आगामी चुनौतियों के लिये तैयार करेगा। स्टिमैक ने कहा, रोज़ की तैयारी टीम के लिए सहायक साबित हो रही है। खिलाड़ी हर प्रैक्सिस सेशन के बाद बेहतर होते जा रहे हैं। यह उनको मैच से एक-दो दिन पहले ट्रेनिंग देने से कई गुना बेहतर है। एक कोच के तौर पर मुझे उन्होंने तैयार करने के लिए बेहतर अवसर मिला है। भारतीय टीम एशियन कप क्वालिफायर से पहले एटीके मोहन बागान (11 मई) और हीरो आई-लीग की एक ऑल-स्टार टीम(17 मई) के साथ एक-एक एग्जिबीशन मैच खेलकर ज़ाम्बिया और जॉर्डन के साथ अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच खेलने के लिए दोहा, कतर रवाना होगी। इस बारे में बात करते हुए स्टिमैक ने कहा, हमारे खिलाड़ियों ने आराम किया है और वे तैयार हैं। मैंने एटीके मोहन बागान के हेड कोच हुआन युआन फर्नांडो से भी बात की, और हमने उन्हें (एएफसी कप के लिए) तैयार करवाने पर सहमति जताई। हम हीरो आई-लीग टीम के खिलाफ भी खेलेंगे, और यह दोनों मैच एक से ही होंगे। उन्होंने कहा, लेकिन ज़ाम्बिया और जॉर्डन के साथ होने वाले मैच अलग होंगे। उस मैच में हमारा दृष्टिकोण अलग होगा।

तीन टी20 खेलने सितंबर में भारत आएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

एजेंसी

मेलबॉर्न। मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन टी20 खेलने सितंबर में भारत आएगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम की इस सीरीज़ को टी20 विश्व कप की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा है।

फ़ॉक्सस्पोर्ट्स डॉट कॉम डॉट एयू की रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया की टीम ज़िंबाब्वे, न्यूज़ीलैंड और इंग्लैंड के ख़िलाफ़ घर में सीरीज़ खेलेगी और इसके बाद सितंबर में भारत आएगी। इस सीरीज़ को अक्तूबर और नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा है। अगले साल, फ़रवरी और मार्च में ऑस्ट्रेलियाई टीम चार मैचों की टेस्ट सीरीज़ खेलने भी भारत आएगी।

भारत को नौ जून से 19 जून तक दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ घर पर पांच मैचों की टी20 सीरीज़ खेलनी है। इसके बाद दो टी20 मैचों के लिए आयरलैंड का भी दौरा करना है।

वहीं एक जुलाई को भारतीय टीम को पिछले साल कोविड की वजह से स्थगित हुआ पांचवां और आख़िरी टेस्ट मैच खेलने इंग्लैंड जाना है। इसके बाद इंग्लैंड के ख़िलाफ़ तीन टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज़ भी होगी।

सीएसए ने वापस लिए मार्क बाउचर के ख़िलाफ़ दुराचरण के आरोप

जोहानसबर्ग। क्रिकेट साउथ अफ़्रीका (सीएसए) ने पुरुष टीम के मुख्य कोच मार्क बाउचर पर लगे नस्लभेदी मामलों में दुराचरण के आरोपों को औपचारिक तौर पर और पूर्णतया वापस ले लिया है। इस गतिविधि से एक हफ़्ते बाद उनके साथ अनुसूचित अनुशासनात्मक सुनवाई की भी ज़रूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही एसजेएन सुनवाइयों में उनका नाम नस्लभेदी मामलों में आने के बाद सीएसए ने उन्हें अपने पद से हटाने की जो मांग की थी उसे भी ख़ारिज कर दिया गया है।

सीएसए ने पाया कि इन आरोपों के प्रमुख क़िरदार रहे पूर्व सहायक कोच इनॉक अंकवे और बाउचर के टीममेट रह चुके पॉल एडम्स के सुनवाई में आकर बयान ना दिए जाने पर यह आरोप कमज़ोर पड़ चुके थे।

उनकी ताक़त और कम हुई जब एक मध्यस्थता प्रक्रिया के बाद पूर्व कप्तान और सीएसए के क्रिकेट निदेशक रहे ग्रीम स्मिथ को भी दुराचरण के आरोपों से बरी कर दिया गया था। बाउचर ने इस फ़ैसले का स्वागत किया और 2023 पुरुष विश्व कप के अंत तक अपने क़रार पर प्रतिबद्ध होने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा, मेरे ऊपर लगाए गए आरोप पूरी तरह से ग़लत थे और इनसे मुझे बहुत खेद पहुंचा है। पिछले कुछ महीने मेरे लिए और मेरे परिवार के लिए काफ़ी कठिन थे। मैं ख़ुश हूं कि सीएसए के इस फ़ैसले से इस प्रक्रिया का समाधान हुआ है। मैं अब अपने काम कर ध्यान देना चाहता हूं और पूरी कोशिश करूंगा कि साउथ अफ़्रीका एक बार फिर एक सशक्त टीम बन सके।

बाउचर का दावा है कि फ़िलहाल टीम के वातावरण में पिछले महीनों का कोई बुरा असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा, मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैं एक ऐसे ड्रेसिंग रूम का हिस्सा हूं जहां हर किसी को शामिल किया जाता है और जहां हर इंसान की इज़्ज़त भी की जाती है।

श्रीलंका में गृह युद्ध जैसे हालात ! पूर्व प्रधानमंत्री ने परिवार सहित नेवल बेस में ली शरण

कोलंबो। श्रीलंका में आर्थिक मंदी के बाद अब माहौल बेहद खतरनाक हो गया है। प्रदर्शनकारी और राष्ट्रपति के समर्थक दोनों ही हिंसा पर उतर आए। वहीं श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने भी इस्तीफा दे दिया है और अब परिवार सहित त्रिंकोमाली के नेवल बेस में शरण ली है। पूरे देश में प्रदर्शन हो रहे हैं। बता दें कि एक दिन पहले पूर्व प्रधानमंत्री के पैतृक गांव में भी आग लगा दी गई।

यह नेवल बेस कोलंबो से करीब 270 किमी की दूरी पर एक द्वीप पर स्थित है। जानकारी यह भी है कि नेवल बेस के बाहर भी लोगों ने प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। श्रीलंका के शहरों में प्रदर्शनों और हिंसा पर रोक लगाने के लिए हजारों पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं और कर्फ़्यू लगा दिया गया है। कल प्रदर्शन के दौरान 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। महिंदा राजपक्षे ने इस्तीफा भी दे दिया लेकिन लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। कोलंबो में पूर्व प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास को प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया। इसके बाद उनकी रक्षा करने के लिए सेना को उतरना पड़ा। पुलिस ने भी आंसू गैस के गोले छोड़े। लोगों में यह गुस्सा अचानक नहीं भड़का है। कई महीनों से श्रीलंका में लोग खाद्यान्न, बिजली, पानी और ईंधन की समस्या का सामना कर रहे हैं। लोगों को जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोग राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। हालांकि राष्ट्रपति ने अब तक इस्तीफा नहीं दिया है।

स्कूल में एथलीटों को पीने के लिए दिया गया सैनिटाइजर, तीन की हालत बिगड़ी

तोक्यो। जापान के एक स्कूल में एथलीट्स को पानी की जगह सैनिटाइजर की बोतल दे दी गई। इसके बाद उनकी हालत बिगड़ गई और अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अब इस मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। उन्हें दौड़ के दौरान पानी की जगह सैनिटाइजर दे दिया गया था। एक एथलीट को उल्टी हो गई और वह रेस से बाहर हो गया। वहीं दो ने स्वाद खराब लगने पर थूक दिया और दौड़ जारी रखी। हालांकि बाद में तीनों की हालत खराब हो गई और अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। दरअसल मध्य जापान के यमनांशी के स्कूल में लड़कियों की 5 हजार मीटर की रेस आयोजित की गई थी। किसी ने कप में सैनिटाइजर डालकर इसे पानी के कप के बीच मिक्स कर दिया। स्कूल स्पोर्ट्स फेडरेशन ने कहा कि जिस कार्डबोर्ड बॉक्स में पीने का पानी था उसी के बगल में सैनिटाइजर भी रखा गया था। इसी वजह से यह पानी के साथ मिक्स हो गया। यह मामला तो जापान का है लेकिन भारत में भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। कर्नाटक के एक लड़के ने गलती से सैनिटाइजर पी लिया था। इसके बाद डॉक्टरों ने पाइप के जरिए उसे पीने की जीजें दीं। वह कुछ भी खाने पीने में असमर्थ हो गया था।

2022-26 के दौरान पड़ेगी रिकॉर्ड गर्मी, ग्लोबल वार्मिंग को लेकर विशेषज्ञों ने चेताया

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल वार्मिंग के कई विशेषज्ञ विश्व के नेताओं से तापमान में बढ़ोतरी पर रोक लगाने की अपील कर रहे हैं।

विशेषज्ञों ने नेताओं से ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई का आग्रह किया है। ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने कहा है कि अगले पांच सालों में दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक गर्म होने की 50:50 संभावना है। कहा गया है कि यह अस्थायी हो सकता है लेकिन तापमान में बढ़ोतरी अच्छा संकेत नहीं है।

2022 से 2026 तक होगी रिकॉर्ड गर्मी

विशेषज्ञों ने कहा है कि ऐसा लगता है कि सालाना 1.5 डिग्री सेल्सियस की ग्लोबल वार्मिंग सीमा का उल्लंघन किया जा सकता है।

शोधकर्ताओं ने कहा है कि 2022 से 2026 के बीच के सालों में रिकॉर्ड गर्मी होगी।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि सबसे पहले पेरिस जलवायु समझौते पर नेताओं द्वारा पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी को

1.5 डिग्री सेल्सियस के नीचे रखने के लिए साइन किए गए थे और फिर नवंबर 2021 में ग्लासगो में COP26 में दुनिया ने लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई थी।

1.7 डिग्री सेल्सियस तक सालाना बढ़ सकता है तापमान

अध्ययन में कहा गया है कि 2022 से 2026 तक वैश्विक तापमान प्री-इंडस्ट्रियल स्तर की तुलना में 1.1 डिग्री सेल्सियस और 1.7 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है। शोधकर्ताओं ने भविष्यवाणी की है कि इस दौरान एक साल में 1.5 डिग्री सेल्सियस के स्तर को तोड़ने की संभावना 48 फीसद या करीब-करीब 50:50 है।

बढ़ रहा है कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर

ब्रिटेन मेट ऑफिस के शोधकर्ता डॉक्टर लियोन हर्मनसन ने कहा है कि मूल चीज जो बदल रही है वह यह है कि वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। हम देख रहे हैं कि दुनिया गर्म होती जा रही है और इस पहली सीमा के करीब पहुंच रहे हैं जो पेरिस समझौते में निर्धारित की गई थी।

हमें जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में कटौती करने के लिए हर संभव प्रयास करना जारी रखना होगा।

हंगरी की पहली महिला राष्ट्रपति ने संभाला कार्यभार

बुडापेस्ट। हंगरी की पहली महिला राष्ट्रपति कैटलिन नोवाक ने मंगलवार को अपना कार्यभार संभाला। पूर्व राष्ट्रपति जानोस एडर ने देश के राष्ट्रपति निवास 'सैंडोर पैलेस' के प्रवेश द्वार पर सुश्री नोवाक का स्वागत किया। श्री एडर और सुश्री नोवाक ने रेड कार्पेट पर निवास के प्रवेश द्वार तक एक साथ चले, जहां उन्होंने एक साथ प्रवेश किया। नोवाक 10 मार्च को संसद द्वारा देश की राष्ट्रपति चुनी गई थीं। जहां राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव के दौरान सुश्री नोवाक ने कहा था कि वह प्रेसिडेंट ऑफ पीस बनना चाहती हैं। राष्ट्रपति का आधिकारिक उद्घाटन समारोह शनिवार सुबह संसद के सामने कोसुथ स्क्वायर में होगा। उनका कार्यकाल पांच साल का होगा। उन्होंने अर्थशास्त्री पीटर रोना के खिलाफ जीत हासिल की। सुश्री नोवाक (44) राष्ट्रपति का कार्यभार संभालने से पहले फैमिली अफेयर्स मिनिस्ट्री संभाल रही थीं। उन्हें एक बार फिर से निर्वाचित किया जा सकता है। इससे पहले पूर्व जोनस एडर राष्ट्रपति के रूप में दो कार्यकाल पूरा कर चुके हैं।

महिंदा को रोकने को प्रदर्शनकारी त्रिंकोमाली नौसैन्य अड्डे के बाहर हुए जमा

कोलंबो। पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और उनके परिवार के कुछ सदस्यों के देश छोड़ कर जाने को लेकर आ रही खबरों के बीच मंगलवार को प्रदर्शनकारी त्रिंकोमाली नौसैन्य अड्डे के बाहर जमा हो गए। प्रदर्शनकारियों का एक समूह त्रिंकोमाली में नौसेना शिविर के बाहर एकत्र होकर पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और उनके परिवार के सदस्यों को देश में आर्थिक तथा राजनीतिक संकट के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहा था। महिंदा राजपक्षे मंगलवार सुबह आधिकारिक टेंपल ट्रीज आवास से तब बाहर चले गए जब सुरक्षा बलों ने उनके और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद हटाया था। इस बीच, श्रीलंका के पूर्व मंत्री और श्री महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे ने एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया हाउस से कहा है कि उनके पिता देश नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि श्री महिंदा राजपक्षे एक सांसद के रूप में पद नहीं छोड़ेंगे और अपने उत्तराधिकारी को चुनने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं। नमल की टिप्पणी तब आई जब प्रदर्शनकारी त्रिंकोमाली नौसेना शिविर के सामने जमा हो गए और मांग की कि पूर्व प्रधानमंत्री बाहर आ जाएं। सोशल मीडिया पर आई खबरों में आरोप लगाया गया कि पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे त्रिंकोमाली के रास्ते देश से भागने की योजना बना रहे थे, जिसके बाद प्रदर्शनकारी नौसैनिक अड्डे पर जमा हो गए।

बाइडेन ने कांग्रेस से किया यूक्रेन फंडिंग बिल को तत्काल पारित करने का आग्रह

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को आवश्यक सैन्य, आर्थिक और मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए कांग्रेस को एक प्रस्ताव भेजा है। बाइडेन ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने यूक्रेन के लड़ाकों का समर्थन करने के लिए कांग्रेस में द्विदलीय बहुमत से मुझे प्रदान किये गये संसाधनों का लगभग पूरा उपयोग कर लिया है। यह सहायता युद्ध के मैदान पर यूक्रेन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण रही है। हम कांग्रेस की कार्रवाई की प्रतीक्षा करते हुए राहत सामग्री की आपूर्ति नहीं रोक सकते। हम इस महत्वपूर्ण समय सीमा को पूरा करने से लगभग 10 दिन दूर हैं। ने 28 अप्रैल को कांग्रेस से यूक्रेन को 33 अरब डॉलर की सहायता देने के लिए एक विधेयक पारित करने के लिए कहा था, जिसमें रक्षा सहायता के रूप में 20 अरब डॉलर की रकम भी शामिल थी। उन्होंने प्रस्ताव को जल्द से जल्द पारित करने का आग्रह करते हुए कहा कि उन्होंने कांग्रेस को यूक्रेन सप्लीमेंट बिल के हिस्से के रूप में कोविड उपचार, टीकों और परीक्षणों के लिए बहुत आवश्यक फंडिंग पर लंबे समय से प्रतीक्षित कार्रवाई करने की सिफारिश की है। राष्ट्रपति ने कहा, मुझे दोनों पार्टियों में कांग्रेस के नेताओं ने हालांकि सूचित किया है कि इस तरह के एक अतिरिक्त प्रस्ताव से यूक्रेन के लिए तत्काल आवश्यक सहायता से संबंधित कार्रवाई की रफ्तार धीमी हो जायेगी। हम युद्ध से संबंधित इस महत्वपूर्ण प्रयास में देरी नहीं कर सकते।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

सेल्फ एम्प्लॉयमेंट का जरिया ऑर्गेनिक खेती

देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, वहीं यह सेक्टर पचास फीसद से ज्यादा आबादी को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में जिस तरह से कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है, इसमें नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ा है, पारंपरिक खेती के साथ-साथ ऑर्गेनिक और इनोवेटिव फार्मिंग हो रही है, उसने एग्रीकल्चर के प्रति समाज और खासकर युवाओं का नजरिया काफी हद तक बदला है। यही कारण है कि बीते कुछ समय में आईआईटी और आईआईएम से पास-आउट कई युवाओं ने मल्टीनेशनल कंपनियों की जॉब छोड़कर एग्रीकल्चर और एग्रीबिजनेस की ओर रुख किया है। इनके अलावा भी दूसरे सेक्टरों में काम करने वाले युवा हॉर्टिकल्चर, डेयरी, ऑर्गेनिक और पोल्ट्री फार्मिंग जैसे पेशे से जुड़ रहे हैं। उन्हें गर्व है कि वे देश और किसानों के लिए कुछ सकारात्मक कर पा रहे हैं। ऑर्गेनिक खेती का जिक्र तो आजकल बहुत हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि अगर किसी को इसमें करियर बनाना है, तो वह क्या करे। गौरतलब है कि यह ऐसी खेती है, जिसमें सिंथेटिक खाद, कीटनाशक आदि जैसी चीजों के बजाय तमाम ऑर्गेनिक चीजें जैसे गोबर, वर्मी कंपोस्ट, बॉयोफर्टिलाइजर्स, क्रॉप रोटेशन तकनीक आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कम जमीन में, कम लागत में इस तरीके से पारंपरिक खेती के मुकाबले कहीं ज्यादा उत्पादन होता है। यह तरीका फसलों में जरूरी पोषक तत्वों को संरक्षित रखता है और नुकसानदेह केमिकल्स से दूर रखता है। साथ ही यह पानी भी बचाता है और जमीन को लंबे समय तक उपजाऊ बनाए रखता है। यह पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार है।

कैसे करें शुरूआत?

अगर आपको ऑर्गेनिक खेती शुरू करनी है, तो सबसे पहले आपको इसका प्रोजेक्ट या ब्लू प्रिंट बनाना होगा। यह तय करना होगा कि कितनी जमीन पर यह खेती करेंगे। जमीन की लोकेशन क्या है? जमीन किस फसल के लिए अच्छी है? आपका बजट कितना है? यह प्रोजेक्ट किसी भी चार्टर्ड एकाउंटेंट से बनवा सकते हैं। इसके बाद आपको फॉर्म 1 ए-1, 1 ए-3, 1जी और फॉर्म 11 भरकर रजिस्ट्रेशन फीस के साथ अपने राज्य के डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन में जमा करना होगा।

सरकार देती है सब्सिडी

कृषि वैज्ञानिक आपकी जमीन की जांच करेंगे और यह तय करेंगे कि इसकी मिट्टी किस फसल की खेती के लिए अच्छी है। इसके बाद आपका प्रोजेक्ट कृषि विभाग में पास होने के लिए भेज दिया जाएगा। ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए तकरीबन हर राज्य में सरकार 80 से 90 फीसद तक सब्सिडी देती है। मतलब यह आपको पूरे प्रोजेक्ट में 10 से 20 फीसद ही इनवेस्ट करना होगा। प्रोजेक्ट पास होने के बाद ऑर्गेनिक फार्मिंग टेक्निक वाली कंपनियां सेटअप लगाने के लिए आपसे खुद संपर्क करती हैं। सरकार से मिले पैसों से ये कंपनियां आपकी जमीन पर ग्रीन हाउस और ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए सेटअप लगाती है। साथ ही आपको ट्रेनिंग भी देती हैं।

पूरे देश में चल रहा प्रोजेक्ट

सरकार की ओर से नेशनल ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है। इसके सेंटर की वेबसाइट से आप और भी जानकारी ले सकते हैं। दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट से भी पूरी जानकारी और ट्रेनिंग ले सकते हैं।

सिर्फ मानसून पर निर्भर नहीं कृषि

कृषि अब पूरी तरह से मानसून पर निर्भर नहीं है। वैज्ञानिक तरीके से अगर खेती की जाए, तो फसल भी अच्छी होती है और पानी भी कम लगता है। पहले जैसे सूखे के हालात अब नहीं पैदा होते। अब बारिश के पानी का स्टोरेज भी बेहतर तरीके से किया जाता है। इससे बारिश कम होने पर भी फसलों को पर्याप्त पानी मिल जाता है। एग्रीकल्चर स्वरोजगार का सबसे अच्छा साधन है। इससे अब अच्छी कमाई भी की जा सकती है। बहुत से प्रोफेशनल फार्मर साइंटफिक फार्मिंग के जरिये न सिर्फ अच्छा पैसा कमा रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। यही नहीं, प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनों सेक्टरों में एग्रीकल्चर का स्कोप तेजी से बढ़ रहा है।

फाइन आर्ट्स में लीजिए डिग्री मिलेंगे बेहतरीन कॅरियर विकल्प

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

क्या आप स्केचिंग, ड्राइंग और रचनात्मकता करना पसंद करते हैं? यदि हां, तो फिर ललित कला में अध्ययन आपके लिए अनुकूल होगा। ललित कला कला का एक अच्छा संग्रह है जो सुंदर चीजों को बनाने के लिए किया जाता है। ललित कला में स्नातक आपको ललित कला में कॅरियर के लिए सर्वश्रेष्ठ रूप से तैयार कर सकता है।
ललित कला में स्नातक क्या है?
ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।
अधिकांश कार्यक्रमों में रचनात्मक अभ्यास के घंटों के साथ-साथ कक्षा निर्देश शामिल हैं। अंततः, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री आपको कला में विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों के साथ एक अच्छी तरह से शिक्षा प्रदान करती है। मुख्य ललित कलाएं फिल्म, नृत्य, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वास्तुकला, मिट्टी के बर्तन, वैचारिक कला, मूर्तिकला, संगीत, प्रिंटमेकिंग, इंटीरियर डिजाइन और नाटक हैं। यह छात्रों को कलाकार बनने और कला के निर्माण से जुड़ी अन्य प्रथाओं का पालन करने के लिए सिखाता है और तैयार करता है। अरस्तू के अनुसार, ''कला का मुख्य उद्देश्य चीजों की बाहरी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करना है, बल्कि उनके आंतरिक महत्व का भी प्रतिनिधित्व करना है''।

पाठ्यक्रम और अवधि

ललित कला पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो विभिन्न संस्थानों द्वारा पेश किए जाते हैं। आप ललित कला में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों की अवधि 1 से 5 वर्ष तक होती है।

डिप्लोमा कोर्स

ललित कला में डिप्लोमा: यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। यह कोर्स 12वीं के बाद किया जा सकता है।
स्नातक के अंतर्गत का पाठ्यक्रम:
बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) या बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स (बीवीए): इस कोर्स की अवधि 4 से 5 साल है।
ललित कला में कला स्नातक (बीए): यह तीन साल की अवधि का कार्यक्रम है।

परास्नातक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) या मास्टर इन विजुअल आर्ट्स (एमवीए): यह दो साल की अवधि का कार्यक्रम है।
- ललित कला में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए): इस पाठ्यक्रम की अवधि आम तौर पर दो वर्ष की होती है।
- कुछ संस्थान पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। दो प्रसिद्ध संस्थान इग्नू, दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग पत्राचार में ललित कला पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

ललित कला में आवश्यक कौशल

- आपके द्वारा बनाई गई ड्राइंग आगंतुक की नजर में यथार्थवादी होनी चाहिए।
- आपको कला सामग्री और उनका उचित उपयोग कैसे करना है, इसकी जानकारी होनी चाहिए।
- अपने काम की प्रस्तुति और प्रदर्शन उचित तरीके से और सटीक होना चाहिए।
- आपके पास रचनात्मकता होनी चाहिए।
- रंग और रंग सिद्धांत के साथ प्रयोग की जाने वाली तकनीकें होनी चाहिए।
- संचार और पारस्परिक कौशल आपके भीतर मौजूद होनी चाहिए।
- आपको कुछ नवीनतम तकनीकों के साथ उपयोग किए जाने वाले सभी डिजिटल मीडिया का ज्ञान होना चाहिए।

प्रमुख जॉब प्रोफाइल इस प्रकार हैं:

- आर्ट थेरेपिस्ट
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामर
- ड्राइंग टीचर
- सेट डिजाइनर
- प्रोडक्शन आर्टिस्ट
- म्यूजिक टीचर
- रचनात्मक निदेशक
- संपादक
- फर्नीचर डिजाइनर
- कला निर्देशक
- 3डी कलाकार
- एनिमेटर

रोजगार के क्षेत्र :

- विज्ञापन कंपनियां
- बुटीक
- कला स्टूडियो
- थियेटर
- सिलाई की दुकानें
- फैशन हाउस
- शिक्षा संस्थान
- टेलीविजन उद्योग
- एनीमेशन
- शिक्षण
- वस्त्र उद्योग
- स्कल्पचर

सैलरी पैकेज

वेतन नौकरियों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। ललित कला में स्नातक 2 से 3 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच कमा सकता है। हालांकि यह उनकी प्रतिभा के आधार पर निर्भर करता है। अनुभव और ज्ञान के साथ-साथ सैलरी पैकेज में भी बढ़ोतरी होती रहती है। जो लोग विज्ञापन एजेंसियों और पब्लिशिंग हाउसेस में काम करना चाहते हैं, वे लगभग 4 से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का आकर्षक वेतन कमा सकते हैं।

एडमिशन

- आप किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उच्च माध्यमिक शिक्षा (12वीं) की परीक्षा पूरी करने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप कुछ बीएफए संस्थानों द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- यदि आप मास्टर प्रोग्राम में शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको ललित कला में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी।

कुछ प्रसिद्ध कॉलेज जो ललित कला में यूजी और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं:

- हैदराबाद विश्वविद्यालय
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
- एमिटी विश्वविद्यालय
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, दिल्ली

कॅरियर और नौकरियां

आज विभिन्न क्षेत्रों में ललित कला के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्कृष्ट वेतन, लोकप्रियता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए, भारत की युवा आबादी इस क्षेत्र में आकर्षित हो रही है।

- स्नातक पूरा करने के बाद छात्रों के पास एक कला शिक्षक, सरकारी कार्यालयों में कलाकार या फोटोग्राफर के रूप में काम करने का विकल्प होता है। आप एक स्वतंत्र कार्यकर्ता के रूप में भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं और निर्देशन, कपड़े, फोटोग्राफी, टेलीविजन और फैशन के लिए जा सकते हैं।
- आप अकादमिक, वास्तुकला और फिल्म उद्योग में भी करियर बना सकते हैं। आप प्रकाशन या कपड़ा उद्योग में पत्रिकाओं, विज्ञापन एजेंसियों और समाचार पत्रों के रचनात्मक विभागों में शामिल हो सकते हैं।
- ललित कला स्नातक मुख्यधारा के स्नातक रोजगार और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रशिक्षण के लिए भी आवेदन कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, बैंकिंग, आर्ट गैलरी, बीमा, मीडिया और जनसंपर्क।
- उम्दा कलाकार विभिन्न प्रकार के मीडिया और तकनीकों का उपयोग करके कलाकृति का निर्माण करने का काम करते हैं।
- आप अपने काम को संग्रहालयों, निजी दीर्घाओं में प्रदर्शित कर सकते हैं या निजी संग्रह रख सकते हैं और अपने काम के लिए पुरस्कृत हो सकते हैं। आपके द्वारा बनाई गई वस्तुएं स्टूडियो, नीलामी, स्टोर या कला और शिल्प शो में बिकेंगी।
- फाइन आर्ट्स में स्कोप काफी अच्छा है, आप इस प्रोफेशनल कॅरियर के तहत सम्मान और पैसा दोनों कमा सकते हैं। मल्टीमीडिया कलाकार और एनिमेटर मोशन पिक्चर या वीडियो गेमिंग उद्योगों में काम करते हैं।

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी में गोल्डन करियर

ऊर्जा का अहम स्त्रोत होने के नाते पेट्रोलियम की उपयोगिता से सभी वाकिफ हैं। भारत पेट्रोलियम पदार्थों की अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। अगर आंकड़ों की मानें तो पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में भारत विश्व का आठवां बड़ा देश है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, रिलायंस, इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों से सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलता है।

संभावनाएं

पहले इस क्षेत्र में जियोलॉजिस्ट की काफी मांग थी, समय बदलने के साथ मैकेनिकल क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। करियर की अनेक संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर इंजीनियरिंग तक के कोर्स शुरू हुए हैं।

कोर्स

पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी ने बीबीए, एमबीए, एमटेक, बीटेक, एमएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। इसके अलावा देश के चुनिंदा संस्थानों ने पेट्रोलियम के क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमएससी और बीएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। ये सभी कोर्स पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोटेक्नोलॉजी, गैस इंजीनियरिंग, पेट्रोमार्केटिंग आदि में शुरू किए हैं।

योग्यता

बारहवीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान से 50 प्रतिशत अंकों से पास करने के बाद आप इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैमिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक कर चुके छात्र पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एमटेक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए बारहवीं किसी भी संकाय से उत्तीर्ण होना जरूरी है।

स्टडी कोर्स

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में छात्र जियोलॉजी, भौतिकी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों द्वारा पेट्रोलियम की रिकवरी, डेवलपमेंट और प्रोसेसिंग के बारे में जानते हैं। इसके अलावा ड्रिलिंग, मैकेनिक्स, पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम जैसे विषयों पर छात्रों की पकड़ बनाई जाती है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री को मुख्य तौर पर दो भागों में बांट कर देख सकते हैं- अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सेक्टर। अपस्ट्रीम सेक्टर में खोज, उत्पादन व तेल और प्राकृतिक गैसों का दोहन कैसे किया जाए, इसकी शिक्षा व ट्रेनिंग दी जाती है। डाउनस्ट्रीम सेक्टर में रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण से संबंधित पूरी जानकारी दी जाती है। पेट्रोलियम के क्षेत्र में टीम की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण होती है। एक पेट्रोलियम इंजीनियर को जियोलॉजिस्ट, अन्वेषणकर्ता, इंजीनियर, पर्यावरण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ काम करना पड़ता है।

अवसर

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लगभग आठ लाख लोगों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र अवसरों से भरा पड़ा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के द्वार आपके लिए खुले हैं। जिस तरह पेट्रोल के नए भंडार और क्षेत्र मिल रहे हैं, उससे यह क्षेत्र आने वाले समय में बड़ा लाभकारी साबित होगा।

संस्थान

- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
- डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, असम
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, इंस्टीटयूट ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज एंड कैमिकल इंजीनियरिंग, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, दिल्ली
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
- डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी सागर, मध्य प्रदेश
- महाराष्ट्र इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, महाराष्ट्र